News item/letter/article/editorial published on 2.7.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi) ✓
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

उत्तराखंड में बादलफाड़ तबाही : 35 मरे

सुनील/संजय तलवाड़/
देहरादून/ पिथौरागढ़

पंजाब-2-7-16

उत्तराखंड राज्य में एक बार फिर आसमान से आफत बरसी है। अत्यधिक बरसात ने कई जिलों में कोहराम मचा दिया है। सबसे ज्यादा नुक्सान पिथौरागढ़ में होने की खबर मिली है। उत्तराखंड राज्य में अब तक 35 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 28 लोग लापता बताए गये हैं। दर्जनों घर जमींदोज हो गए हैं। डीडीहाट में मलबे में दबने से 9 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 23 लोग अभी भी मलबे में दबे हुए हैं। वहीं चमोली में बादल फटने के बाद अलकनंदा, मंदाकिनी, सरयू समेत करीब 10 नदियां खतरे

प्रकृति का कहर

पिथौरागढ़, चमोली और चम्पावत में दर्जनों घर जमींदोज, मलबे में दबे हैं 30 लोग

के निशान से ऊपर बह रही हैं।

पिथौरागढ़ जिले के डीडीहाट और थल तहसील क्षेत्र में बादल फटा है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान बस्तड़ी क्षेत्र में हुआ। यहां पहाड़ी से आये मलबे में कई लोग दब गये। पुलिस ने बचाव व राहत कार्य शुरू कर दिया है। यहां संचार सेवा पूर्ण रूप से ठप्प हो गयी है। वहीं ओगला-सिंगाली-भागिचौरा मार्ग

उत्तराखंड में बादल फटने से पानी का तेज बहाव।

दो स्थानों पर चालीस मीटर बह चुका है। टोपराधार दाफिला में दो मकान ध्वस्त होने से तीन जानवर मलबे में दबकर मर गये। यहां थल और मुवानी के बीच मार्ग में मलबा

▸ शेष पृष्ठ 14 पर

उत्तराखंड में...

आने से मार्ग मलबे से पट चुका है। जौलजीबी से बरम के बीच खन्यैरा के पास नाले के उफान पर आने से दो पुल बह गये। पिथौरागढ़ में जिन 9 लोगों की मौत हुई है, उनमें बच्चीराम, मनोज कुमार व पार्वती देवी (सभी निवासी कुमालगौनी गांव), गिरीश चंद्र, माधवानंद, रेवाधर, जहद सिंह व चंद्र बल्लभ (सभी निवासी बस्तड़ी गांव) हैं, जबकि एक अन्य मृतक की शिनाख्त की जा रही है। वहीं चमोली में बादल फटने से घाट, पिपलकोटी, फर्स्वाणफाट, चमोली, कोटियाल सैण सहित कई इलाकों में भारी नुक्सान हुआ है। जोरदार वर्षा होने से अलकनंदा, मंदाकिनी उफान पर चल रही हैं। वहीं कर्णप्रयाग संगम में पानी बढ़ चुका है। अनेक संपर्क मार्ग पूरी तरह से बंद हो गये हैं।

गोपेश्वर से जगदीश के अनुसार चमोली जनपद में आसमान से आपदा सुबह 5 बजे से बरसनी शुरू हुई। मूसलधार वर्षा और पहाड़ियां खिसकनी शुरू हो गईं। अचानक आई भयंकर वर्षा और भूस्खलन से अफरा-तफरी मच गई। घाट विकास

पंजाब-2-7-16

उत्तराखंड में जलजला

आपदा के बाद बस्तड़ी गांव में हर जगह नजर आ रहा था पानी ही पानी, बादल फटने से सब कुछ बर्बाद हुआ

गांव वालों पर सुबह- सवेरे झपटी मौत

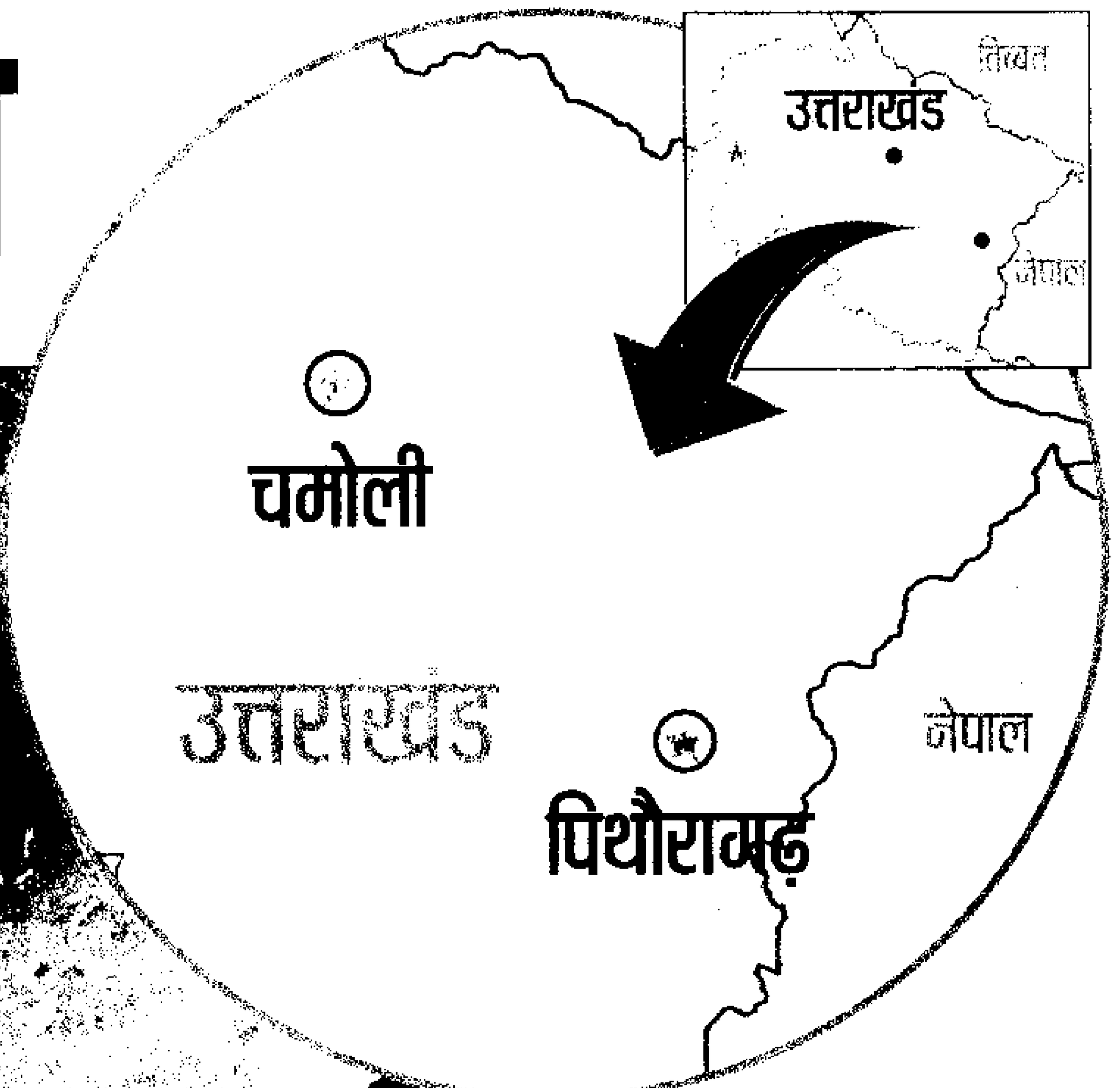

तबाही के निशां

कनालीछीना | हमारे संवाददाता

आपदा के बाद बस्तड़ी में हर जगह पानी ही पानी नजर आ रहा है। एक अजीब से खामोशी के बीच जमीन में बहता पानी लोगों के दुःख का कारण बना हुआ है।

इस पूरे क्षेत्र में लोगों ने इतना पानी पहले कभी नहीं देखा। अब पूरे क्षेत्र में इतना पानी बह रहा है कि लोगों के लिए राह चलना भी कठिन हो गया है। क्षेत्र के 70 साल के बुजुर्ग मोहन राम ने बहते आंखों की आसुंओं की धार पोछते हुए कहा कि यही देखने देखने को बची थी क्या मेरी सांसें।

दूसरे ही पल तबाही से सब कुछ बर्बाद हो गए गांव की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा इस आपदा ने हमार सब कुछ छीना लिया। 60 साल की रमुली आमा भी बेहद स्तब्ध हैं। उनकी आंखों से आसुंओं की धार बह रही है, बस..।

किसी तरह स्वयं को संभालती आमा ने मुंह से लंबी खामोशी के बाद एक शब्द निकला तो कहा अब कहने को बचा क्या है। भगवान ने किस बात की सजा दी यह तो पता नहीं, लेकिन गांव के लोगों ने हमेशा यहां के जंगलों की बच्चों जैसे रक्षा की। इस गांव का हर कोई शुक्रवार की मनहूस सुबह के बाद स्तब्ध है, न कहने को उनके पास अपने शब्द हैं, और न ही बोलने की जुबां हिम्मत। आसुंओं की धार उनके मन की व्यथा को प्रकट कर रही है।

पिथौरागढ़ में शुक्रवार को भूस्खलन से क्षतिग्रस्त मकान। • हिन्दुस्तान

उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बादल फटने और भारी बारिश के कारण हुई मौतों पर मैं दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा, इस घटना में घायलों के साथ मेरी प्रार्थनाएं। मैं उम्मीद करता हूं कि बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द सामान्य स्थिति लौटेगी। **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

यह बड़ी दुख की बात है कि आकस्मिक बाढ़ से कई लोगों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कई लोगा लापता हैं जो गंभीर निराशा का विषय है। लापता लोगों के रिश्तेदारों को उम्मीद नहीं छोड़ी चाहिए और हम प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। **सोनिया गांधी**, कांग्रेस अध्यक्ष

गोरी, काली व सरयू नदी ने लिया रौद्र रूप

पिथौरागढ़। जनपद में पिछले 24 घंटे में हुई आफत की बारिश के बाद सभी प्रमुख नदियां ऊफना गई हैं। सभी नदियों का जल स्तर खतरे के निशान को छूने को बेताब है। जिससे नदी किनारे रह रहे लोगों में खौफ है। शुक्रवार को जनपद में हुई भारी बारिश के बाद काली, गोरी व धौली नदी के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। नदियों के जल स्तर में हुई वृद्धि के बाद लोग बुरी तरह से घबराए हुए हैं। काली नदीके तेज बहाव के बाद जौलजीबी में लोग डरे हुए हैं। गोरी नदी ने मदकोट के लोगों को बुरी तरह से डराया हुआ है।

नदी में फंसे आठ लोग बचाए

सोते हुए लोगों पर टूटी आफ

गांव का हर रही है।

जल्द से जल्द सामान्य स्थिति लौटेगी। नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री | साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष | हुआ है।

नदी में फंसे आठ लोग बचाए

देहरादून | वरिष्ठ संवाददाता

घाट ब्लाक में मंदाकिनी नदी से घिरे टापू पर फंसे आठ लोगों को राजस्व और रेगुलर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर सुरक्षित निकाल लिया।

एसपी प्रीति प्रियदर्शनी ने बताया कि पुलिस, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें आपदा वाले क्षेत्रों में राहत कार्यों में जुटी हैं।

घाट-दशोली में बरसी आपदाः तेज बारिश के बीच गुरुवार रात मंदाकिनी नदी ने खतरे के निशान के ऊपर बहते हुए घाट इलाके की ओर रुख कर लिया। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे घाट क्षेत्र में 80 साल के रामचंद्र और उनका पोता योगेश्वर प्रसाद बारिश तेज होने पर घर से बाहर किसी सुरक्षित जगह की ओर जाने लगे। तभी भूस्खलन की चपेट में आकर मलबे में दब गए।

उठाने से यहां रह ... जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सोते हुए लोगों पर टूटी आफत

कुमाऊं | हिटी

पिथौरागढ़ के नौलड़ा गांव में गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। आपदा में बची राम पुत्र नारायण राम, उनकी पत्नी पार्वती देवी, पुत्र मनोज कुमार की मलबे में दबने से मौत हो गई। बची राम के बेटे कमलेश (16), ललित (14) और नीरू (11) ने किसी तरह जान बचाई। प्रशासन का कहना है कि टीमें मलबे से शव बाहर निकालने में जुटी हैं।वहीं कनालीछीना स्थित चर्मा मंदिर में बादल फटने से आए मलबेमें दबकर एक संन्यासी की मौत हो गई। लोगों ने किसी तरह उनका शव बाहर निकाला।

सेना और आईटीबीपी बने देवदूत : करीब सवा चार बजे सुबह बस्तड़ी में बादल फटने से तीन मकान जमींदोज हो गए। आपदा के तीन घंटे से भी अधिक समय बाद आईटीबीपी मिर्थी और सेना के जवानों ने छह लोगों को मलबे से सुरक्षित निकाल लिया। ये लोग मकान के मलबे के साथ बह गए थे। गंभीर रूप से घायल इन छह लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डीडीहाट पहुंचाया गया। धारचूला मोटर मार्ग के बंद होने से बचाव राहत में खासी दिक्कतें आ रही हैं।

बागेश्वर में बिजली गिरी, एक की मौत

बागेश्वर। गरुड़ तहसील के अमस्यारी गांव में ख्याली दत्त जोशी (62) सुबह किसी से मोबाइल पर बात करने लगे। बाहर बारिश हो रही थी। इस दौरान बिजली कड़की और जोशी मोबाइल के साथ ही जमीन पर गिर गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

से ... खा... अ... थी ... कर...

आपदा

बादल फटना मतलब छोटे दायरे में भारी बारिश

बादल फटना जिसे अंग्रेजी में क्लाउडब्रस्ट कहते हैं, एक छोटे से दायरे में काफी बड़ी मात्रा में अचानक बारिश होना है। ऐसा तब होता है जब वातावरण में दबाव बेहद कम हो जाता है। आमतौर पर बादल अचानक एक दूसरे से या फिर किसी पहाड़ी से टकराते हैं, तब अचानक भारी मात्रा में पानी बरसता है। यह प्रक्रिया ज्यादा ऊंचाई पर नही होती। इसमें 100 मिलीमीटर प्रति घंटा या उससे भी तेज रफ्तार से बारिश होती है जिससे बाढ़ जैसा मंजर दिखने लगता है। भारी नमी से लदी हवा अपने रास्ते में जब पहाड़ियों से टकराती है तो बादल फटने की घटना होती है। हिमालय क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि वहां ऐसी घटनाएं ज्यादा देखने को मिलती हैं।

तेज आंधी के साथ बारिश

बादल फटने के दौरान आमतौर पर गरज और बिजली चमकने के साथ तेज आंधी के साथ भारी बारिश होती है। एक साथ भारी मात्रा में पानी गिरने से धरती उसे सोख नहीं पाती और बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है और चारों तरफ तबाही मच जाती है। बीच में यदि हवा बंद हो जाए तो बारिश का समूचा पानी एक छोटे इलाके में एकाएक जमा होकर फैलने लगता है।

पहाड़ों पर ज्यादा घटनाएं

बादल फटने की अधिकतर आपदाएं पहाड़ी क्षेत्रों में ही होती हैं। जैसे की हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर आदि।

02 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश चंद मिनटों में ही हो जाती है बादल फटने पर। जिस कारण से भारी तबाही मचती है।

2500 से 4000 मीटर की ऊंचाई पर बादल फटने की घटना आमतौर पर होती है।

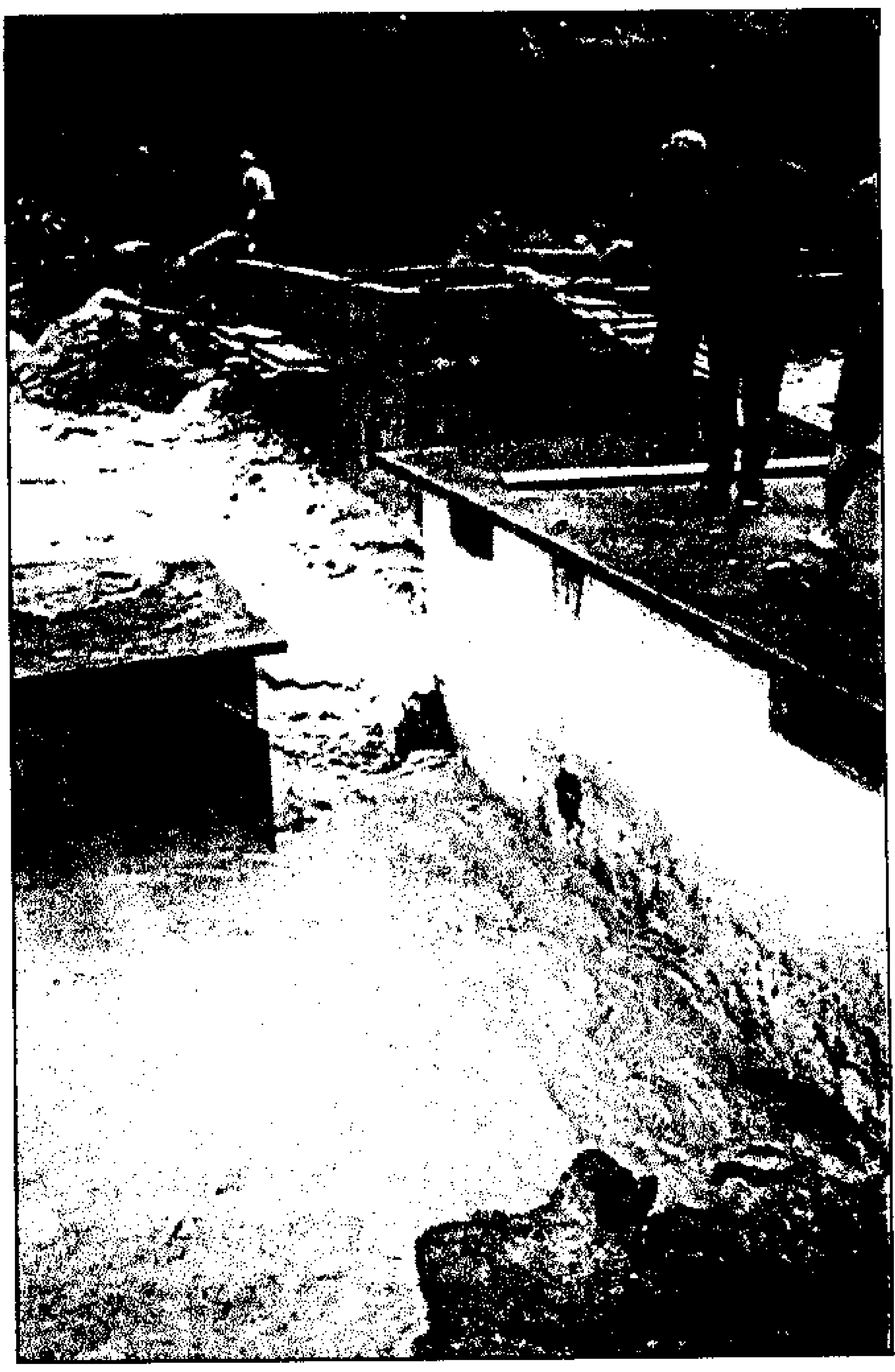

आफत

29 मई 2016 को उत्तराखंड में बादल फटा, 4 लोगों की मौत

11 मई 2016 में शिमला के पास सुन्नी में बादल फटा, भारी तबाही

08 अगस्त 2015 मंडी में बादल फटा, 5 लोगों की मौत

चमोली जिले के घाट में बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस गया।

कभी-कभी मैदानी इलाकों में भी

2005 में 26 जुलाई को मुंबई में गर्म हवा से टकराने से हुई थी बादल फटने की घटना, आमतौर पर मैदानी क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं कम देखने को मिलती हैं।

दो-दो लाख का मुआवजा

मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पिथौरागढ़ और चमोली जिले में आपदा में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख राहत राशि देने की घोषणा की है।

News item/letter/article/editorial published on 3.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अधिकतम पारा सात डिग्री लुढ़का

दि-3-7-16

राहत

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

राजधानी में मानसून ने दस्तक दे दी है। शनिवार को मौसम विभाग ने इसकी घोषणा कर दी। पिछले 24 घंटे में दिल्ली में 23.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। मौसम में इस बदलाव से शनिवार को अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सामान्य से सात डिग्री कम है।

अधिकतम पारे के साथ ही न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। यह 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। हवा में आर्द्रता का अधिकतम स्तर 97 प्रतिशत तक पहुंच गया।

बादल छाए रहेंगे : मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार रविवार को भी आसमान में बादल छाए रहेंगे। दिल्ली व आसपास के कई इलाकों में रुक - रुक कर बारिश दर्ज की जाएगी। मौसम वैज्ञानिक रविंद्र विसेन ने बताया कि पिछले 24 घंटे में दिल्ली में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। सोमवार तक रुक -रुक कर बारिश होगी।

छह साल का रिकॉर्ड टूटा

वर्ष	तापमान (डिग्री सेल्सियस में)
2016	30.2
2015	38
2014	35
2013	39
2012	43
2011	36
2010	39

(नोट : अधिकतम तापमान के ये आंकड़े 2 जुलाई के आधार पर दिए गए हैं)

कहां-कितना बारिश

इलाके	बारिश (मिलीमीटर में)
लोधी रोड	19.6
पीतमपुरा	19.0
आयानगर	18.7
रिज	12.0
पूसा	10.0
नजफगढ़	9.0

नोट : शनिवार को हुई बारिश के आंकड़े

News item/letter/article/editorial published on 2.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

शबाब पर चित्रकोट

जगदलपुर ● पत्रिका. मानसून की पहली बारिश से चित्रकोट जलप्रपात पूरे शबाब पर है। जलप्रपात को देखने पर्यटकों का तांता लगा हुआ है। चित्रकोट जलप्रपात राज्य के पर्यटन मानचित्र में अहम जगह बनाए हुए है। इस जलप्रपात को देखने साल भर सैलानी पहुंचते हैं।

फोटो : [illegible]

पत्रिका-2-7-16

News item/letter/article/editorial published on 2.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अगले 48 घंटे जबरदस्त बारिश

हि - 2-7-16

देहरादून | वरिष्ठ संवाददाता

दो दिन बरती जाए एहतियात

मौसम विभाग ने पहाड़ में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। साथ ही मैदानी इलाकों को लेकर भी चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने इन दो दिन में जरूरी एहतियात बरतने के लिए कहा है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले 48 घंटों के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। जबकि राज्य के आठ जिले नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, चंपावत, अल्मोड़ा, पौड़ी, टिहरी, हरिद्वार और देहरादून में भारी से भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

राज्य मौसम केंद्र निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि राज्य के आठ जिलों के लिए अगले 48 घंटे काफी संवेदनशील हो सकते हैं। चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ में भी इस दौरान भारी बारिश होगी। मौसम विभाग ने गुरुवार को बारिश को लेकर जो चेतावनी जारी की थी, उसे अगले 48 घंटे के लिए फिर से दोहराया है। मालूम हो कि शुक्रवार को भी राज्य के तकरीबन सभी जिलों में भारी बारिश हुई। हेमकुंड साहिब समेत चारधाम रूट पर भी आज और कल मूसलाधार बारिश संभव है।

अरुणाचल में भूस्खलन में सात मरे, कई लापता

नई दिल्ली\ईटानगर | एजेंसी

अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश से पश्चिमी कामेंग जिले में शुक्रवार को भूस्खलन से दो महिलाओं और एक किशोर सहित पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य के फंसे होने की आशंका है।

वहीं, राज्य के भालुकपोंग में भूस्खलन और बारिश से खुफिया विभाग के पांच कर्मचारियों के लापता होने की सूचना मिली है। पश्चिमी कामेंग में भूस्खलन तब हुआ, जब ओल्ड इंस्पेक्शन बंगला के पास स्थित एक टीला धंस गया और कई मकान जमींदोज हो गए। पांच शव मलबे से बरामद किए गए हैं, जबकि पांच अन्य के इसमें दबे होने की आशंका है।

भालुकपोंग में आईबी का एक मकान शुक्रवार को भूस्खलन की चपेट में आ गया। प्राकृतिक आपदा के कारण क्षेत्र से दो लोगों के मरने की भी सूचना है। उन्होंने कहा कि भारत-तिब्बत सीमा बल के 30 सदस्यों की टीम प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गई है ।

उत्तराखंड में 51 गांव मौत के मुहाने पर

हल्द्वानी | जहांगीर राजू

साल 2013 में आपदा के बाद शासन ने उत्तराखंड के 650 गांवों को आपदाग्रस्त घोषित किया था। मगर अब तक सुरक्षा और विस्थापन की पुख्ता योजना नहीं होने से इन गांवों में आपदा का कहर लगातार टूट रहा है। नौबत यहां तक है कि राज्य के 51 गांवों के बाशिंदे मौत के मुहाने पर जिंदगी काट रहे हैं, लेकिन उनके विस्थापन के लिए सरकार और अफसर आज तक कोई योजना धरातल पर नहीं उतार पाए हैं। ऐसे में बारिश के अगले तीन महीने उन पर कैसे गुजरेंगी, यह चिंता उन्हें रात दिन खाए जा रही है।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से भू-गभीय सर्वे के लिए भूतत्व और खनिकर्म विभाग को राज्य के 74 अतिसंवेदनशील गांवों की सूची भेजी गई थी। इसमें अबतक 67 गांवों का सर्वे पूरा कर शासन को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है।

राज्य में भूगर्भीय सर्वे के बाद 67 गांवों की रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। इसमें 51 गांव विस्थापन की दृष्टि से बेहद संवेदनशील करार दिए गए हैं। इन गांवों का विस्थापन बेहद जरूरी है। **-जीडी प्रसाद,** उपनिदेशक, जियोलॉजी एंड माइनिंग विभाग, उत्तराखंड

पिथौरागढ़ जिले के 21 गांव विस्थापन की दृष्टि से बेहद संवेदनशील हैं। इनमें छह का सर्वे कर शासन को रिपोर्ट भेजी है। इसमें वहां के लोगों के विस्थापन की जरूरत बताई गई है।
-लेख राज, सहायक भूवैज्ञानिक, भूतत्व एवं खनिकर्म

सर्वे के मुताबिक राज्य में इस वक्त 51 ऐसे गांव हैं, जो विस्थापन की दृष्टि से बेहद संवेदनशील हैं। इनमें रह रहे लोगों का विस्थापन बेहद जरूरी है, लेकिन शासन स्तर से कोई कदम नहीं उठाने से यहां रह रहे लोग जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

Covering L.. YIS

News item/letter/article/editorial published on 3.7.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

। संडे नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । 3 जुलाई 2016

अब जमकर बरसेंगे बादल

दिल्ली में आ गया मॉनसून

10 दिन लगातार होगी बारिश!

Yogesh Kumar

दिल्ली में मॉनसून ने दस्तक दे दी है। अब मॉनसून के बादल अगले दस दिनों तक दिल्ली में बरसते रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक दस दिनों तक लगातार बारिश होने की संभावना है। साथ ही उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी और तापमान भी नॉर्मल से कम रहेगा। पिछले साल के मुकाबले इस बार तीन दिन पहले मॉनसून आ गया है। पिछली बार 5 जुलाई को मॉनसून आया था।

30 डिग्री सेल्सियस तक गिरा मैक्सिमम टेंपरेचर

कुछ दिनों तक बना रहेगा ऐसा ही मौसम

■ नगर संवाददाता, नई दिल्ली

मॉनसून आने के साथ दिल्ली में मौसम सुहाना हो गया और उमस से भी राहत मिल गई। अगले दस दिनों तक राजधानी में बारिश वाला मौसम बना रहेगा।

नैशनल वेदर फॉरकॉस्टिंग सेंटर के हेड बीपी यादव ने बताया कि दिल्ली और आसपास के इलाकों समेत अगले कुछ दिन तक बारिश होती रहेगी। इससे उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी और कई जगहों पर अच्छी बारिश होने की संभावना है। स्काइमेट के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने कहा कि दिल्ली में मॉनसून पिछले साल से जल्दी आया है। पिछली बार 5 जुलाई को मॉनसून आया था। वैसे इसके आने की तय डेट 29 जून है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज संडे को भी दिनभर बादल छाए रह सकते हैं। आंधी के साथ बारिश होने की उम्मीद है। मैक्सिमम टेंपरेचर 30 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 24 डिग्री रहने का अनुमान है। शनिवार को दिनभर बादल छाए रहे और कई जगहों पर हल्की बारिश भी हुई। दिन भर हवा चली और मौसम सुहावना रहा। बीते कुछ दिनों से उमस भरी गर्मी से राहत मिली। शनिवार को मैक्सिमम टेंपरेचर नॉर्मल से सात डिग्री कम के साथ 30.2 डिग्री पर दर्ज हुआ। मिनिमम टेंपरेचर नॉर्मल से तीन डिग्री कम के साथ 24.4 डिग्री दर्ज हुआ। हवा में अधिकतम ह्यूमिडिटी 97 पर्सेंट दर्ज हुई। हालांकि हवाएं चलने और तापमान 30 डिग्री तक गिरने से उमस महसूस नहीं हुई।

आने वाले दिनों में ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। शनिवार को शाम 5:30 बजे तक जाफरपुर में 2 मिमी, पीतमपुरा में 1 मिमी और आयानगर में 0.2 मिमी बारिश दर्ज हुई। सफदरजंग में सुबह 8:30 बजे तक 23.6 मिमी बारिश दर्ज हुई।

भारी बारिश के कारण बदरीनाथ हाईवे दूसरे दिन भी बंद, केदारघाटी में मौसम खराब होने की वजह से हेलीकॉप्ट

बारिश में रास्ते बहे, चारधाम यात्रा ठप

हि-3-7-16

आफत की बारिश

गोपेश्वर/देहरादून | हिटी

बदरीनाथ हाईवे लगातार दूसरे दिन बंद रहा। हेमकुंड और बदरीनाथ आने-जाने वाले करीब तीन हजार से अधिक यात्री बीच में ही फंसे हुए हैं। चमोली में सिख तीर्थयात्रियों ने दूसरे दिन भी हाईवे नहीं खोलने पर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

रास्ता बहने से बदरीनाथ हाईवे मैठाणा और चमोली के पास चार जगहों पर बाधित है। बीआरओ के कमांडेंट आर सुब्रह्मयण ने बताया कि रविवार तक अस्थाई रूप से वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकती है। डीएम विनोद कुमार सुमन ने बताया कि मार्ग का निरीक्षण होने के बाद इसे खोला जाएगा। गोपेश्वर चमोली मोटर मार्ग भी कोठियाल सैंण के पास बाधित होने के कारण आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

गंगोत्री हाईवे लाटा के पास आठ घंटे बंद रहा : शुक्रवार रात से हो रही तेज बारिश से आए मलबे से गंगोत्री हाईवे लाटा के पास आठ घंटे तक बाधित रहा। शुक्रवार देर रात को भटवाड़ी क्षेत्र में जमकर भारी बारिश हुई।

इसके कारण गंगोत्री हाईवे चार अलग -अलग स्थानों मल्ला, विशनपुर, कुमाल्टी, एवं नेताला के पास मलबा आने के कारण अवरुद्ध हुआ वहीं लाटा के पास करीब 20 मीटर सड़क कट जाने के कारण आठ घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। वहीं गंगोत्री हाईवे पर बेमुंडाखाल के पास मलबा आने से सात घंटे तक बंद रहा।

दिल्ली-यमुनोत्री मोटर मार्ग अवरुद्ध

बारिश से दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे और अगलाड-थत्यूड़ मोटर मार्ग शनिवार दोपहर से कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गया है। दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे अगलाड पुल-नैनबाग के बीच तथा अगलाड-थत्यूड़ मोटर मार्ग बंदरकोट-बैरेजी के बीच बंद हो गया है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है।

केदारनाथ के लिए तीन दिन से नहीं उड़े हेलीकॉप्टर : केदारघाटी में लगातार मौसम खराब होने के कारण तीन दिनों से हेलीकॉप्टर सेवा नहीं चल सकी। शनिवार को भी केदारनाथ में बारिश जारी रही, जबकि गौरीकुंड से रामबाड़ा और केदारनाथ तक घना कोहरा रहा। इस कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सके। मौसम खराब होने की स्थिति में हेलीकॉप्टर कंपनियां उड़ाने शुरू नहीं करवा सकी।

केदारनाथ की यात्रा में हेली सेवाएं देने वाली 6 हेलीकॉप्टर कंपनियां मानसून को देखते हुए दिल्ली लौट गई हैं। **जबकि पांच हेलीकॉप्टर कंपनियां अभी सेवाएं दे रही हैं। मौसम बार-बार खराब होने के कारण कम यात्री ही केदारनाथ जा पा रहे हैं।**

चमोली और मैठाणा में शनिवार को बदरीनाथ हाईवे की मरम्मत में जुटे कर्मचारी। ● हिन्दुस्तान

आपदा में जुटेगी हेलीकॉप्टर सेवा

प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और बचाव अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने अहम फैसला लिया है। शनिवार को कैबिनेट बैठक में हेलीकॉप्टर सेवाओं को और मजबूत करने का निर्णय किया गया है। राहत और बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए आपदा प्रभावित क्षेत्र दो घंटे के भीतर हेलीकॉप्टर सेवा से जुड़ जाएगा। साथ ही सरकार ने बारिश की वजह से पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहे हादसों को देखते हुए चार जुलाई से प्रस्तावित विधानसभा सत्र को टाल दिया है। कैबिनेट ने चार-पांच के बजाए 21 और 22 जुलाई को विधानसभा सत्र का आयोजन करने को मंजूरी दे दी।

टिहरी के दो गांवों में बादल फटा

नई टिहरी/उत्तरकाशी। उत्तराखंड में लगातार दूसरे दिन बारिश का कहर जारी है। टिहरी और उत्तरकाशी जिले के कई गांवों में शनिवार को बारिश ने भारी तबाही मचाई। नरेंद्रनगर क्षेत्र में शनिवार को बसर और मंजियाड़ी ग्राम पंचायत के गांव बादल फटने से भारी तबाही हुई है। जानमाल का नुकसान तो नहीं हुआ है, लेकिन दो घर मलबे में दब गए। कई हेक्टेयर खेती के साथ सिंचाई नहरें, पेयजल लाइनें, संपर्क मार्ग तबाह भी हो गए। घनसाली तहसील के धारगांव में भी कुछ घरों में मलबा घुसा। कई हेक्टेयर खेती बहने के साथ सिंचाई नहरें और पेयजल लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई।

बादल फटने से नासा

घाटी में मौसम खराब होने की वजह से हेलीकॉप्टर सेवा भी बाधित

रधाम यात्रा ठप

रीनाथ हाईवे की मरम्मत में जुटे कर्मचारी। ● हिन्दुस्तान

सेवा

र बचाव अभियान को फैसला लिया है। सेवाओं को और राहत और बचाव कार्यों प्रभावित क्षेत्र दो घंटे साथ ही सरकार ने र बढ़ रहे हादसों को भा सत्र को टाल 1 और 22 जुलाई को जूरी दे दी।

टिहरी के दो गांवों में बादल फटा

नई टिहरी/उत्तरकाशी। उत्तराखंड में लगातार दूसरे दिन बारिश का कहर जारी है। टिहरी और उत्तरकाशी जिले के कई गांवों में शनिवार को बारिश ने भारी तबाही मचाई। नरेंद्रनगर क्षेत्र में शनिवार को बसर और मंजियाड़ी ग्राम पंचायत के गांव बादल फटने से भारी तबाही हुई है। जानमाल का नुकासान तो नहीं हुआ है, लेकिन दो घर मलबे में दब गए। कई हेक्टेयर खेती के साथ सिंचाई नहरें, पेयजल लाइनें, संपर्क मार्ग तबाह भी हो गए। घनसाली तहसील के धारगांव में भी कुछ घरों में मलबा घुसा। कई हेक्टेयर खेती बहने के साथ सिंचाई नहरें और पेयजल लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई।

मसूरी में भारी बारिश

मसूरी। मसूरी में भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मसूरी-देहरादून मार्ग पर कोल्हू खेत के पास पहाड़ी दरकने से मार्ग बाधित होने के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक फंस गए। हालांकि, एक घंटे बाद मसूरी-दून मार्ग पर आवाजाही सुचारु हो सकी। जबकि कार्ट मैकंजी रोड पर नाग मंदिर के पास पेड़ गिरने से सड़क पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई।

सामूहिक अंत्येष्टि

कनालीछीना (पिथौरागढ़)। बेहद गमगीन माहौल में बस्तड़ी में आपदा में मारे गए सात लोगों की चर्मागाड़ में अंत्येष्टि की गई। इस दौरान अंतिम यात्रा में शामिल हुए क्षेत्र के हर एक की आंखें नम हो आई। शुक्रवार की सुबह आसमान से बरसी आफत में बस्तड़ी के सात लोगों की मौत हो गई थी। सभी की चर्मगाड़ में गमगीन माहौल में अंत्येष्टि की गई।

गंग नहर को बंद किया

हरिद्वार। गंगा के पानी में सिल्ट आने के कारण शनिवार को उत्तरी गंग और पूर्वी गंग नहर को बंद कर दिया गया है। इन दोनो नहरों का पानी नीलधारा में छोड़ दिया गया है। यूपी सिंचाई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सिल्ट आने के कारण नहर चोक होने का खतरा रहता है। इसीलिए दोनों नहरों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। हरिद्वार से यूपी सिंचाई विभाग की दो नहरों से कई प्रदेशों के लिए सिंचाई का पानी मुहैया कराया जाता है।

मानसून ट्रैकर

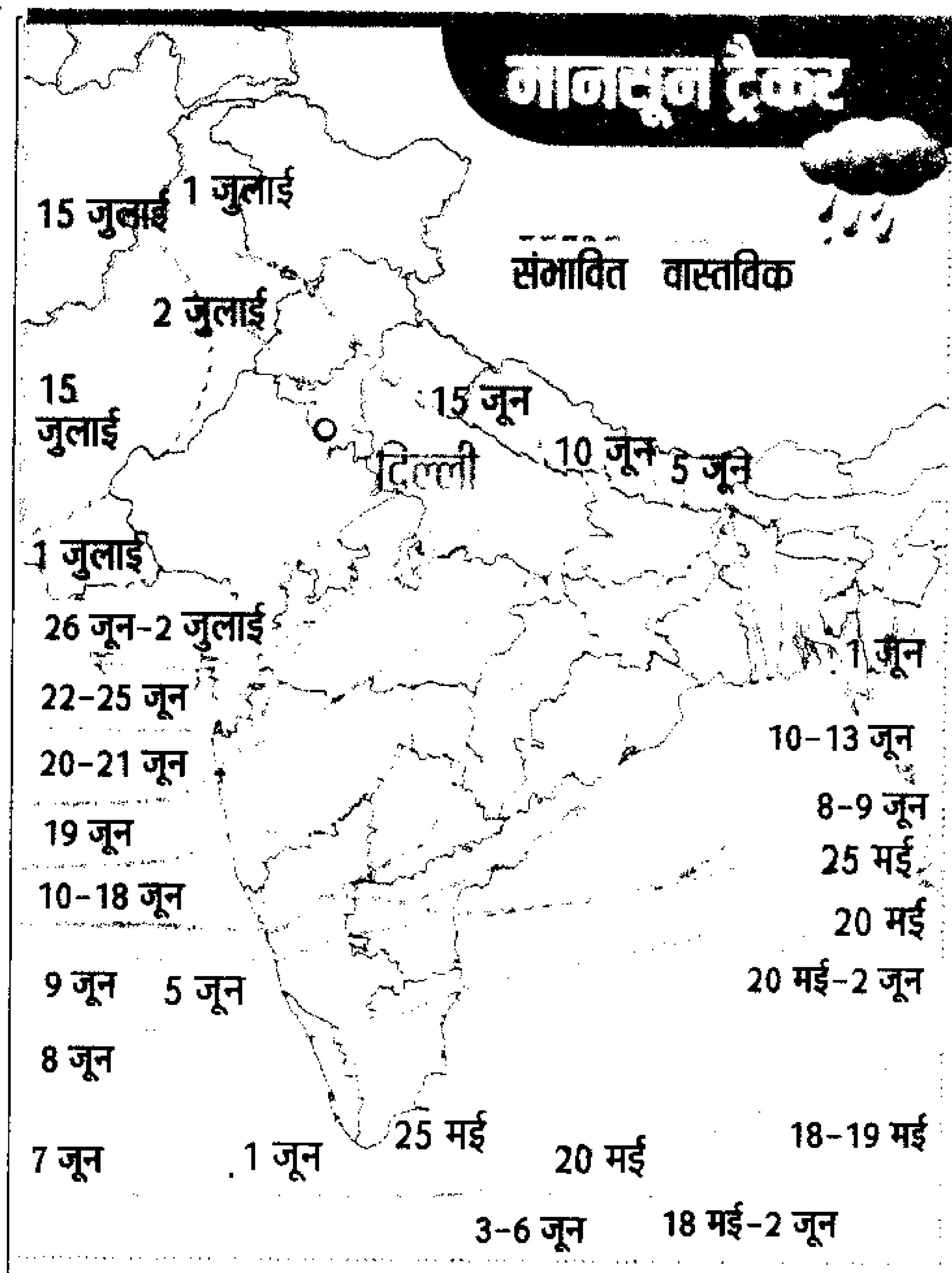

बारिश का अलर्ट

03 जुलाई
हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में भारी बारिश

04 जुलाई
मध्य प्रदेश, बिहार, बंगाल, झारखंड, सिक्किम, असम, मेघालय में भारी बारिश

05 जुलाई
पूर्वी उत्तर, प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश

06 जुलाई
पूर्वी यूपी, बिहार, कोंकण, गोवा, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश हो सकती है।

कहां-कहां पहुंचा मानसून

- दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा हिमाचल और राजस्थान के बचे हुए हिस्से में पहुंच चुका है मानसून
- नॉर्दन लिमिट मानसून (एनएलएम) हिसार (हरियाणा), बठिंडा (पंजाब), बूंदी (राजस्थान) से गुजर रहा है।
- 03 और 04 जुलाई को पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में भारी बारिश।

मुंबई में जमकर बारिश

मुंबई। शहर में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई है और उपनगरीय ट्रेन सेवाएं अपने निर्धारित समय से 10-15 मिनट की देरी से चल रही हैं जबकि मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। पिछले 24 घंटे में कोलाबा में 60.8 मिलीमीटर जबकि सांताक्रूज में 77 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग ने साथ ही अगले 24 घंटे में मुंबई सहित पूरे कोंकण क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान लगाया है।

बिहार में 29% कम बारिश

पटना। बिहार पहुंचकर कमजोर हो रहे मानसून के कारण राज्य के लोग सामान्य बारिश के लिए भी तरस गए हैं। दो जुलाई तक राज्य में सामान्य से 29 फीसदी कम बारिश होने का रिकॉर्ड मौसम विभाग के आंकड़ों में दर्ज हुआ है। दर्जनभर ऐसे जिले हैं, जहां 50 से 95 फीसदी तक कम बारिश हुई है। दो जुलाई के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 192.2 मिलीमीटर की जगह महज 136.2 मिमी बारिश ही हो सकी थी।

बादल फटने से नासा की नई मशीन रोकेगी

देहरादून | संतोष चमोली

उत्तराखंड में बादल फटने की घटनाओं को रोकने के लिए मशीनी प्रयोग होने जा रहा है। नासा से जुड़े चार विदेशी वैज्ञानिक इस मशीन के साथ सोमवार को दून आ रहे हैं। वह मशीन के काम करने के तौर तरीके की जानकारी राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग को देंगे।

नासा के पूर्व वैज्ञानिकों की टीम से जुड़े इंजियोसर्व के सीईओ राघवेंद्र का कहना है कि यह मशीन बादलों को एक जगह एकत्रित होने से रोकती है। इस मशीन का इस्तेमाल अनधानी का कदा

बादल फटने के साथ ही बारिश नहीं होने पर बारिश की स्थिति भी पैदा की जा सकती है। उनका दावा है कि इससे बादल फटने की घटना को काफी हद तक रोका जा सकता है। भारत में अभी इस तकनीक का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। उत्तराखंड सरकार से अनुमति मिली तो इस बरसात में ही प्रयोग किया जाएगा।

ऐसे काम करती है मशीनः यह मशीन क्षेत्र विशेष में वहां आमतौर पर बादल फटने की घटनाओं को देखते हुए लगाई जाती है। बादलों के एक स्थान पर एकत्रित होने पर इसके बाद मशीन से वायुमंडल में विशेष

News item/letter/article/editorial published on 3.7.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

कैला भट्टा नाले के लिए एसटीपी बनाएगा जल निगम

गाजियाबाद | सुनील पाण्डेय

नदी से नाला बनी हिंडन को बचाने के लिए पहल शुरू हो गई है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दबाव के बीच हिंडन में गिरने वाले नालों का पानी साफ करके डाला जाएगा। इसके लिए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाएंगे ताकि पानी को साफ करके नदी में डाला जाए। कैला ड्रेन के पानी की सफाई के लिए 100 एमएलडी का एसटीपी बनाया जाएगा। इसके लिए नगर निगम से चार हेक्टेयर जमीन मांगी गई है।

एनजीटी ने हिंडन में गिरने वाले नालों का पानी साफ करके नदी में डालने को कहा है। इसके बाद जल निगम ने कैला भट्टा नाला को प्राथमिकता से लिया है। इसका पानी सीधे नदी में जाता है, जिससे नदी प्रदूषित हो रही है। इसके लिए 100 एमएलडी क्षमता का एसटीपी बनाया जाएगा। इसके अलावा छह जगहों पर पंपिंग सेट लगाए जाएंगे ताकि पानी एसटीपी तक पहुंच सके। साथ ही नाले की मरम्मत का काम भी होगा।

एसटीपी बनाने के लिए जल निगम को चार हेक्टेयर जमीन की जरूरत है। इसके लिए जल निगम ने नगर निगम को पत्र लिखा है। पत्र में बताया गया है कि साईं उपवन के पास नगर निगम की जमीन है। इस जमीन को एसटीपी के लिए दे दिया जाए ताकि हिंडन में गिरने वाले पानी को साफ किया जा सके।

04 हेक्टेयर जमीन एसटीपी बनाने के लिए निगम से मांगी

06 से अधिक जगहों पर पंपिंग सेट लगाए जाएंगे

150 करोड़ रुपये खर्च करेगा जल निगम इस योजना पर

डीपीआर पर काम शुरू

जल निगम के अधिशासी अभियंता मोहम्मद ताहिर ने बताया कि डीपीआर पर काम शुरू हो गया है। इस प्रोजेक्ट पर करीब 150 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। उम्मीद है कि नगर निगम से जमीन जल्द मिल जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसटीपी के बन जाने से कैला ड्रेन का पानी साफ होकर हिंडन में जा सकेगा। अधिशासी अभियंता ने उम्मीद जताई कि नगर निगम जल्द ही जमीन के लिए सहमति जता देगा।

मैला कर रहा है 105 फैक्टरियों का पानी

हिंडन को शहर के सीवर के साथ फैक्टरियों का पानी भी मैला कर रहा है। 105 इकाई हिंडन में अपना पानी डाल रही हैं। सात नालों का पानी हिंडन में जाता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का दावा है कि यह पानी गंदा नहीं है, लेकिन सच्चाई इसके अलग है। प्रशासन की लापरवाही का ही नतीजा है कि 105 फैक्टरियों का पानी इसी नदी में बिना साफ किए जाता है। फैक्टरियों में इस्तेमाल होने वाला रसायन नदी में जाता है और पानी को दूषित करता है। यही नहीं शहर के सात बड़े नाले भी इसी नदी में मिलते हैं।

ये नाले गिरते हैं हिंडन में

- हिंडन विहार ड्रेन (एनएच-58, हिंडन पुल के अपस्ट्रीम, राजनगर एक्सटेंशन मार्ग पर)
- लोनी रोड साइट-2 एवं करहेड़ा नाला (एनएच-58, हिंडन पुल के अपस्ट्रीम गांव करहेड़ा के दक्षिण दिशा में)
- मेरठ रोड एवं कैला भट्ठा नाला (एनएच-58 हिंडन पुल के डाउन स्ट्रीम, श्मशान घाट के नीचे)
- अर्थला/मोहन नगर नाला (हिंडन कट, बैराज के बाद)
- इंदिरापुरम नाला (एनएच-24 हिंडन पुल के अप स्ट्रीम)
- प्रताप विहार नाला (एनएच-24 हिंडन पुल के अप स्ट्रीम)
- विजय नगर नाला, बीएस रोड नाला (गांव बिसरख के नीचे)

04 सौ गांव बसे हैं हिंडन नदी के किनारे

07 हजार वर्ग किलो मीटर का हिंडन से प्रभावित क्षेत्र

20 वर्षों से प्रदूषण के चलते दम तोड़ रही है हिंडन नदी

260 किलोमीटर का सफर तय करती है हिंडन

News item/letter/article/editorial published on 2.7.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

राजस्थान में अमृत, तो उत्तराखंड में आफत बन कर बरसे बदरा

जयपुर सहित कई इलाकों में झमाझम

जयपुर @ पत्रिका 2-7-16
rajasthanpatrika.com

राजधानी सहित पूर्वी राजस्थान के कई इलाकों में शुक्रवार को सुबह से ही झमाझम बारिश हुई। तड़के 4 बजे शुरू हुआ बारिश का दौर 9 बजे तक जारी था। जयपुर में इस दौरान 42 मिमी (पौने दो इंच) पानी बरसा। इसके अलावा अलवर और झुंझुनूं में 8 और सीकर में 4 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार जयपुर में 48 घंटों में मानसून की दस्तक संभव है, यह प्री मानसून बारिश थी।

10 डिग्री तक गिरा पारा

राजधानी जयपुर के अधिकतम तापमान में करीब 10 डिग्री की गिरावट आई। यह तापमान 33.9 डिग्री रहा। अजमेर में तापमान 35.8, पिलानी 37.8, कोटा 36, डबोक 34.6 डिग्री रहा।

बारिश को तरस रहे प्रदेश में प्री मानसून की बारिश जैसे अमृत बन कर बरसी। नदी नालों में पानी की आवक हुई। तपती गर्मी से लोगों को निजात मिली। वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड में बारिश आफत बन गई। बादल फटने 30 लोगों की मौत हो गई।

चमोली में बादल फटा, 30 की मौत

देहरादून @ पत्रिका
rajasthanpatrika.com

मानसून के दस्तक देते ही उत्तराखंड में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन ने एक बार फिर तबाही मचा दी है। यहां के चमोली और पिथौरागढ़ जिलों सहित विभिन्न जगहों पर भारी बारिश और बादल फटने से मरने वाली की संख्या 30 पहुंच गई है। बारिश और भूस्खलन की वजह से दर्जनों घर जमींदोज हो गए हैं। अलकनंदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। चमोली से चार लोगों के शव और डीडीहाट से पांच लोगों के शव बरामद किए गए हैं। चमोली जिले के घाट क्षेत्र में बाढ़ की वजह से कई मकान बह गए हैं। सूबे में विभिन्न नदियों पर बने अस्थाई पुल बारिश की वजह से बह गए हैं और घरों के ढहने की वजह से कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है।

News item/letter/article/editorial published on 4.7.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

आज का दिन 1827 में न्यूयॉर्क से दास प्रथा को समाप्त किया गया

बच्चों के स्कूल से सलामत आने

यूपी हो या बिहार या फिर झारखंड, यहां के सैकड़ों गांव ऐसे हैं जहां मां-बाप के लिए अपने बच्चे को स्कूल भेजना किसी मानसिक पीड़ा से कम नहीं। पड़ताल के दौरान 'हिन्दुस्तान' को कई ऐसे अभिभावक मिले जिन्होंने कहा, बच्चों के स्कूल से सलामत लौटने पर ही हमें चैन मिलता है। गांव और स्कूल के बीच नदी को पार करना हो तो कई बार पानी में उतरना पड़ जाता है। बांस के पुल हैं जिनका भरोसा नहीं कब चरमरा जाएं। मुरादाबाद के ग्रामीण इलाकों में तो छात्रों को स्कूल पहुंचने के लिए टायर ट्यूब से तैरकर जाना पड़ता है। कहीं, नाव सहारा है। यदि यह न मिली तो उस दिन स्कूल की छुट्टी। (हिटी)

04 मेगा मंडे

बरेली

बेटियों को पढ़ाई छोड़नी पड़ी

बरेली जिले में शेरगढ़ इलाके में धौरा नदी है। इस पर पुल न होने के कारण पहाड़पुर और अन्य गांवों के छात्र-छात्राओं को नाव से नदी पार करनी पड़ती है। बीच में जंगल पड़ता है। यहां आए दिन छेड़खानी के कारण कई बेटियां पढ़ाई छोड़ चुकी हैं। इसके बावजूद पुल नहीं बना।

वाराणसी

पानी बढ़ते ही पुल भी खत्म

सरायमोहाना के आसपास के बच्चे वरुणा नदी पर बांस-बल्लियों के पुल से होकर स्कूल जाते हैं। पुल से दो सौ मीटर की दूरी पर बसंत स्कूल है। वरुणा में पानी बढ़ते ही लकड़ी का पुल हटा दिया जाता है। तब नाव का ही सहारा रह जाता है।

उन्नाव

बच्चों की मौत से भी नहीं जागे

मियांगज ब्लॉक के बनौनी गांव में उच्च प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने के लिए टूटे पुल से होकर जाना पड़ता है। दो साल पहले मियांगज जा रहे छह बच्चों की इसी पुल से गिर जाने से मौत हो गई थी। इसके बावजूद निर्माण की किसी ने सुध नहीं ली।

उत्तर प्रदेश

गोण्डा में नाव ही बेटियों का सहारा

गोण्डा में नवाबगंज के मांझा राठ में तमाम छात्र-छात्राएं नौका से सोती नदी पार कर स्कूल जाते हैं। वहीं, जिले में सरयू और टेढ़ी नदी के बीच बसी करीब 20 हजार आबादी बारिश और बाढ़ के दिनों में मुसीबत से घिर जाती है।

मुरादाबाद

ट्यूब के सहारे नदी पार

भोजपुर के अहमदपुर और भोजपुर धर्मपुर आंगा के बीच में ढेला नदी पर पुल नहीं होने के कारण बरसात में लकड़ी का पुल ग्रामीण खुद ही बनाते हैं। जब पानी पुल के ऊपर से गुजरता है तो बच्चे नाव या ट्यूब का सहारा लेकर नदी पार करते हैं।

बाराबंकी सफदरगंज क्षेत्र में दर्जनों गांवों के बच्चे लकड़ी के जर्जर पुल से स्कूल जाते हैं। 10 साल में सौ से अधिक लोग यहां जान गंवा चुके।

बिहार

संझौली का दर्द

सासाराम के संझौली प्रखंड की बाड़ी नहर पर ग्रामीणों द्वारा बांस से बनाए गए पुल से आने-जाने को मजबूर छोटे बच्चे।

लामत आने पर ही चैन पड़ता है

चे को स्कूल भेजना किसी मानसिक पीड़ा से कम नहीं। से सलामत लौटने पर ही हमें चैन मिलता है। गांव और स्कूल न भरोसा नहीं कब चरमरा जाएं। मुरादाबाद के ग्रामीण इलाकों है। यदि यह न मिली तो उस दिन स्कूल की छुट्टी। (हिटी)

उत्तर प्रदेश

गोण्डा में नाव ही बेटियों का सहारा

गोण्डा में नवाबगंज के मांझा राठ में तमाम छात्र-छात्राएं नौका से सोती नदी पार कर स्कूल जाते हैं। वहीं, जिले में सरयू और टेढ़ी नदी के बीच बसी करीब 20 हजार आबादी बारिश और बाढ़ के दिनों में मुसीबत से घिर जाती है।

खुद नाव खेकर जाते हैं छात्र

झारखंड के साहिबगंज में उधवा प्रखंड के बच्चे नाव के जरिए नदी पार कर स्कूल जाते हैं। कई बार खुद बच्चे ही नाविक की भूमिका में होते हैं। खुद नाव खेकर नदी पार करते हैं। बरसात के दिनों में हालात ज्यादा बिगड़ जाते हैं। कई बार उन्हें छुट्टियां करनी पड़ जाती हैं। कई बार पुल बनाने के लिए आवाज उठी मगर अभी तक सुनवाई नहीं हुई। इसके अलावा बेरमो के उच्च विद्यालय लावा लांग के विद्यार्थी प्रतिदिन खेतों की संकीर्ण पगडंडियों से होते हुए स्कूल जाते हैं। अभिभावकों को हमेशा डर बना रहता है। इस रास्ते में तालाब और कुआं भी है। कई बार इस स्कूल के बच्चे तालाब और खेत में गिरकर घायल भी हो चुके हैं। रास्ते में सांप और बिच्छू का भी डर भी बना रहता है।

झारखंड

जामताड़ा में नदी से निकलकर पढ़ने जाते हैं बच्चे

जामताड़ा के कुंडिहत प्रखंड के भेलुआ नदी घाट पर पुल नहीं होने के कारण प्रतिदिन स्कूली बच्चे और ग्रामीण यूं ही नदी पार कर आना-जाना करते हैं। बरसात के दिनों में परेशानी विकट हो जाती है। हालत यह हो जाती है कि स्कूली बच्चों को कई सप्ताह तक घर में रहना पड़ता है। इससे उनकी पढ़ाई बाधित हो जाती है।

सभी फोटो : हिन्दुस्तान

बरसात आते ही और ज्यादा खतरनाक हुए बांस के पुल

सासाराम के करगहर प्रखंड के बभन बरहेटा गांव को गोरेया नदी दो हिस्से में बांटती है। गांव में ही मध्य विद्यालय है, जहां 450 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं।

गांव बीचों-बीच नदी के गुजरने से गांव के बच्चे बांस की चचरी वाले पुल से स्कूल जाते हैं। बरसात आते ही ऐसे पुल और ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। इस पुल से गिरकर दो किसानों की मौत हो चुकी है। ऐसा ही हाल बेतिया, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर के इलाकों का है। बेतिया के मैनाटांड़ और मर्जदवा के बीच हरपतबेनी नदी पर बने चचरी पुल के सहारे सैकड़ों बच्चे स्कूल जाते हैं। मर्जदवा के दर्शन बताते हैं कि आजादी से अब तक स्थिति ऐसी ही है। मधुबनी में कोसी के बाबूबरही प्रखंड में करीब पांच हजार छात्र नाव व बांस के पुल से नदी पार करते हैं।

Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz
and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में मानसून की दस्तक, यूपी, बिहार और झारखंड में जोरदार बरसात

दि- 4-7-16

झमाझम बारिश से कहीं राहत, कहीं आफत

मौसम

नई दिल्ली | हिटी

उत्तर भारत सहित देश के कई हिस्सों में मानसून पहुंच चुका है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित अन्य राज्यों में पिछले 24 घंटे से बारिश का दौर जारी है। महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित क्षेत्र में झमाझम बारिश से अच्छी फसल को लेकर किसानों की उम्मीद जगी है।

मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून देश के उत्तरी हिस्सों में सक्रिय हो चुका है। राज्य के हरैया में 17 सेंटीमीटर, कालपी में 13, बिजनौर में 11, बस्ती में 10, चुनार में नौ, सफीपुर में आठ, गोंडा व सुल्तानपुर में सात सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

यूपी में जलस्तर बढ़ा : उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण यूपी में नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। शारदा नदी पलियाकलां में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि शारदानगर में इस नदी का जलस्तर लाल निशान के नजदीक पहुंच चुका है। हरिद्वार बैराज से एक लाख 461 क्यूसेक पानी छोड़ने से बुलंदशहर में गंगा का जलस्तर बढ़ गया है।

लखनऊ में रविवार को मानसूनी बादल मेहरबान हो गए। गोमतीनगर में दस मिनट जोरदार बारिश हुई। इसके अलावा शहर के कई अन्य हिस्सों में भी बौछारें पड़ीं। ● वीरेंद्र कुमार

सूखा प्रभावित इलाकों में खुशी

पुणे समेत पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में बारिश ने लंबे समय से सूखे की मार झेल रहे किसानों को राहत दी है। जून में सूखे के कारण पुणे के 23 जलाशयों में पानी तेजी से घटा था जबकि 18 बांध पूरी तरह से सूख गए थे। प्रमुख जल स्रोत गंगापुर बांध में सिर्फ 931 एमसीएफटी या 17 फीसदी पानी बचा था। इस बांध की क्षमता 5,630 मिलियन क्युबिक फीट (एमसीएफटी) है।

कोल्हापुर में पंचगंगा नदी उफान पर

महाराष्ट्र में गगनबावड़ा, शाहूवाडी, राधानगरी, चांदगढ और अजारा तहसील सहित कोल्हापुर के पश्चिमी हिस्सों में लगातार हो रही बारिश से पंचगंगा नदी उफान पर है। लगातार बारिश से राजाराम, सर्वे, रूई, इचलकरांजी, तेरवाड, शिरोल, शिंगणापुर और कोगे इलाके में जलभराव की स्थिति है। क्षेत्र के अधिकतर गांवों का तहसील मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।

आपदा से बचाव का प्रशिक्षण

एनडीआरएफ ने पूरे देश में एक महीने के भीतर एक लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बोल के निरीक्षकों और प्रशिक्षकों ने 482 गांवों, कस्बों एवं शहरों में पहुंचकर एक से 30 जून तक लोगों को प्रशिक्षत किया। इसका मकसद लोगों को आपदाओं को लेकर संवेदनशील बनाना है।

बागमती नदी उफनाई

मुजफ्फरपुर में बागमती खतरनाक बनी हुई है। बेनीबाद जलस्तर खतरे के निशान से 3.08 मीटर ऊपर है। राहत वाली बात यह है कि बाकी जगहों पर बागमती के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है। रविवार को वाल्मीकिनगर बैराज से 1,72,200 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

कहां कितनी बारिश

सूरत	130
रांची	80
जयपुर	50
गोरखपुर	20
पटना	20

(बारिश मिलीमीटर)

News item/letter/article/editorial published on 4.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

हि-4-7-16

लापता लोग अभी तक नहीं मिले

उत्तराखंड में आपदा

गोपेश्वर | क्रांति भट्ट

आपदा में मारे गए लोगों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। अभी भी कई लोग लापता हैं। उनकी तलाश के लिए एसडीआरएफ के 40 जवान तलाश कर रहे हैं। जाखणी झुला पुल के समीप छानी-झप्पर में 80 वर्षीय अब्बल दास अपने पुत्र बीरबल और पुत्रवधू राजेश्वरी के साथ रह रहे थे। अब्बल दास और राजेश्वरी शुक्रवार की सुबह हुई मूसलाधार बारिश और उससे आए मलबे में दब गए। एकमात्र जीवित बीरबल लाल बचे हैं। घाट में आपदा में अपने मकान में दबे 80 वर्षीय रामचंद्र और योगंबर का पता नहीं चल पा रहा है।

मलबे में दबे तीन और शव मिलेः पिथौरागढ़। बादल फटने की घटना के तीसरे दिन रविवार को भी पिथौरागढ़ में राहत कार्य चलाया गया। इस दौरान बस्तड़ी में लापता दो लोगों के शव मिले। नौलड़ा में मलबे से तीसरे शव को भी बरामद कर लिया। इसके साथ ही जिले में मारे गए लोगों की संख्या 14 हो गई है।

दो कैलास यात्रियों की तबियत बिगड़ी

कैलास मानसरोवर यात्रा कर रहे दो लोगों की तबियत एकाएक बिगड़ गई। इसमें दूसरे दल के साथ यात्रा कर लौट रहे भोपाल के प्रमोद ईश्वर निलांडे (39) को हेलीकाप्टर से हल्द्वानी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चौथे दल के साथ यात्रा पर जा रहे मयूर विहार फेज वन दिल्ली निवासी सीताराम वर्मा (63) को धारचूला के अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों को सीने में दर्द की शिकायत है।

दूरसंचार सेवा ठप

भारत की सबसे बड़ी दूर संचार सेवा का दावा करने वाली बीएसएनएल सेवा भी जिले में 65 घंटे से अधिक समय से बाधित है, जिसके खुलने के अभी कोई आसार नहीं दिख रहे हैं।

सोनिया ने जानकारी ली

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने भी मुख्यमंत्री हरीश रावत और प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय से फोन पर आपदा की जानकारी ली।

बदरीनाथ हाईवे बंद होने के बाद मैठाणा में फंसे चारधाम यात्री सुरक्षित स्थान के लिए जाते हुए • हिन्दुस्तान

राष्ट्रपति दुखी

बादल फटने से उत्तराखंड को हुए नुकसान से मैं व्यथित हूं। उम्मीद है आपदा प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने और घायलों के उपचार के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे होंगे।

–डॉ. प्रणब मुखर्जी, राष्ट्रपति

सड़कें खोलने के लिए कुमाऊं में सात वैली और चार फोल्डिंग ब्रिज भेजे गए हैं। चार ट्रालियां वैकल्पिक यातायात के लिए उपलब्ध हैं। सड़कें खोलने के लिए राज्यभर में 356 मशीनें लगाई गई हैं।

– शैलेष बगोली, आपदा सचिव

कहां कितनी सड़कें बंद

जिला	सड़कें	जिला	सड़कें
चमोली	69	पिथौरागढ़	12
नैनीताल	18	अल्मोड़ा	12
चंपावत	14	उत्तरकाशी	07

News item/letter/article/editorial published on 4.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi) ✓	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

लाल बहादुर शास्त्री की तरह तैरकर स्कूल जाते हैं हजारों बच्चे

हि-4-7-16

विशेष

लखनऊ/पटना/रांची | हिटी

वर्ष 1915-16 के दौरान देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री गंगा नदी में तैरकर स्कूल जाते थे। सौ साल बीत गए, वक्त बदल गया पर अब भी हजारों बच्चे नदी-नालों को पार कर स्कूल जाने को अभिशप्त हैं। इसमें खुद लाल बहादुर शास्त्री का जिला भी शामिल है।

'हिन्दुस्तान' ने यूपी, बिहार, झारखंड में पड़ताल की। इसमें सैकड़ों ऐसे गांव मिले जहां छात्र 21वीं सदी में भी नदी में तैरकर, बांस के बने पुल से, रस्सी के सहारे या नाव से स्कूल जाने को मजबूर हैं। यूपी के कम से कम 17 जबकि बिहार-झारखंड के 20-20 जिलों के गांवों में ऐसे हाल हैं। यह स्थिति तब है जब शिक्षा के अधिकार कानून को लागू हुए छह साल हो गए हैं।

> सलामत लौटने पर चैन पेज 12

रामपुर में सदर तहसील क्षेत्र के पसियापुरा गांव के छात्रों को स्कूल तक इस तरह कोसी नदी को पार कर जाना पड़ता है। ● हिन्दुस्तान

ये आंकड़े दुखी करते हैं

29 फीसदी छात्र कक्षा 4 से पहले स्कूल छोड़ देते हैं

43 फीसदी बच्चे हाईस्कूल करने से पहले पढ़ाई बंद कर देते हैं

● देश में लगभग 14 लाख स्कूल हैं जबकि 77 लाख शिक्षक हैं

दो उदाहरण से दर्द समझें

1. उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के म्याऊ ब्लॉक के गांव सिमरिया देंदू में बच्चे रामगंगा नदी पार करके स्कूल जाते हैं। कटान की वजह से अब स्कूल भी एकदम नदी किनारे पहुंच चुका है।

2. बिहार के सीतामढ़ी के करीब एक दर्जन स्कूलों के रास्ते में नदी पर पुल ही नहीं है। वहीं, समस्तीपुर के रोसड़ा में बूढ़ी गंडक नदी पर छात्रों के स्कूल जाने का एकमात्र रास्ता जर्जर हो चुका पुराना रेलवे पुल है।

News item/letter/article/editorial published on 4.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अच्छी बारिश के बाद मानसून की कमी घटकर नौ प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, (भाषा): देश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने के बाद मानसून की कुल कमी घटकर नौ प्रतिशत हो गयी। मौसम विभाग के अनुसार एक जून से दो जुलाई के बीच देश में 164.9 मिलीमीटर बारिश हुई जबकि सामान्य सीमा 180 मिलीमीटर है। जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीनों में अच्छी बारिश होने के अनुमान को देखते हुए स्थिति के सुधरने की उम्मीद है। विभाग ने कहा कि पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में बारिश की कमी बढ़कर 28 प्रतिशत हो गयी है क्योंकि वहां 381 मिलीमीटर की सामान्य सीमा की तुलना में केवल 274 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार मध्य भारत में मानसून की कमी करीब 12 प्रतिशत है। विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक जहां देश के दूसरे हिस्सों में अच्छी बारिश होने की उम्मीद है, वहीं पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत तथा तमिलनाडु के हिस्सों में कम बारिश होने की संभावना है। इसी बीच दक्षिण पश्चिम मानसून पश्चिमी मध्य प्रदेश के बाकी हिस्सों, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा के अधिकतर हिस्सों, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों की तरफ आगे बढ़ गया। मानसून की उत्तरी सीमा (एनएलएम) द्वारका, वल्लभ विद्यानगर, बूंदी, जयपुर, हिसार और बठिंडा से होकर गुजरती है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा, "दक्षिण पश्चिम मानसून के उत्तरी अरब सागर एवं गुजरात, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा और पंजाब तथा पश्चिमी राजस्थान के कुछ और हिस्सों की तरफ बढ़ने के लिहाज से स्थिति अनुकूल है।"

पंजाब-4-7-16

News item/letter/article/editorial published on 4.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

नई दिल्ली . सोमवार . 04.07.2016 राजस्थान पत्रिका पत्रिका

पहली झम

सूरत में रविवार को मौसम की पहली झमाझम बारिश से शहर के कई इलाकों की सड़कें जलमग्न हो गईं। पॉश इलाके सिटीलाइट में बारिश के दौरान सड़क से गुजरते वाहन। -पत्रिका फोटो

लगभग पूरे बंगाल में सक्रिय हुआ मानसून

और 48 घंटे तक बारिश की संभावना

कोलकाता. कोलकाता समेत लगभग पूरे पश्चिम बंगाल में रविवार को मानसून सक्रिय नजर आया। दिन भर रुक रुक कर हुई बारिश के कारण तापमान में आई कमी से महानगरवासियों ने राहत की सांस ली। इसके साथ ही मानसून की पहली मूसलाधार बारिश के कारण निगम के कई निचले इलाकों में पानी भर गया। कोलकाता नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था की पोल खुल गई। दिन भर सूरज नहीं निकलने और बारिश के कारण तापमान एक झटके में चार डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। महानगर का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। महानगर में रविवार शाम साढ़े पांच बजे तक 36.8 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं दमदम में 35 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राज्य भर में सबसे अधिक बारिश दीघा में 68.6 मिलीमीटर हुई।

झमाझम से सूरत पानी-पानी

कड़ोदरा थाने में भरा पानी

कड़ोदरा जीआईडीसी पुलिस थाने में भारी बारिश के कारण हर साल की तरह इस बार भी पानी भर गया। पुलिस स्टेशन के पीएसओ की टेबल, वायरलैस टेबल, पीआई चैम्बर्स, एलआईबी जैसे विभागों में पानी भर जाने से पुलिसकर्मियों के लिए काम करना मुश्किल हो गया।

सूरत @ पत्रिका

patrika.com/city

चार दिन से रिमझिम के दौर के बाद रविवार को सूरत में बादल जमकर बरसे। सुबह से शाम तक हुई झमाझम बारिश ने सूरतीयों का दिल खुश कर दिया। उन्होंने किसी पर्व की तरह इन्द्र देवता की इस महरबानी का जश्न मनाया। दूसरी तरफ शहर में जगह-जगह पानी-पानी हो जाने से परेशानी भी हुई। कई इलाकों में घरों के बाहर घुटनों तक पानी भर गया। पालिका के स्ट्रोम ड्रेनेज के ढक्कन जगह-जगह जाम होने से मनपा कर्मचारियों को भरी बारिश में इन्हें साफ करने की मशक्कत करनी पड़ी। पहली झमाझम में खाड़ियों की हालत भी गड़बड़ा गई। भेदवाड़, मीठीखाड़ी, वराछा खाड़ी में पानी खतरे के निशान तक जा पहुंचा। बारिश के साथ जहां सड़कें क्लीन हुई, वहीं जल-जमाव ने लोगों को परेशान किया। खासकर निचले क्षेत्रों में बारिश के पानी ने लोगों को दिनभर घरों में बंद रखा।

पांडेसरा के बमरोली गोपलाक रोड पर गणपतनगर में घुटनों तक पानी भर गया। यहां मनपा के नेता शासक पक्ष गिरिजाशंकर मिश्रा जोन कर्मचारियों के साथ निकले। उनकी मौजूदगी में ढक्कनों की सफाई की गई।

News item/letter/article/editorial published on 4/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

मेघों ने लगाई झड़ी

राजधानी के साथ 3 जिलों में अलर्ट, होशंगाबाद, सागर, सिवनी और रायसेन जिले में होगी लगातार बारिश

पत्रिका-4-7-16

भोपाल. मेघों ने पूरे प्रदेश को अपने आगोश में ले लिया है। राजधानी समेत कई जिलों में तो झड़ी लग गई है। हालात को देखते हुए मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में करीब दर्जन भर जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसमें राजधानी भोपाल और उससे लगे होशंगाबाद और रायसेन जिलों में भी अलर्ट जारी किया गया है।

कांदई नदी, विदिशा

एक दर्जन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

मंडला, छिंदवाड़ा, सिवनी, जबलपुर, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर, सागर, दमोह, रीवा, रायसेन, सतना, बैतूल और अलीराजपुर में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

12 घंटे में तरबतर हुआ प्रदेश

64	रतलाम
40	खंडवा
19	जबलपुर
12	सागर
5.2	भोपाल

*बारिश मिमी में

कांदई नदी उफनी, विदिशा-गुना रोड बंद

लटेरी, सिरोंज, आनंदपुर क्षेत्र में झमाझम भारी बारिश हुई। आनंदपुर में भारी बारिश से कांदई नदी उफान पर आ गई। विदिशा-रोड दोपहर दो बजे से बंद रहा।

रायसेन-विदिशा का सड़क संपर्क टूटा : रायसेन जिले शनिवार से रविवार शाम तक 26.3 मिमी बारिश हुई है। बारिश के कारण सांची-विदिशा मार्ग स्थित कौड़ी नदी का रपटा जल मग्न हो गया।

उज्जैन: चार युवकों की डूबने से मौत

गंभीर डैम पर पिकनिक मनाने गए होजेफा, हुसैन जरीवाला, अबिजर और अब्बास की डूबने से मौत हो गई।

उधर उत्तराखंड में ऑरेंज अलर्ट जारी

उत्तराखंड में ऑरेंज अलर्ट के तहत लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा है।

News item/letter/article/editorial published on 4/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अमृतम् जलम् अभियान में नए बने तीनों तालाबों में वर्षा जल आया

पत्रिका 4-7-16

बीकानेर @ पत्रिका. पत्रिका के अमृतम् जलम् अभियान के तहत बीकानेर में बने तीनों नए तालाबों में मानसून की पूर्व वर्षा में पानी आ गया है। इस वर्ष अप्रेल माह में तीन दिनों के श्रमदान से बने सरेह नथानियान तालाब में दो बार की बारिश से पानी आया है। यह तालाब गोचर में विचरण करने वाले वन्य जीव-जन्तुओं और गायों के पेयजल स्रोत के रूप में बनाया गया है। 90 वर्ग मीटर चौड़ा और 12 फीट गहरे इस तालाब इन दिनों दो बार हुई हल्की बारिश में पानी आया है। इस तालाब की निगरानी सरेह नथानियान गोचर विकास एवं संरक्षण समिति के बृज नारायण किराडू करते हैं।

इससे पहले लुप्त प्राय नाथ सागर तालाब को पत्रिका के अमृतम जलम अभियान में नया बनाया गया था। इस तालाब की शेष आगोर के अलावा आस-पास के सामुदायिक भवन, विद्यालय, मंदिर तथा घरों की छतों से पाइप से जोड़ा गया है। यह तालाब इस बारिश से भर गया है। इस तालाब के रख-रखाव का कार्य तैराक राजा सेवक स्थानीय लोगों के सहयोग से करते हैं। इसी तरह पत्रिका के अमृतम् जलम् अभियान में नाथसागर तालाब निर्माण के बाद धरणीधर मंदिर विकास समिति के राम किशन आचार्य के प्रयासों से धरणीधर मंदिर परिसर में पुरातन स्थापत्य कला के नमूने के बतौर धरणीधर तालाब बनाया गया। इस तालाब में निचले तल तक पानी आया है। तालाब निर्माण के अंतिम चरण में है।

News item/letter/article/editorial published on 3.7.16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

ताजा आंकड़ों में मालवा-निमाड़ के 14 जिलों में स्थिति चिंताजनक

सावधान! 10 जिले बढ़ रहे हैं ड्राय जोन की ओर

इंदौर @ पत्रिका -3-7-16
mp.patrika.com

भूजल स्तर के ताजा आंकड़े चौंकाने वाले हैं। चिंताजनक ये है कि सरकार, गैरसरकारी संगठनों और पर्यावरणविदों के प्रयासों के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं दिख रहा। उलटे जलस्तर पिछले साल के मुकाबले और कम हो गया है।

कुछ समय पूर्व हुए सर्वे में इंदौर जिले का भूजल स्तर मालवा-निमाड़ के सभी जिलों में सबसे नीचे पाया गया था, लेकिन हाल में हुए एक और सर्वे में सामने आया कि सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि मालवा-निमाड़ के 10 से अधिक जिले ड्राय जोन (सूखे की स्थिति) की ओर बढ़ रहे हैं। वाटर रिचार्जिंग ठीक तरीके से न होने के कारण एक फीट से लेकर 28.86 फीट तक पानी धरती में नीचे चला गया है। सर्वाधिक बुरा हाल झाबुआ जिले का है, जहां महज एक साल में भूजल स्तर तकरीबन 29 फीट (8.8 मीटर) तक गिर गया। इस सर्वे के सामने आने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने रिचार्ज सिस्टम बनाने की दिशा में काम तेज कर दिया है। इसके लिए जल [illegible] संरक्षण की दिशा में काम कर रहीं संस्थाओं को भी सरकारी महकमे अपने साथ जोड़ रहे हैं।

ऐसे की मॉनिटरिंग

भूमिगत जलस्तर की गणना के लिए अलग-अलग जोन के 10-10 ट्यूबवेल का समूह बनाकर [illegible] उस क्षेत्र के जलस्तर की गणना की गई। यह गणना 10 से 15 दिन तक चली। विभागीय अधिकारियों का कहना है, यह रिपोर्ट हैंडपंपों की औसत रिपोर्ट के लिहाज से पूर्ण मानी जाती है। यदि जलीय चट्टानी परतें ठीक होती हैं।

जलस्तर गिरने की ये वजहें

- भूजल वैज्ञानिक धीरेंद्र कुमार [illegible] ने बताया कि कृषि कार्य बढ़ने से जलदोहन अतिरिक्त हो रहा है और रिचार्ज कम होने के कारण संतुलन बिगड़ा है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश का तरीका भी बदल गया। पहले काफी धीमी बारिश कई दिनों तक [illegible] थी। इससे रिचार्ज अच्छा होता था, जबकि अब एक ही बार में [illegible] पानी गिर जाता है। पानी के बहने के कारण रिचार्ज नहीं हो पाता।
- शहरी इलाकों में सीमेंट कांक्रीट [illegible] जलस्तर गिर रहा है।

जिलावार भूमिगत जलस्तर की स्थिति (मीटर में)

जिला	जून 2015	जून 2016	जिला	जून 2015	जून 2016
इंदौर	44	44.80	अलीराजपुर	31	32
झाबुआ	33.50	42.30	खरगोन	24.27	25
आगर	38	42	बड़वानी	34.38	36.42
शाजापुर	39	42	उज्जैन	14.75	16.72
खंडवा	38.50	39	रतलाम	58.40	57.30
बुरहानपुर	34	36.20	मंदसौर	46.50	48.50
धार	36.73	38.15	नीमच	35.30	39.80

News item/letter/article/editorial published on 3/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi) ✓
Punjab Keshari (Hindi) ✓
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अरुणाचल में भूस्खलन, दस मरे

[illegible] -3-7-16

ईटानगर (भाषा)। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के भालुकपोंग इलाके में आए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या दस हो गयी है। आज सुबह पांच और शव बरामद किए गए। पश्चिमी कामेंग के पुलिस अधीक्षक [illegible] ने बताया कि बचाव अभियान कल शाम रोक दिया गया था और आज तड़के दोबारा शुरू किया गया। इसके बाद पांच शव बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि निकाले गए शवों की पहचान कर ली गयी है। मृतकों में पिंकी बोरो (40), मियाली छेत्री (40), निकी बोरो (10), ज्वाला छेत्री और [illegible] एंजेल लेनुआ शामिल हैं। मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से कल पांच लोग मारे गए थे और चार अन्य घायल हो गए थे। घायलों को भालुकपोंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। एनडीआरएफ की

[illegible] अभियान फिर शुरू

पांच और शव बरामद

एक टीम, आईटीबीपी कर्मी और स्थानीय लोग बचाव अभियान में लगे हैं। राहत एवं मरम्मत कार्यों के लिए वित्तीय जरूरत की खातिर मुख्यमंत्री कालिखो पुल ने कल जिला प्रशासन को उसके 30 लाख रुपए के कोष का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया था। उन्होंने साथ कहा था कि मरम्मत कार्यों के लिए पश्चिम कामेंग के उपायुक्त के अधीन एक करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध करायी जाएगी। एक आधिकारिक सूचना के अनुसार मूसलाधार बारिश से एक स्कूल की इमारत, सर्किट हाउस और चार सरकारी विभागों के भंडारगृहों को काफी क्षति पहुंची और स्थानीय पुलिस स्टेशन जलमग्न हो गया। अरुणाचल

अरुणाचल के भालुकपोंग में [illegible]।

प्रदेश में इस साल हुआ यह दूसरा बड़ा भूस्खलन है। गत 22 अप्रैल को चीन की सीमा से लगे तवांग जिले के फाम्ला इलाके में एक निजी होटल के निर्माण स्थल के पास मजदूरों के एक शिविर के भूस्खलन की चपेट में आने से 15 मजदूर और एक सुपरवाइजर की मौत हो गयी थी।

News item/letter/article/editorial published on 2.7.16. in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

7 जुलाई तक आंधी और बारिश की संभावना

AFP

■ नगर संवाददाता, नई दिल्ली

मौसम विभाग ने कहा कि शनिवार को बादल छाए रह सकते हैं। आंधी चलने के साथ बारिश भी होने की संभावना है। मैक्सिमम टेंपरेचर 30 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 23 डिग्री रहने का अनुमान है। 7 जुलाई तक बादल छाए रह सकते हैं और बारिश भी होने की संभावना है। तापमान भी नॉर्मल से कम रहने की उम्मीद है।

दिल्ली में पांच सालों में पहली बार जून और जुलाई की शुरुआत में काफी ज्यादा उमस भरी गर्मी महसूस हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि जून में इस बार काफी कम बारिश हुई। जून में प्री-मॉनसून बारिश भी कुछ सालों की तुलना में काफी कम हुई। वहीं तापमान कम रहने के बावजूद लोगों को उमस महसूस हो रही है। इसकी वजह है कि दिल्ली में ह्यूमिडिटी का स्तर कई दिनों से 80 पर्सेंट से ज्यादा दर्ज हो रहा है। गुरुवार और शुक्रवार को बारिश होने के बाद तापमान गिरा, लेकिन हवा में नमी का स्तर ज्यादा रहने के कारण उमस भरी गर्मी महसूस हुई।

स्काइमेट के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने कहा कि अभी दिल्ली में तापमान 36 डिग्री के आसपास चल रहा है, लेकिन ह्यूमिडिटी 85 पर्सेंट से ज्यादा है। तापमान कम होने के बाद भी ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण काफी उमस भरी गर्मी महसूस हो रही है। पांच-छह सालों में ऐसा पहली बार है, जब उमस काफी महसूस हो रही है। ह्यूमिडिटी बढ़ने से 36 डिग्री तापमान दर्ज होने के बाद भी ऐसा महसूस हो रहा है कि तापमान 44 डिग्री हो। आमतौर पर तापमान ज्यादा रहने के साथ ह्यूमिडिटी ज्यादा दर्ज होती है तो उमस का स्तर बढ़ जाता है। जून में बीते सालों की तुलना में बारिश भी कम हुई है।

नभा-2-7-16

News item/letter/article/editorial published on 2/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Antarctica ozone layer on the mend, hole shrank by 4m sq miles in 15 yrs

Ban On CFCs Helping Save Protective Layer

Henry Fountain

Nearly three decades after the world banned chemicals that were destroying the atmosphere's protective ozone layer, scientists said Thursday that there were signs the atmosphere was on the mend.

The researchers said they had found "fingerprints" indicating that the seasonal ozone hole over Antarctica, a cause of concern since it was discovered in 1984, was getting smaller. Although the improvement has been slight so far, it is an indication that the Montreal Protocol — the 1987 treaty signed by almost every nation that phased out the use of chemicals known as chlorofluorocarbons, or CFCs — is having its intended effect.

Full recovery of the ozone hole is not expected until the middle of the century. "This is just the beginning of what is a long process," said Susan Solomon, an atmospheric chemist at the Massachusetts Institute of Technology and lead author of the study. Ozone high in the stratosphere protects life on Earth by absorbing damaging ultraviolet rays from the sun. But ozone is destroyed by reactions with chlorine and other atoms that are released by CFCs and similar chemicals, which were used for decades as refrigerants and propellants. More ultraviolet radiation leads to increased incidence of skin cancers, cataracts and other health problems.

Scientists who pushed for the Montreal Protocol always acknowledged that recovery of the ozone layer would be very slow, because CFCs linger in the stratosphere for a long time. "Think of it like a patient with a disease," Dr Solomon said. "First, it was getting worse. Then it stopped — it was stable but still in bad shape." Now, she said, "As molecules slowly decay away from the atmosphere, it's getting just a little bit better." David Fahey, a research physicist at the National Oceanic and Atmospheric Administration who was not involved in the ozone study, said Dr Solomon's work "gives us a critical level of confidence that we are moving in the direction we want to see."

While ozone has been depleted in the Arctic and mid-latitude regions as well, the destruction over Antarctica is greater, in part because temperatures there are so cold. Technically, the depleted area is not a hole, but rather a large region of the stratosphere — in some years, it is larger than the North American continent — where the concentration of ozone is below a certain threshold. The study found that the hole in the ozone layer had shrunk by about 1.5 million square miles, or about one-third the area of the US, from 2000 to 2015. NYT NEWS SERVICE

Getty Images

Warming of Antarctica due to climate change may lead to decline of 60% of Adelie penguin colonies by the end of this century, a study has warned

Paris drives old cars off streets to curb pollution

Paris: Paris banned old, exhaust-belching cars from its streets on Friday in a war on air pollution that environmentalists hope will also drive dirty vehicles from the centres of other European cities. Air pollution, in large part caused by fine particulate fuel emissions, kills 48,000 people each year in France, data published by France's public health agency this month showed.

Any car registered before January 1, 1997, will be barred from the city's streets from Monday to Friday, from 8am to 8pm. Some owners protested by parking their vehicles near the National Assembly and Champs Elysees avenue to denounce a ban they say will hurt poor people most and slash the resale value of their vehicles.

Paris mayor Anne Hidalgo says the ban could be extended in 2020 to all combustion-engine cars more than nine years old. After an initial tolerance period, motorists who flout the ban face fines of €35 ($39), an amount that is set to jump from the end of the year.

Norway is planning to ban petrol- and diesel-fuelled cars from 2025 and several European cities are testing anti-pollution or anti-congestion measures. REUTERS

News item/letter/article/editorial published on

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Get the umbrellas out, Monsoon's here

Photos: Rajesh Mehta, Sanjay Sekhri

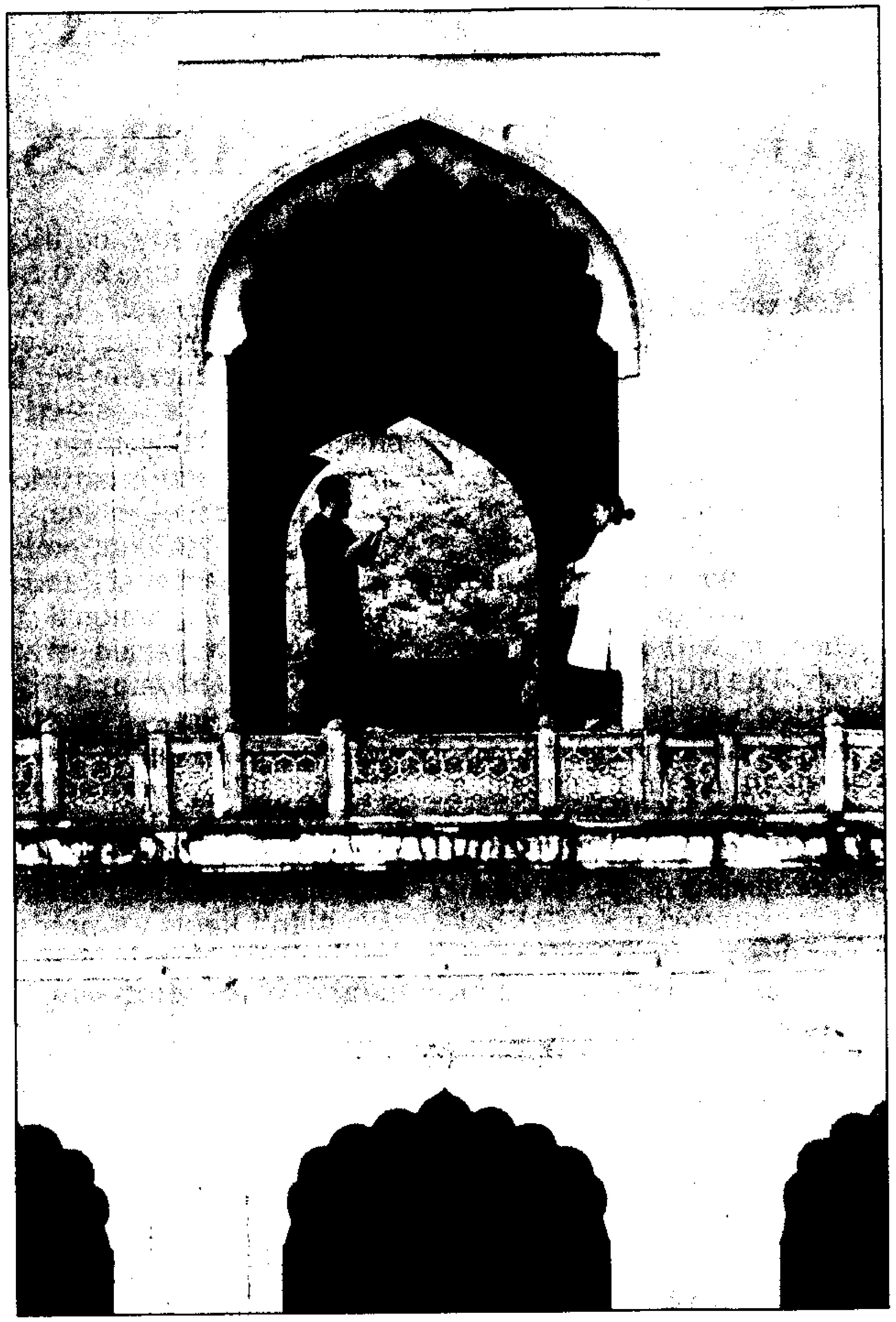

Delhi had a rain deficit of 25% in June, partly due to the delay in arrival of the monsoon

But Current Rain Spell To Weaken From Monday, Says Met

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The monsoon was declared over Delhi on Saturday, three days after its normal date of arrival.

The city recorded moderate to heavy showers on Thursday night and Friday night, after which the Met declared the arrival of the southwest monsoon. However, the department has clarified that the current spell of rain will start weakening from Monday.

Delhi got 23.6mm rain in 24 hours, recorded till 8.30am on Saturday. Subsequently, light isolated showers were witnessed across the city. The day temperature fell substantially to touch 30.2 degrees Celsius, seven degrees below normal, while the night temperature was three degrees below normal at 24.4 degrees Celsius.

In parts of the city, the temperature did not even touch 30 degrees through the day. These included Ridge and Jafarpur where the maximum was 29.5 degrees Celsius, and Pusa with the maximum temperature at 28.5 degrees Celsius.

Delhi had a rain deficit of 25% in June, partly due to the delay in arrival of monsoon. This reduced to just 5% as early as July 1, after almost two consecutive days of heavy showers in the evening.

"There are various pulses during the monsoon and after a surge, all weaken. This is what is being witnessed at present. The monsoon extended to this part of the country on Saturday under the influence of this surge. However, it is expected to weaken from Monday and the cloudy weather over northwest India, particularly the plains, is likely to reduce. Another system is developing over the Bay of Bengal and rainfall activity over central and east India is likely to pick up. Meanwhile, we are also expecting good rainfall over the plains of northwest India, Himachal Pradesh and Uttarakhand on Sunday," said B P Yadav, director, IMD.

The Met department said that the monsoon advanced into remaining parts of UP, Uttarakhand and Himachal Pradesh; most parts of Punjab, Haryana and Delhi; and some parts of east Rajasthan on Saturday. The conditions are becoming favourable for the monsoon to advance to the remaining parts of east Rajasthan, Haryana, Punjab, and some more parts of west Rajasthan during the next 48 hours.

News item/letter/article/editorial published on 3/7/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu ✓
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Residents rejoice as monsoon hits Capital

STAFF REPORTER

NEW DELHI: The first monsoon showers lashed the city on Saturday, providing Delhi-ites the much-needed relief from the sweltering heat.

Charan Singh, scientist at the Indian Meteorological Department, said, "The South-West Monsoon has advanced into remaining parts of western Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Uttarakhand and Himachal Pradesh, most parts of Haryana, entire Chandigarh, Delhi and Punjab, and some parts of eastern Rajasthan."

CAUSE FOR DELIGHT: People flocked to parks, open cafés, and India Gate on Saturday to enjoy the weather. FILE PHOTO

Gauging the drops

The Capital recorded 23.6 mm rainfall till 8.30 a.m., while weather stations at Lodhi Road, Palam, Ridge and Ayanagar received 19.6 mm, 3.8 mm, 12 mm and 18.7 mm rainfall, respectively.

With the temperature plummeting to 24.4 degree Celsius and a cool breeze blowing throughout the day, scores of people thronged to parks, open cafés, and of course, India Gate to enjoy the weather.

The maximum temperature on Saturday settled at 30.2 degree Celsius, seven notches below the season's average.. Humidity levels oscillated between 74 and 97 per cent.

The weatherman has predicted light to moderate rainfall in the next 24 hours. "The skies will be partly cloudy on Sunday. There is likelihood of rain accompanied by thunderstorm. The maximum and minimum temperatures are likely to settle around 30 and 24 degrees Celsius," the MeT official said.

Ample rainfall

According to the long-range forecast, rainfall this season will be above the normal range. North-Western India, which includes Delhi, is expected to get good rainfall after two years. June, however, ended with a rain deficit, which is expected to be made up in July and August.

On Friday, the minimum temperature was recorded at 27.2 degree Celsius, while the maximum temperature was pegged at 36 degree Celsius.

News item/letter/article/editorial published on 3/7/16. in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Heavy rainfall brings cheer to farmers

KULWINDER SANDHU
TRIBUNE NEWS SERVICE

MOGA, JULY 2

Heavy rain lashed Moga, Ludhiana, Barnala, Patiala and parts of Sangrur district in the Malwa belt in the past 24 hours, bringing cheer to farmers.

Moga received rainfall of 70 mm, Barnala 85 mm, Ludhiana 75 mm and Patiala 53 mm till Saturday evening. It was still raining in most parts of these districts till the filing of the report.

Agriculture experts said the rain was beneficial for cotton and paddy crops. Harinder Singh, a farmer of Dhudike village in Moga, said the rain helped him in transplanting paddy seedlings without the use of groundwater. "I don't need to irrigate my fields for a few days," he said.

Most of the paddy growers in the Malwa belt were extensively using electricity and generators for the past few days to run water pumps. A farmer of the nearby Ghal Kalan village alleged that the power board was not supplying continuous eight-hour supply for irrigation.

> "The rain will help the paddy and cotton growers, besides reducing the power demand"
>
> Jaswinder Brar, AGRI SCIENTIST

The farmers of Nihalsinghwala sub-division, popularly known as the cotton belt, were also happy as the rain augured well for their crop.

Jaswinder Singh Brar, a senior scientist of the Agriculture Department, said, "The rain will help the paddy and cotton growers, besides reducing the burden on the state power corporation."

News item/letter/article/editorial published on 4.7.16. in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

June rain shortfall has no bearing on overall monsoon, say weathermen

JACOB KOSHY

RAIN TRACKER

This year, inspite of rains during June short by 11%, meteorologists are far more optimistic because the threat of an El Nino has receded

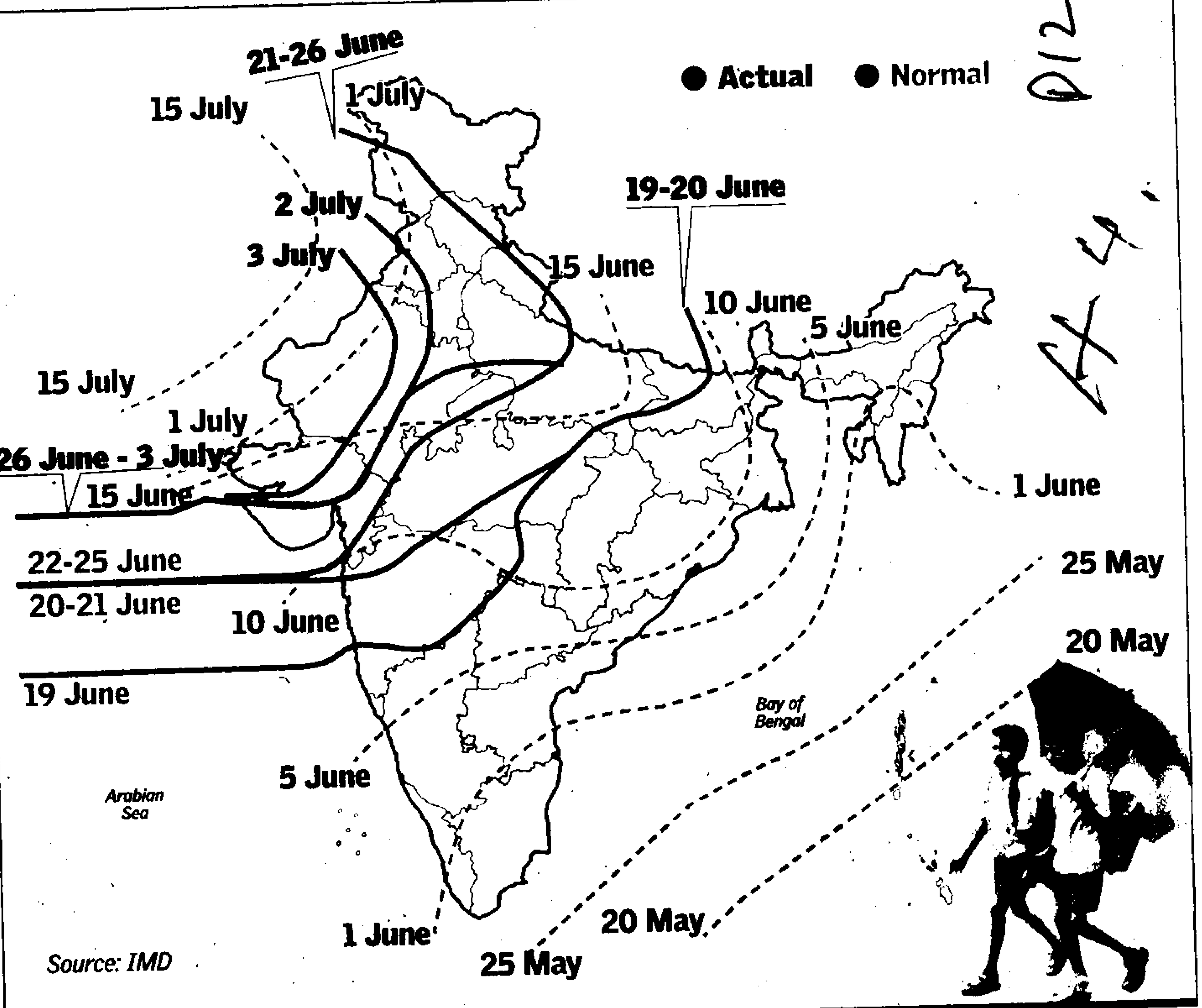

NEW DELHI: Even as the India Meteorological Department announced the arrival of the monsoon over Delhi last Saturday, and warned the country to brace itself for heavy rains for most of the week ahead, weather agencies caution that rainfall this June — less than what is usual — has no bearing on the overall performance of the monsoon.

Last year, the searing, record-setting El Nino evaporated monsoon rains and yet June posted a 16% surplus over what it historically receives during the month. What is more, the monsoon last year — though setting in over Kerala a few days late—moved so rapidly that it had covered the country by June 29.

In 2014, June rains were 54% less than the historical average of 18 cm and overall monsoon rains between June and September were 12% less than the average, giving India it's second of three droughts in 5 years.

For Jatin Singh, CEO of Skymet, a private weather forecasting agency, the stellar monsoon last June influenced his agency to incorrectly forecast a "normal" monsoon in spite of an intransigent El Nino, defined as an anomalous heating of the Pacific Ocean that dries the monsoon 6 in 10 times.

"If you go back, the rainfall deficit was only 5% till August and then it collapsed. June and September are extremely variable months," he said.

A forecaster, who didn't want to be identified, said that there were years in the past when the IMD would calculate October rains as "monsoon" to make up for a weak June.

Good progress

This year, in spite of monsoon rains during June short by 11% of what is usual, meteorologists are far more optimistic because the threat of an El Nino has receded. "At least for the next fortnight, I don't see anything anomalous that will impede the monsoon," said Mr. Singh. This is seconded by D.S. Pai, Chief Forecaster, IMD but he also cautions that forecasts could change within a fortnight.

"There is good progress. However, the intra-seasonal variability especially during June and July is exactly what makes each monsoon unique," he said.

There was no statistical relationship between the performance of June rainfall and overall monsoon rains and that was a key reason why the IMD never issued a rain outlook for June.

"In 2010, June was severely deficit but we updated our forecast to 102% or above normal and we were proved right. There are always larger climate factors that begin to influence monsoon in July and August," he added. A good monsoon necessarily meant continuous showers over Central India and so far that's been the biggest laggard.

In fact, regions here such as Eastern Madhya Pradesh and Jharkhand were short of rain partly because rain bearing systems in China (that also brought rains to Uttarakhand) were preventing the monsoon clouds from firming over the region. That and the lack of rains over north Gujarat so far has meant that weather forecasters are still cagey about what the monsoon can throw up.

Break in monsoon

And then there are the breaks. While July and August are the most bountiful months of the monsoon season, it's also the time the monsoon takes a hiatus — called a 'break' in the parlance — that can last for as much as a week.

Breaks are impossible to forecast and those that last for over 10 days can be the death knell for the monsoon especially because they interfere with sowing. For now, these aren't on the IMD's radar.

'Impossible to forecast'

"In June, we'd said monsoon rains in July would be 107% of LPA (the 50-year average) and we're not changing that," said B.P. Yadav, spokesperson, IMD. "We're going to have widespread heavy rains for the next week at least."

Region wise, the season rainfall is likely to be 108% of its average over North-West India, 113% of LPA over Central India, 113% of LPA over South Peninsula and 94% of LPA over North-East India all with a model error of 8 %, the India Meteorological Department had [illegible] dated fore[illegible]

News item/letter/article/editorial published on 28/6/16 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

GUJARAT

IT'S RAINING RESPITE

TOI

Vadodara Gets 76mm, Rajkot 20mm Rainfall

TIMES NEWS NETWORK

Vadodara got soaked in the rain on Monday

Vadodara/Rajkot: After a long dry spell, the south-west monsoon made its official entry into Vadodara on Monday evening as the city received 76mm (three inches) rainfall within two hours between 6 pm and 8 pm.

Barodians – both young and old—came out on city roads and terraces to welcome the showers that were accompanied by thunderstorms. Those who weren't prepared started scurrying for cover while others simply enjoyed long drives on rain-kissed roads.

Some areas like Laheripura area, Kothi kacheri, Tandalja and Vasna-Bhayli among others witnessed a black out even as officials of the Madhya Gujarat Vij Company Limited worked hard to restore the power supply in these area.

"My friends in far-off Saurashtra and even nearby Anand were enjoying rain but we didn't experience even a drizzle," said Saurabh Gupta, a student of M S University, who along with his friends went on a long drive to Sindhrot to enjoy the scenic beauty on the outskirts of the city.

Two trees fell down at near Kothi crossroads and Shreeji apartment near New VIP Road while an electric wire attached to an electric pole fell down near Bapu ni dargah on Gorwa road disrupting traffic movement for some time.

Besides Vadodara city, heavy rain lashed Morbi and other parts of Saurashtra too. Rajkot city was also drenched by 20mm rainfall.

One woman was killed in Ransiki village near Gondal when got struck by lightning. She was identified as Rita Bhabhar (20), who hails from Madhya Pradesh. She used to work as a farm labourer.

Fishermen have been advised not to venture into the sea during the next 24 hours due to deep depression in the Arabian Sea.

According to Gujarat State Disaster Management Authority (GSDMA), the state has over 25% rain deficiency as compared to last year as on June 27. Gujarat has received just 2.21% of its average annual rainfall. Last year, as on June 27, the state had received over 27% average annual rainfall.

RAIN METER

City	Rainfall (in mm)
Vadodara	76
Savarkundla	40
Dhrol	40
Tankara	69
Maliya Miyana	37
Morbi	33
Rajula	27

3
Covering L., YIS

Monsoon picks up pace in coastal, Malnad areas in Karnataka

Holiday for schools in Kodagu; water level rises in reservoirs

BENGALURU: **The monsoon intensified in the coastal and Malnad regions on Wednesday, much to the joy of the farming community. However, the rains also left a trail of destruction.**

RAIN EFFECT: (From left) The bathing ghat is submerged in rainwater at Bhagamandala, Kodagu district; Santhosh Gurumutt, a nominated member of the City Municipal Council, stages an innovative protest, seeking measures to save people from rain misery at Gurumutt in Bad near Karwar. Passengers hold umbrellas inside a KSRTC bus bound for Kadalu village from Alur, Hassan district, on Wednesday, due to the leaking roof. DH PHOTOS

As heavy rains lashed Kodagu, the Triveni Sangama in Bhagamandala has been inundated. The district administration has declared a holiday for schools and colleges on Thursday. The road connecting Madikeri and Talacauvery remained cut off till 10 am on Wednesday. With the flooding of Bhagamandala-Ayyangeri road, the residents are using boats to move around. The water-level in Harangi reservoir stood at 2,824.54 feet, while the inflow was 1,895 cusecs.

With heavy rain pounding Kodagu, Hassan districts and Cauvery River catchment areas, there was an increase in the inflow into the Krishnarajasagar (KRS) reservoir on Wednesday.

The inflow, which was 1,510 cusecs on Tuesday, increased to 7,126 cusecs on Wednesday. The outflow is 1,597 cusecs. With the maximum level of the dam being 124.8 ft, the water level on Wednesday was 69.65 ft. However, it is no match for the rains last year during this corresponding period. On June 29 last year, the inflow was 33,287 cusecs and the water level was 104.60 ft.

Meanwhile, Kabini reservoir saw inflow of 18,000 cusecs on Wednesday and water level in the dam increased by eight feet on a single day. It increased from 2,247 ft, to 2,255 ft.

Officials said, there are all signs of the dam reaching its maximum level in July. The rise in the inflow into the dam is due to heavy rains in Wayanad region of Kerala and Kabini backwaters.

Mysuru city experienced intermittent rain throughout the day, Hassan district received a good spell of rain since two days. Water level in the Hemavathy reservoir stood at 2,866 ft against its maximum level of 2922 ft. The inflow was 4,440 cusecs and outflow 125 cusecs.

Most of the taluks in Mandya district received moderate rain since morning. Chamarajanagar city and surrounding region experienced light showers for a few minutes.

Heavy rains lashed Dakshina Kannada, Udupi, Kasargod, Kodagu and Chikkamagaluru on Wednesday. Several houses have been damaged and trees uprooted.

With the increase in water level in Kumaradhara river, the bathing ghat at Kukke Subrahmanya has been inundated. Sea erosion in Ullal, Ucchila, Malpe, Thottam, Hoode, Padukere has intensified.

In Chikkamagaluru district, Rivers Tunga and Bhadra are flowing to the brim. Mudigere, Koppa, Sringeri and Chikkamagaluru have experienced incessant rains. With the uprooting of electricity poles and trees, power supply has been disrupted in several villages.

In Shivamogga district, water level in Mani dam in Hosanagar taluk rose to 574.10 metre against maximum level of 594 metre as catchment areas received heavy rain. Following the copious rain in catchment area of Linganamakki dam over the last two days, water level in the reservoir rose by two feet. The Mandagadde bird sanctuary faces the prospect of being submerged.

Following the release of water from Tunga dam, water level in River Tunga in Shivamogga city witnessed sudden rise. Major rivers and streams in Thirthahalli taluk are in spate. In Agumbe, the river Malathi is flowing above danger level.

Several parts of Belagavi district, particularly Belagavi city and surrounding areas, continued to receive frequent drizzles in the past 48 hours.

Belagavi and Khanapur received heavy rains. Rains continued to lash Uttara Kannada district, a huge tree was uprooted on National Highway 66, holding up the traffic for an hour.

A small hillock collapsed at Aligadda of the district, where a four-lane road is being constructed. Showers lashed Bagalkot city, besides other towns in the district.

DH News Service

दि. कं. 4 July 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

(Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronicle (Hyderabad)
Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
nai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

चीन में लैंड स्लाइड, 61 की मौत

■ एजेंसियां, पेइचिंग : भारी बारिश और भूस्खलन के कारण बीते कुछ दिनों में चीन में और 14 लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 61 पहुंच गई है। सरकारी खाद्य नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय ने रविवार को बताया कि गुरुवार से चीन में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और 8 अन्य लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, हुबेई प्रांत में भारी बारिश के कारण 16 लोगों की मौत हो गई और 6 लापता हैं। यहां 15,800 से ज्यादा घरों को भी नुकसान पहुंचा है और 59.5 करोड़ यूएस डॉलर (करीब 40 अरब रुपये) का आर्थिक नुकसान भी हुआ है। एक अन्य घटना में चीन के गुइझोउ प्रांत में जबर्दस्त भूस्खलन में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई जबकि 7 अन्य घायल हो गए। गौरतलब है कि शुक्रवार को दफांग काउंटी के पियानपो गांव में भूस्खलन हुआ, जिसकी चपेट में 30 लोग आ गए। सभी लापता और मृतक ढूंढ लिए गए हैं। लापता ग्रामीणों की खोज में 800 सैनिक लगाए गए थे। हादसे में लगभग 9,000 घर ढह गए और 71,00,000 हेक्टेयर में लगी फसल को नुकसान पहुंचा है। अगले 10 दिनों में चीन के दक्षिणी इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है।

कोयले की खान में बाढ़, 12 कर्मी फंसे : उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत स्थित जिनचेंग शहर में एक कोयला की खान में बाढ़ आने से 12 कर्मी फंस गए। स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ वर्क सेफ्टी ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, शनिवार रात करीब 11 बजे जब यह घटना हुई तो उस समय 94 खनन मजदूर भूमिगत काम कर रहे थे। 82 खनिकों को निकाल लिया गया, जबकि 12 लोग फंस गए। सलाना 9,00,000 टन उत्पादन क्षमता वाली यह खान स्थानीय सरकारी कोयला कंपनी द्वारा संचालित है।

मुंबई में बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जबकि भारी बारिश से महाराष्ट्र में पुणे और नासिक जैसे दूसरे शहर भी प्रभावित हुए हैं।

पाकिस्तान में बाढ़ से 33 की मौत

■ भाषा, इस्लामाबाद : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बाढ़ की वजह से 8 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए हैं। इस हादसे में कई लोग लापता भी हैं। चितराल जिले के मेयर माघफिरात हुसैन के मुताबिक, बाढ़ की वजह से जिले में शनिवार रात एक मस्जिद और 30 घर बह गए। हादसे में मस्जिद पूरी तरह से नष्ट हो गई। इस दौरान लोग मस्जिद में रमजान की नमाज अदा कर रहे थे। बाढ़ की वजह से 31 लोग लापता हैं।

उत्तराखंड में लापता लोगों की तलाश

PTI

राहत-बचाव में लगे सुरक्षाकर्मी

■ प्रमुख संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और चमोली जिलों में तीन दिन पहले बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। इतने ही लोग अभी लापता हैं। पिथौरागढ़ के बस्तडी गांव में जमींदोज हुए घरों से रविवार को तीन शव निकाले गए। सेना, अर्धसैनिक बल और राज्य पुलिस के जवान मलबा हटाने में दिन-रात जुटे हैं। तमाम नदियों का जलस्तर खतरे के निशान की तरफ बढ़ रहा है। ऋषिकेश से गंगोत्री और यमुनोत्री के रास्ते बंद हैं। केदारनाथ मार्ग खुला हुआ है। देहरादून जिले में जीप खाई में गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। सीएम ने सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी पर तीन महीने तक रोक लगा दी है। ▸▸ पेज 9

पत्रांक 5.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

(Delhi) The Assam Tribune (Guwahati) The Deccan Hearld (Bengluru)
(दिल्ली) The Times of India (Mumbai) The Deccan Chronicle (Hyderabad)
(Chandigarh) The Telegraph (Kolkata) Central Chronical (Bhopal)
(Chennai) हिन्दुस्तान (पटना)

The Tribune 4/7/16

Yamuna level rises at Hathni Kund Barrage

TRIBUNE NEWS SERVICE

YAMUNANAGAR, JULY 3
The water level at Yamunanagar's Hathni Kund Barrage was 41,632 cusecs, the highest this season so far, at 4 pm today.

After sometime, the water level started receding and it was recorded 24,004 cusecs at 5 pm. The water level started rising at noon following rain in the region.

Besides the Yamuna river, water level in seasonal rivulets Somb Nadi and Pathrala river rose. There was no report of any loss.

A district administrative officer said that as it rained in Himachal Pradesh, Yamuna's water level was likely to rise in 24 hours.

Rainwater submerges paddy fields in Fatehabad villages

SUSHIL MANAV
TRIBUNE NEWS SERVICE

FATEHABAD, JULY 3
Paddy sown on hundreds of acres has been submerged in Kulan, Dharsul Kalan, Dher, Meond Kalan, Hyderwala and other neighbouring villages of the districts after intermittent rains lashed the district for more than 18 hours starting in the wee hours on Saturday.

Fields are waterlogged in villages along the Dharsul-Jakhal road leading to Chandigarh. "I spent Rs 2,500 per acre on labour for the transplantation of paddy. Not to mention the money spent on urea and DAP fertiliser. My hard-earned money has been washed away in rain," said Kala Singh, a farmer from Dher village.

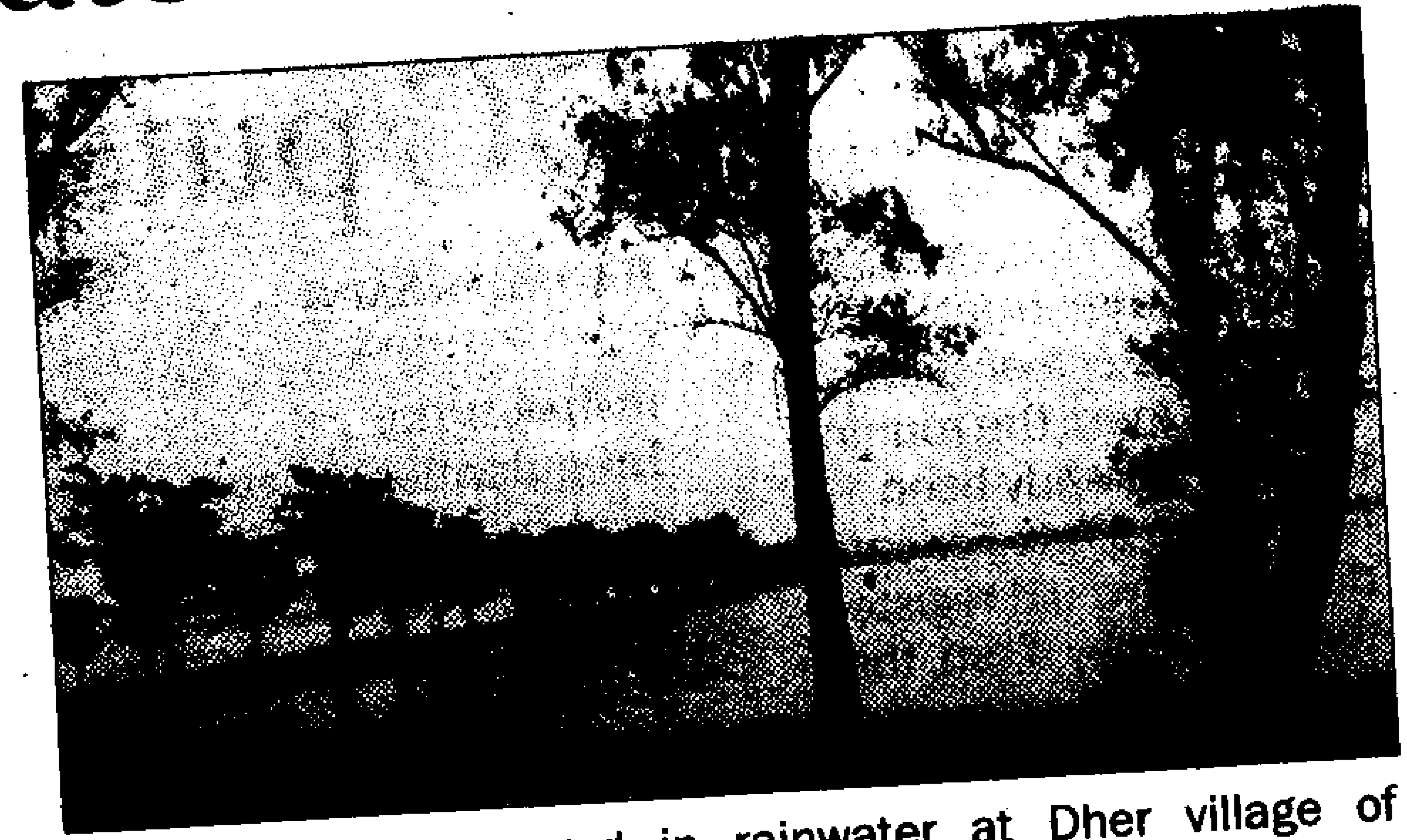

Paddy fields submerged in rainwater at Dher village of Fatehabad district on Sunday. TRIBUNE PHOTO

Mahinder Singh from Hyderwala village pointed out that farmers had not received help from the authorities for pumping out water. Nearly 40 mm rainfall was recorded at Fatehabad, Tohana, Kulan, Bhuna and Ratia in Fatehabad district in the past 36 hours.

The Department of Agriculture Meteorology of Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, meanwhile, has predicted light to moderate rainfall with thundershowers at many places in Haryana in its weather bulletin valid up to July 5.

So, ADC JK Abhir directed officials not to leave their station without permission.

दिनांक 4 जुलाई 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

H-T- 4 July 2016

40 feared dead in fresh landslides triggered by rains in Uttarakhand

HT Correspondents
▪ letters@hindustantimes.com

DEHRADUN/AGARTALA: Monsoon covered almost the entire country on Sunday, bringing relief to the parched countryside where farmers are waiting for the annual rain to sow crops.

But heavy rain slowed down rescue at cloudburst-hit districts in Uttarakhand and restricted work to clear the lone national highway to Tripura, which is cut off from the mainland for the past 45 days.

Rescuers pulled out three more bodies from a mud pile in the northern hill state's Pithoragarh district where cloudburst-triggered landslides on Thursday night buried more than 40 people.

Officially the toll stood at 18 but set to rise as sniffer dogs and earthmovers were deployed to locate and extricate bodies.

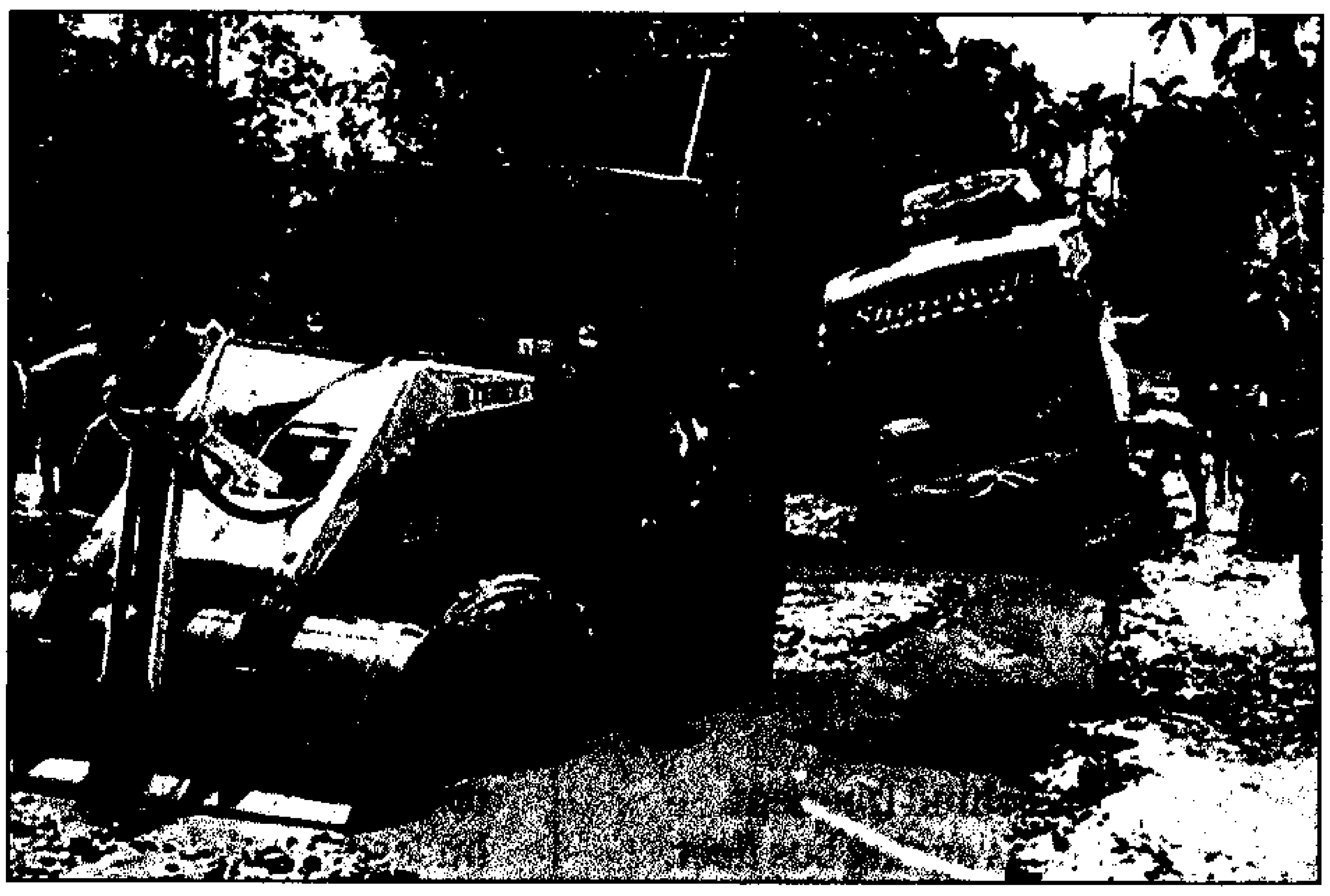

▪ **A bus stuck in sludge on NH-44 in Tripura's Lowerpoa where heavy rains have hampered repair work, causing long jams.** PRANAB SHIL/HT

In the northeastern state of Tripura, inclement weather has turned its repair-starved lifeline into a mud pit, stranding more than 4,000 trucks laden with supplies. The state is running out of petroleum products and a government-imposed rationing ensured that petrol is sold at more than ₹200 a litre in the grey market.

» FULL REPORT ON P8

HT - 4 July

Monsoon reaches city, but doesn't bring rain

HT Correspondent
▪ htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Monsoon may have reached Delhi, but there is no rain. On Sunday, a day after monsoon officially reached Delhi, centrally Delhi witnessed light showers. In most parts, there was no rain.

However, the temperature remained low, providing relief from the heat. The maximum temperature was recorded as 32.4 degrees Celsius, four degrees below normal. The minimum temperature was recorded as 27.2 degrees Celsius, a degree below normal. The humidity touched a maximum of 87%. According to the weatherman, the coming five days will barely see any rain.

On Monday, light rain has been forecast towards evening or night. The maximum and minimum temperatures are expected to be between 33 and 27 degrees Celsius. In the coming four days, again, very light rain or no rain is forecast.

ON MONDAY, LIGHT RAIN HAS BEEN FORECAST. THE MAXIMUM AND MINIMUM TEMPERATURES ARE EXPECTED TO BE BETWEEN 33 AND 27 DEGREES CELSIUS

"The monsoon system is not very strong right now and Delhi will have to wait another week for some good rain. The city will get higher than normal rain during the course of this monsoon, as per long range forecasts," said a senior Met official.

Delhi has seen a long dry spell since October last year, with January and February seeing no rain at all. Since then, sporadic rain has failed to decrease the rain deficit.

को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून बाढ़ सम्बन्धी समाचार

(Delhi) The Assam Tribune (...ahati) The Deccan Herald (...nglur...)
दिल्ली The Times of India (M...bai) The Deccan Chronicle (Hyderabad)
...andigarh) The Telegraph (Kolk...) Central Chronical (...opal)
...nnai) हिन्दुस्तान (पटना)

The Tribune 4/7/16

Monsoon showers cool city, temperature below normal

NEW DELHI, JULY 3

With monsoon active over the city, Delhiites today enjoyed a pleasant weather as the temperature remained below normal for this time of the season.

Rain brought the maximum temperature down by four notches below the season's average and it was recorded at 32.4 degree Celsius.

The minimum temperature settled at 27.2 degree Celsius, one degree below the normal.

According to the Meteorological department, Safdarjung observatory, figure of which is considered the official for the city, recorded traces of rain in the last 24 hours.

Between 8.30 am and 5.30 am today, the observatory recorded no rainfall, but weather stations at Palam and Ayanagar received 7.8 mm and 0.5 mm rainfall respectively.

Humidity levels oscillated between 72 and 87 per cent.

The weather office has predicted overcast conditions along with the possibility of light rain and thundershowers for tomorrow.

"The sky will be generally cloudy. There is likelihood of light rain and thunderstorm towards night tomorrow. The maximum and minimum temperatures are likely to settle at around 33 and 27 degree Celsius," the weatherman said.

Yesterday, the maximum temperature was recorded at 30.2 degree Celsius and the minimum had settled at 24.4 degree Celsius, the weatherman said.--PTI

दिनांक [illegible] को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

The Tribune – 4 July

redicts heavy rain in khand, Himachal

A Bolero vehicle, with four on board, skids into a river at Nachni in Pithoragarh on Sunday. All were rescued. TRIBUNE PHOTO

Kharif sowing takes a beating in June

- As per Agriculture Ministry's data, there is a huge gap between the kharif sowing of last year and this year in June
- The total sown area as on July 1 stands at 215.87 lakh hectares as compared to 279.27 lakh hectares last year
- Apart from rice, which has exceeded last year's mark and has been sown in 47.77 lakh hectares, the other kharif crops, specially oil seeds, cotton and pulses, are seeing huge gaps
- Last year 54.24 lakh hectares had been covered under oil seeds as compared to 28.71 lakh hectares this year
- Likewise, cotton is down to 30.59 lakh hectares from last year's 60.16 lakh hectares
- Pulses have been sown in 19.85 lakh hectares as compared to 22.25 lakh hectares last year

like" incidents in the hills, experts say orographic situation of Uttarakhand also makes it "conducive" to heavy rains in the season. "The region is experiencing increasing number of localised events and orography is adding to it," they say.

Notably, seasonal rains are largely governed by relief and orography. This year, monsoon reached late over Kerala. It was also delayed over Punjab, Haryana, Delhi and Chandigarh, where its official arrival was announced yesterday. However, after its initial break in the South Peninsula, it had moved fast towards the North, without taking any more breaks, hitting the hills much ahead of the plains in the Northwest.

Though after the eight-day delay in onset, monsoon "progressed well" but in many parts its performance was below expectations.

However, rains are expected to pick up in July. July accounts for the largest chunk of rains and is the most crucial month from the kharif point of view.

दिनांक 4 जुलाई 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

4 July 2016 NBT

उत्तराखंड में बारिश बनी विलेन

बदरीनाथ मार्ग समेत हेमकुंट यात्रा भी रुकी है, रास्ता खोलने की कोशिशें जारी

Mahesh.Pandey
@timesgroup.com

बचाव कार्य में बाधा, मृतकों की संख्या पहुंची 18

दो घंटों में 100 मिलीमीटर बारिश रेकॉर्ड की गई

■ **नई दिल्ली/देहरादून :** मूसलाधार बारिश और खराब मौसम के कारण उत्तराखंड में राहत और बचाव कार्य बाधित हुआ है। यह जानकारी सेना ने रविवार को दी। दरअसल, बादल फटने और बाढ़ के कारण उत्तराखंड बुरी तरह प्रभावित है। सेना के मुताबिक, लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण राहत और बचाव कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि केवल दो घंटों में 100 मिलीमीटर वर्षा रेकॉर्ड की गई, जिससे इस पहाड़ी राज्य की अधिकांश नदियों में बाढ़ आ गई है। पिथौरागढ़ के बस्तड़ी गांव से बचाव कर्मियों ने रविवार को मलबे और जमींदोज हुए घरों से 3 और शव निकाले। इस इलाके से अब तक 15 शव निकाले जा चुके हैं। तीन शव चमोली से पहले ही मिल चुके हैं। इस तरह इस आपदा से राज्य में मरने वालों की संख्या 18 पहुंच चुकी है, जबकि 18 लोग लापता हैं। बस्तड़ी में अब भी 12 और लोगों के लापता होने की सूचना है। जिले के विभिन्न इलाकों के 160 से ज्यादा प्रभावित परिवारों को आपदा राहत शिविर में रखा गया है। गौरतलब है कि मुनस्यारी, धारचुला और गंगोलीहाट में रविवार को भी तेज बारिश हुई, जिससे जिले की काली, सरयू और गोरी नदियों का जलस्तर लगातार खतरे के निशान की तरफ बढ़ रहा है।

चमोली जिले में इस आपदा से प्रभावित 4 गांवों, गौली, बाटूक, जाखणी और सैंजी, से अब तक 3 शव बरामद हुए हैं, जबकि 6 लोगों का अब तक पता नहीं है। जिले के 28 परिवारों को राहत कैंपों में रखा गया है। जिले का ऋषिकेश-बदरीनाथ मार्ग अब भी कई जगह बाधित है। वहीं बाजपुर गांव और मैठाणा के पास रास्ता बाधित होने से बदरीनाथ यात्रा समेत हेमकुंट यात्रा भी रुकी हुई है। प्रशासन के मुताबिक, बदरीनाथ मार्ग को जल्द खोलने की कोशिश जारी है।

उधर, उत्तराखंड मे बारिश के कारण आठ और लोगों की एक दुर्घटना मे मौत हो गई। देहरादून जिले के खुणा के पास एक यूटिलिटी खाई मे गिर गई। इसमें सवार आठ लोगों की मौके पर मौत हो गई और नौ घायल हो गए। यह घटना शनिवार देर रात हुई। यह गाड़ी विकासनगर से खुणा जा रही थी। दुर्घटना मे घायलों को हरबर्टपुर और लेहमन के सामुदायिक केंद्रों मे भर्ती कराया गया है।

मलबे में फंसे, पर गाय की वजह से बची जान

Poonam.Pandey@timesgroup.com

■ **पिथौरागढ़ :** उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित बस्तड़ी गांव में रहने वाली मंजू के परिवार का गुजारा जिस गाय के दूध से होता था, उसी गाय ने मंजू की जान बचाई। मंजू को 10 घंटे बाद मलबे से जिंदा निकाला गया। वह गाय की टांगों की बीच में फंसी थी, जिस वजह से वह सुरक्षित रह पाई।

चार लोगों को मलबे से निकाला

आसमान से आफत बरसने से पहले बस्तड़ी गांव में करीब 100 लोग रहते थे। मोहन भट्ट का परिवार भी उनमें से एक था। लेकिन 1 जुलाई को आई प्राकृतिक आपदा ने इनमें से 26 लोगों की जिंदगी लील ली। राहत और बचाव दल ने अब तक 9 डेड बॉडी मलबे से निकाली हैं और बाकी 17 लोग जो लापता है उनके बचने की उम्मीद अब खत्म सी हो गई है। मोहन भट्ट और उनकी 50 वर्षीय पत्नी मंजू, 28 वर्षीय बेटा विनोद और 24 साल की बेटी सुनीता गांव के वे 4 लोग हैं जिन्हें मलबे में दबने के बाद भी सुरक्षित जिंदा निकाला जा सका। हालांकि इनका 17 वर्षीय बेटा गौरव लापता है और उसके भी मलबे में दबे होने की आशंका है। इन चार लोगों को, जिन्हें मलबे से निकाला गया, उनमें मोहन भट्ट की हालत बेहद खराब है और उन्हें रविवार को हेलिकॉप्टर से हल्द्वानी के हॉस्पिटल में शिफ्ट कराया गया। मंजू, विनोद और सुनीता का भी पिथौरागढ़ जिला हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

मलबे से 10 घंटे बाद निकली, गाय की टांगों के बीच फंसी थी मंजू

सब कुछ लील लिया आपदा ने

आसमानी आफत ने मोहन भट्ट और मंजू का सबकुछ छीन लिया है। उनकी बेटी सुनीता की कुछ ही दिन पहले शादी तय हुई थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी और सुनीता के लिए कपड़े और जूलरी खरीदी गई थी। लेकिन इस आपदा ने उनके घर के साथ सारा सामान भी जमींदोज कर दिया। इस परिवार का गुजारा 8 बकरी, 3 गाय और 2 बैल के भरोसे और कुछ खेती से काम चलाकर होता था। गाय का दूध बेचकर चंद पैसे घर आ जाते थे, लेकिन आपदा ने घर, एक बेटा और रोजी रोटी का जरिया सब कुछ तबाह कर दिया।

CM ने मांगे सैटलाइट फोन के लाइसेंस

उत्तराखंड के सीएम हरीश रावत ने केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह को लेटर लिखकर आपदा प्रबंधन के लिए राज्य को 22 नए सैटलाइट फोन के लाइसेंस की मंजूरी देने का अनुरोध किया है। लेटर में प्रति वर्ष भारी बारिश से आपदा जैसी स्थिति को आधार बनाया गया है। उन्होंने राज्य पुलिस व एसडीआरएफ और अन्य राहत बचाव बलों के प्रयोग के लिए उपयोग में लाए जा रहे नेटवर्क के स्पेक्ट्रम चार्जेज पर देय विलंब शुल्क से भी राज्य को छूट दिए जाने का अनुरोध किया। सीएम रावत ने कहा है कि संबंधित स्पेक्ट्रम आवृत्तियों व सैटलाइट फोन्स का इस्तेमाल जनसामान्य की सुरक्षा, सीमावर्ती इलाकों में चौकसी व पुलिस कार्यों के लिए ही किया जाता है। रावत ने टेलिकॉम मिनिस्टर रविशंकर प्रसाद को भी लेटर लिखकर एचएफ/वीएचएफ नेटवर्क की 3 हर्ट्ज स्पॉट (स्पेक्ट्रम) तत्काल आवंटित किए जाने का अनुरोध किया।

पुणे, नासिक में अच्छी बारिश

■ **भाषा, पुणे/चंडीगढ़ :** पुणे समेत पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में शनिवार रात से लगातार हो रही बरसात ने लंबे समय से सूखे की मार झेल रहे इलाके को राहत दी है। बरसात के कारण पुणे को जलापूर्ति करने वाले खड़गवासला, पनशेट, वारसगांव और तेमघर नाम के चारों बांधों में भी जलस्तर बढ़ गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में पुणे में 73 मिमी बारिश हुई है। सतारा, कोल्हापुर और सांगली समेत पश्चिमी महाराष्ट्र के अन्य भागों में भी शनिवार से भारी बारिश हो रही है। वहीं नासिक और आसपास के इलाकों में भी अच्छी बारिश हुई है, जिससे जिले के किसानों को बड़ी राहत मिली है। दूसरी तरफ दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में पहुंच चुका है, जिससे शनिवार से पूरे इलाके में भारी बारिश हो रही है। अगले दो दिन में इसके दोनों राज्यों के बाकी हिस्सों में पहुंचने के लिहाज से स्थिति अनुकूल है। बारिश के बाद अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है।

VEHICLES WADE THROUGH A WATERLOGGED ROAD IN HISAR ON SAT...

Rain inundates Hisar localities

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, JULY 2

The second spell of rain in a fortnight has left several localities of the town completely inundated. The Public Health Engineering Department is engaged in flushing out the water but city roads and several public places are still flooded.

The Meteorological Department recorded 63.8 mm rainfall since morning today which is the highest in a day this season. On June 14, 93 mm rainfall was recorded in 24 hours.

However, the authorities have failed to learn any lesson from the previous rain when the entire city was choked for several hours. Today again, most of the city roads, bus stand, grain market, Civil Hospital and many residential localities were submerged in the absence of proper outlet of the rainwater.

Grain Market Association president Sant Kumar Singhal said the entire grain market was flooded with water. "Strangely, the authorities locked all gates of the grain market except the main gate which causes problems," Singhal said.

Flood control centre

Jhajjar: The district authority has set up a flood control centre in the Mini-Secretariat premises. Jhajjar DC Anita Yadav said the District Revenue Officer would be in charge of the centre. Residents can lodge complaints at 1077. TNS

House damaged

Kaithal: A house was partially damaged in lightning in Julani Khera village of the district on Saturday. No loss of life was reported in the incident. The family of farmer Chand Veer was not in the house when the incident took place around 5 pm. OC

दिनांक 3.जुलाई.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

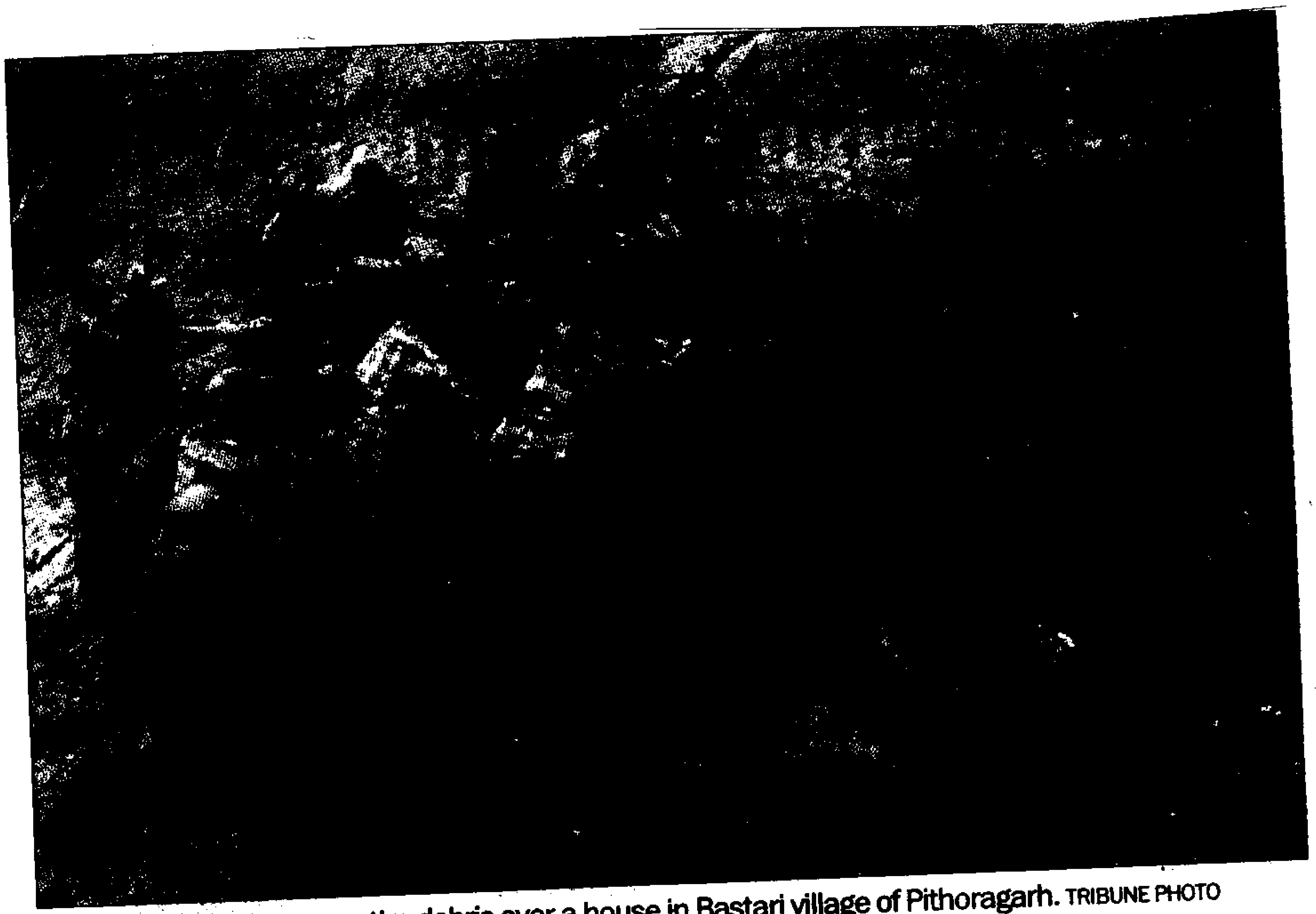

Armymen trying to remove the debris over a house in Bastari village of Pithoragarh. TRIBUNE PHOTO

U'khand death toll climbs to 35

Rivers in spate, highways blocked | Rescue work stepped up

JOTIRMAY THAPLIYAL
TRIBUNE NEWS SERVICE

DEHRADUN, JULY 2

Amid incessant rains, the death toll in Uttarakhand's landslides, triggered by a cloudburst on Friday, has risen to 35. A part of the Gangotri highway has been washed away and the Yamunotri and Badrinath highways are blocked.

Twenty-six persons have died in Pithoragarh district and nine in Chamoli. Fifteen bodies have been pulled out of the debris in Pithoragarh and six in Chamoli.

Personnel of the State Disaster Response Force and the Army are conducting rescue operations round the clock. Six Army columns, each comprising three officers, five JCOs and 67 jawans are on the job in Pithoragarh. The Border Roads Organisation (BRO) is working on a war footing to remove the debris.

Bastari village in Pithoragarh has been the worst-affected with several people reported to be trapped under the sludge.

In Haridwar and Udham Singh Nagar, the rivers are in spate. The banks of the Baigul and Sukhi rivers in Sitarganj area are swollen. The water in the Ganga in Haridwar is rising. There is little hope for relief with the Met Office predicting more rains in the next 48 hours.

Chief Minister Harish Rawat today held a Cabinet meeting to review the relief and rescue operations. He directed the officials to ensure timely alerts. The CM's media incharge, Surendra Kumar, said all possible help was being provided to the affected families. He accused the BJP of trying to play politics on the issue.

Kashi Singh Airy, Uttarakhand Kranti Dal leader and a resident of Pithoragarh, said more lives could have been saved had the administration acted in time. "The government has failed to come up with a plan to meet rain-induced disasters," he said.

Environment Minister Prakash Javadekar said, "The frequency of heavy rains and cloudburst-like incidents are increasing due to climate change and the government is working on a plan to tackle such eventualities."

दिनांक 3.7.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The Tribune (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The Hindu (Chennai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

भारी बारिश से मरने वालों की तादाद बढ़कर 15 हुई, 21 लोग अब भी लापता

NBT - 3 July

उत्तराखंड के लिए 48 घंटे अहम

NBT

■ प्रस/एजेंसियां, देहरादून

उत्तराखंड में दो और शवों के मिलने के साथ ही राज्य में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 15 पहुंच गई जबकि राज्य की करीब दस नदियां और छोटी नदियां उफान पर हैं और भूस्खलन की वजह से कई रास्तों पर ट्रैफिक बाधित हुआ है। पिथौरागढ़ और चमोली जिलों में शुक्रवार को बादल फटने की घटना के बाद से 21 लोग अब भी मलबे में दबे हो सकते हैं और इससे मरने वालों की संख्या में और बढ़ोतरी का अंदेशा है। मौसम विभाग ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। खासतौर पर नैनीताल, उधमसिंह नगर और चम्पावत जिलों में। उत्तराखंड के लिए अगले 48 घंटे अहम हैं। वहीं पिथौरागढ़ में एक शख्स द्वारा आपदा में अपने नौजवान बेटे को खो देने के गम में आत्महत्या कर लेने के भी समाचार मिले हैं। दूसरी ओर कैबिनेट मीटिंग के दौरान मुख्यमंत्री हरीश रावत और अन्य मंत्रियों ने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आपदा प्रभावितों परिवारों के लिए अस्थायी आवास के लिए टैंटों व खाने की सामग्री उपलब्ध करा दी गई है। प्रभावित परिवारों को राहत शिविर में रखा गया है। वहीं उत्तराखंड के पहाड़ों पर हो रही बारिश के बाद अब यूपी के मैदानी इलाकों में बाढ़ का संकट गहराने लगा है। मूसलाधार बारिश से गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। हरिद्वार से यूपी के लिए गंगा में शुक्रवार देर शाम 92 हजार क्यूसेक पानी छोड़ दिया गया, जिसके बाद से ही अधिकारियों ने सतर्कता बढ़ा दी है।

सीएम ने की राहत कार्यों की समीक्षा

कम आ रहे हैं श्रद्धालु

■ शुक्रवार को चारधाम सहित हेमकुंट साहिब में आने वाले यात्रियों की कुल संख्या महज 2151 रही, जबकि इससे ज्यादा यात्री इस सीजन में यमुनोत्री में आए।

■ बदरीनाथ में तो सीजन के हर दिन 15 हजार से अधिक यात्री पहुंचते थे, लेकिन शुक्रवार को कुल 500 यात्री ही दर्शन को पहुंच सके। हेमकुंट साहिब में पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या 462 रही।

■ यमुनोत्री में शुक्रवार को 214 जबकि गंगोत्री में 477 यात्री पहुंचे।

■ केदारनाथ में जहां इस सीजन में 7 हजार से 10 हजार तक यात्री प्रतिदिन पहुंचते थे, वहीं शुक्रवार को 498 यात्री ही पहुंचे।

■ इन पांच धामों में 11,44,934 यात्री ही दर्शन कर पाए हैं।

चारधाम यात्रा पर भी असर

बारिश का असर चारधाम यात्रा पर भी दिखा। हालांकि शनिवार को चमोली में मौसम खुला रहा और बारिश कम हुई। बदरीनाथ और हेमकुंट को जाने वाला रास्ता दो जगहों पर भारी मलबा आने से बंद है, जिसे खोलने के लिए बीआरओ जुटा है। इस कारण बदरीनाथ और हेमकुंट यात्रा शनिवार को प्रभावित रही, जबकि प्रशासन के मुताबिक यात्रा रोकी नहीं गई है।

मुंबई में भारी बारिश की आशंका

पीटीआई, मुंबई : शहर में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई है और उपनगरीय ट्रेन सेवाएं अपने निर्धारित कार्यक्रम से 10-15 मिनट की देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में मुंबई सहित पूरे कोंकण क्षेत्र में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान लगाया है। यहां उपनगरीय इलाकों में मध्यम और मुख्य शहर में ज्यादा बारिश हुई है।

पिथौरागढ़ में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रस्सियों के सहारे पहुंचाया गया।

ple nd- as old was aks nu- his the k. the ver ndi- eak and ter- ars ical eja. ing ion pre- ing are ges, are pre- be ter ved oss sed and tral nos-

दिनांक 03 July 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

RAINS IN DELHI

Monsoon arrives in Delhi 3 days late

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The southwest monsoon has arrived over the National Capital, the Met department said in an update on Sunday, as frequent downpours cooled temperatures and brought surplus rainfall to northern states.

The rains arrived in Delhi three days behind their scheduled date of arrival (June 29), although the city received robust pre-monsoon showers over the weekend following a spell of sultry weather.

While it has rained in the whole of Delhi, areas around Safdarjung, Lodhi Road, Morni and Pitampura recorded significant amount of around 2cm of rainfall until Sunday morning, the Met said. Heavy rains are predicted over some places across Delhi, Haryana, Uttarakhand and Punjab on Sunday as well.

A part of the rain-bearing system had been slow in its progress to Delhi, Haryana and Punjab, while proceeding normally over bordering western Uttar Pradesh.

The monsoon has "further advanced into remaining parts of West Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Uttarakhand & Himachal Pradesh, most parts of Haryana, entire Chandigarh & Delhi and Punjab and some parts of East Rajasthan" a bulletin from the national weather bureau said.

The rains, vital for Asia's third-largest economy, are predicted to be surplus this year after two years of drought that saw a dire water crisis and brutal heatwaves.

In next 48 hours, the rains will likely advance over some parts of north Arabian Sea off the Gujarat coast to reach north Gujarat and eastern Rajasthan, the only areas outside the monsoon cover.

On Saturday, heavy downpours drenched many northern states, including rice bowl Punjab and Haryana, Uttar Pradesh and Jammu & Kashmir, apart from Odisha and Madhya Pradesh.

The monsoon was sluggish and 11% below normal in June after arriving in Kerala on June 8, a week late. The gap now is steadily narrowing. On Thursday, the monsoon was tracking 9% below normal overall since the beginning of the rainy spell.

Across northwest India, however, the rains were 5% surplus.

Towards south, the rains have been 21% above normal while in central India they are still 12% deficient. The northeast had the highest rain deficit of 28%.

The Met department has said that rainfall in July, the most critical month for farming operation, would be surplus.

The rains arrived in the National Capital three days behind their scheduled date of arrival, June 29. RAJ K RAJ/ HT PHOTO

Delhi govt braces for dengue outbreak

Anonna Dutt
anonna.dutt@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Delhi government is preparing for another dengue outbreak this year with the Indian Meteorological Department (IMD) predicting 106% rainfall this year.

The monsoon arrived in Delhi on Saturday, three days behind schedule.

"Last year, Delhi saw its worst dengue outbreak since 2010 even when there was deficient rainfall. This year, with excessive rainfall predicted, we need to be on our toes. The weather will be conducive for mosquito breeding," said Dr SM Raheja, in charge of the Delhi government's dengue control cell.

Since aedes aegypti, the mosquito that transmits dengue, breeds in clean, stagnant water, the dengue cell is planning to break the breeding cycle by promoting a "dry day" once a week. The mosquito takes 8 to 10 days to mature.

"On that day, people will be asked to empty clear stagnant water out of vessels such as the tray under the fridge, pots, feng shui plants, coolers or tumblers. We will ask them to keep these dry for a day. This will prevent mosquitoes from breeding inside homes," said Dr Raheja.

If possible, once a week people should also clear their surroundings of any solid waste, such as cups and tyres, which can hold rainwater.

The government, he said, was not of the view that outbreaks were cyclic because communities became immune. This means fewer cases occur in the years that follow an outbreak.

"Dengue is endemic in the region. It will spread whenever there are mosquitogenic conditions. There was an outbreak in 2006, then in 2010, 2013 and 2015. It happened at an interval of three years, two years and a year. There is no cyclical approach here," said Dr Raheja.

The dengue cell is spreading awareness about the prevention of mosquito breeding.

"At the moment, we can prevent an outbreak by not letting the aedes aegypti breed. We are informing schools, colleges, offices and resident welfare organisations about the preventive steps that need to be taken," said Dr Raheja.

On Friday, Union Minister of Health JP Nadda reviewed dengue preparedness across India. The Centre has increased surveillance hospitals to 527 and linked them with 15 apex referral labs that have advanced diagnostic facilities.

दिनांक 3.जुलाई.2011.. को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

The Tribune 3 July

AWESOME *MAUSAM*: Tourists make the most of the pleasant weather in Shimla on Saturday. PHOTO: AMIT KANWAR

Showers delight tourists, locals

TRIBUNE NEWS SERVICE

SHIMLA, JULY 2

Tourists had a field day as rain lashed several parts of the state today. Arki in Solan district, Baijnath and Palampur in Kangra district received 195 mm, 130 mm, and 105 mm rain while, Solan, Jogindernagar, Dharampur and Nainadevi received 60 mm, 57 mm, 54 mm and 52 mm rain.

Jubbarhatti near Shimla received 47 mm rain awhile Pachhad recorded 43 mm rain followed by Kasauli and Sundernagar 38 mm, Bhuntar 34 mm, Kangra and Nahan 29 mm, Dharamsala 24 mm,Dehra Gopipur 22 mm, Gaggal 21 mm , Shimla 16 mm, Rajgarh and Kahu 14 mm, Kasauli 13 mm and Ghumarwin, Bilaspur and Manali 11 mm.

The Met Department has predicted rain/thundershowers in the lower, mid and higher hills over the next six days and warned of heavy rain in isolated places tomorrow.

Snowfall in Dhauladhars

- Snowfall in the Dhauladhar range and Bara Bhanghal plummeted the temperature, cheering locals and tourists. Widespread rain lashed various parts of the state in the last 24 hours
- Baijnath in Kangra district experienced 78 mm rain, Palampur 33.4 mm and Dehra Gopipur 6 mm. Fog engulfed Palampur and its surrounding areas, with most of the roads remaining blocked
- A number of villages had to remain without electricity. Trees were uprooted in the remote areas. While normal life was hit, the tourists made the most of the weather

River rafting banned

- Following a rise in the water level of the Beas, Kullu Deputy Commissioner Hans Raj Chauhan has imposed a ban on river rafting from Sunday
- The DC said action would be taken against those defying the order. He also advised residents to stay away from the river

दिनांक 3 जुलाई 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

MUMBAI'S MONSOON WOES

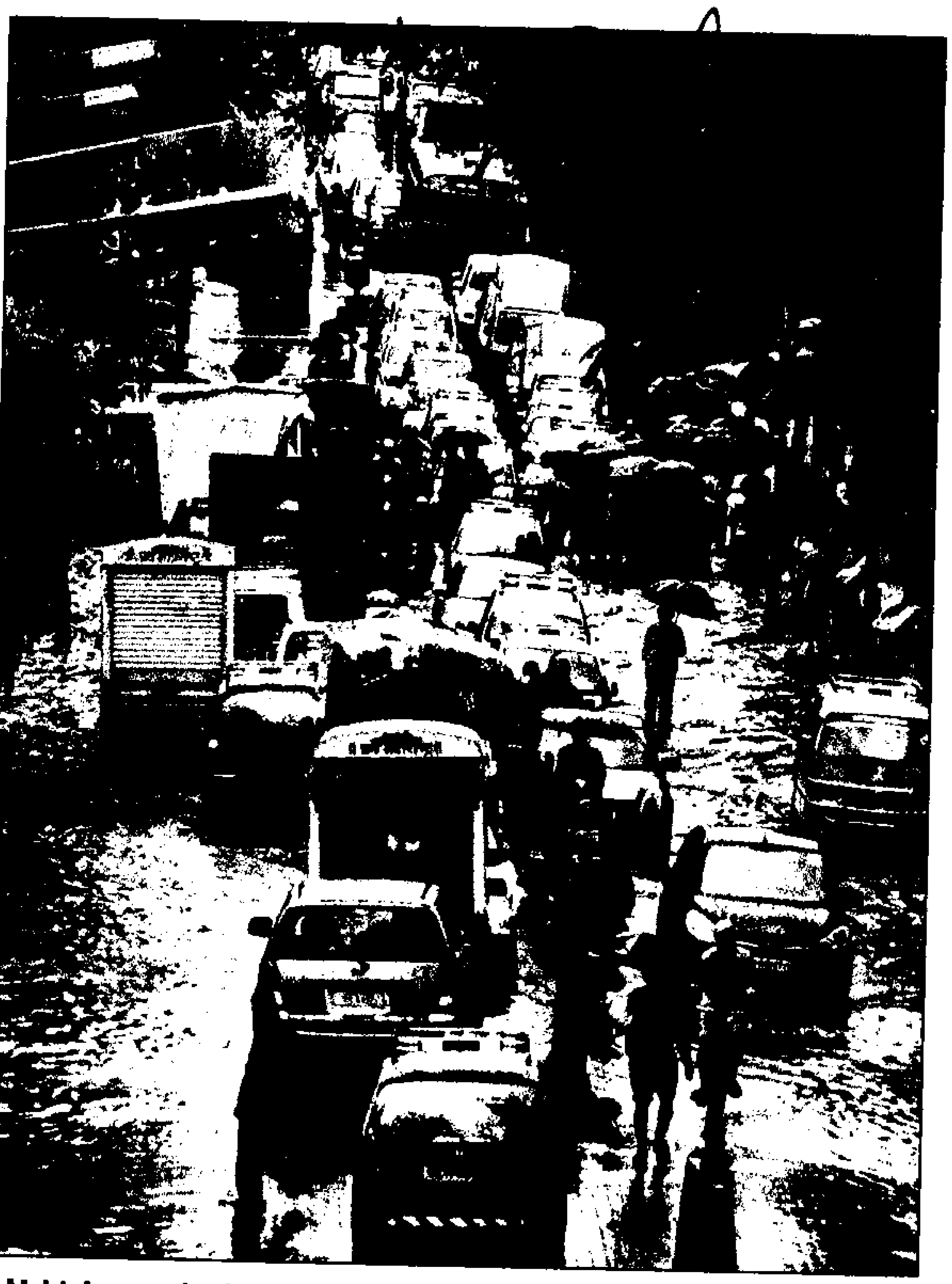

■ Vehicles wade through a waterlogged street in Mumbai on Saturday. According to the Met department, Santa Cruz recorded 77 mm rain in the last 24 hours. Weathermen have predicted heavy rain in the city in the coming days. BHUSHAN KOYANDE/HT

पेज 26 > मूल्य 5.00 रु. या 10.5

उत्तराखंड में बारिश थमी, खतरा कायम

Mahesh.Pandey@timesgroup.com

देहरादून : उत्तराखंड में बारिश से मरने वालों की तादाद 15 पहुंच गई है। अभी करीब 21 लोगों के दबे होने की आशंका है, जिनकी तलाश जारी है। प्रदेश की छोटी-बड़ी सभी नदियां उफान पर हैं। कई जगह लैंड स्लाइडिंग की वजह से ट्रैफिक थम गया है। पिथौरागढ़ और चमोली जिले में शुक्रवार को बादल फटने से यह आपदा आई। इससे पिथौरागढ़ में 12 लोगों की जान गई, जबकि चमोली में 3 लोगों की मौत हुई है। शनिवार सुबह बारिश थमने से बचाव के काम में तेजी आई। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी है, लिहाजा अगले 48 घंटे अहम हैं। उधर, बदरीनाथ हाइवे बंद है और गंगोत्री, हेमकुंट यात्रा अस्थायी तौर पर रोकी गई। हालांकि केदारनाथ और यमुनोत्री खुले हैं। ▸▸ पेज 18

मॉनसून की दिल्ली में एंट्री

■ नस, नई दिल्ली : दिल्ली में मॉनसून ने दस्तक दे दी है और अगले 10 दिन तक यहां बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, इससे उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी और तापमान भी नॉर्मल से कम रह सकता है। मॉनसून पिछले साल 5 जुलाई को आया था। ▸▸ पेज 5

दिनांक 23.07.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

23 July 2016 The Hindu

11 killed as rain lashes Uttarakhand

Landslips in the early hours catch people unawares

Kavita Upadhyay

DEHRADUN: At least 11 persons were killed and 17 went missing when heavy rain triggered landslips and flash floods in Uttarakhand's Pithoragarh and Chamoli districts on Friday.

Several people were buried in sleep, under the debris of collapsing houses, when disaster struck in the early hours.

After the deluge, eight bodies were recovered from Pithoragarh's Didihat and Thal tehsil, where at least 12 families were affected.

While three persons who were severely injured were rescued and taken to a nearby hospital in Pithoragarh by helicopter, 11 persons in the district were missing till Friday night.

The road to Badrinath being repaired on Friday.
— PHOTO: VIRENDER SINGH NEGI

According to the State disaster management department, three persons died in the heavy rain and landslips in Chamoli district, and six had gone missing.

■ HEAVY RAINFALL PREDICTED | PAGE 15

दिनांक 2 जुलाई 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Cycle of joy

The Tribune 2 July.

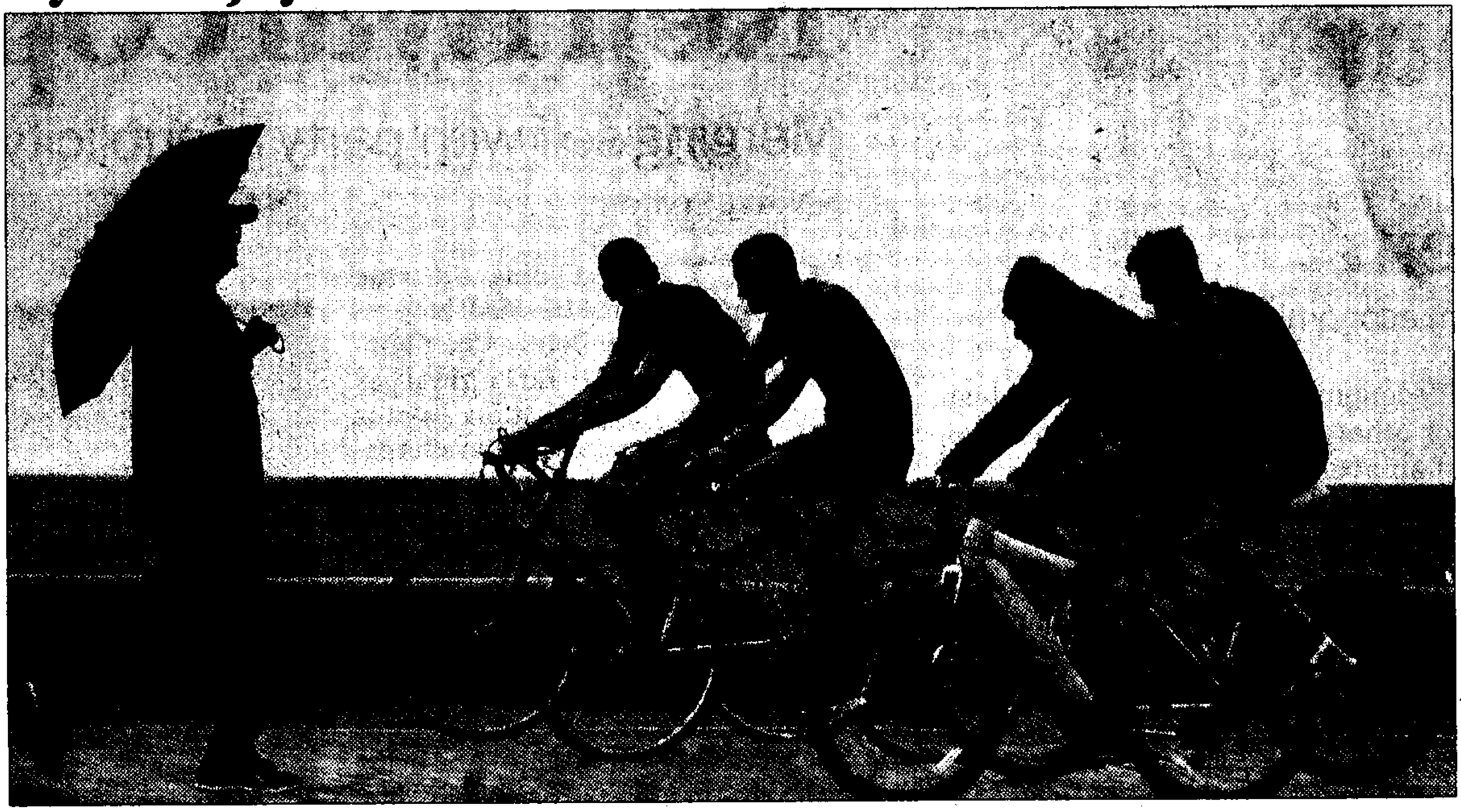

People enjoy rain at Marine Drive in Mumbai on Friday. Good monsoon so far has brought cheer to parched Maharashtra. PTI

Met Dept hints at freak weather

VIBHA SHARMA
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, JULY 1

As plains in the North sweat it out under high humidity waiting for their share of monsoon rains expected within 48 hours as per the Indian Meteorological Department (IMD), the Uttarakhand cloudbursts are being seen as another indication of extreme events this season.

Higher chances of extreme events this year have already been indicated by the IMD and demonstrated by the recent killer thunderstorms in Bihar that followed intense heat wave and heavy floods in South and East in May.

Officials say Prime Minister Narendra Modi has been in "regular touch" with officials concerned, keeping a tab on monsoon-related developments.

"Apart from its direct relation with the country's economy, agriculture and water resources, monsoon has a much wider impact," a source said. As per the IMD, monsoon is expected to strike Punjab, Haryana and Delhi anytime.

Knocking at doors of the plains in the North, the IMD says conditions are favourable for its further advance in some more parts of East Rajasthan, remaining parts of Himachal Pradesh, Uttarakhand, west Madhya Pradesh and Uttar Pradesh, most parts of Punjab and Haryana and Chandigarh and Delhi and also some parts of West Rajasthan during the next 48 hours.

5 IB officials missing in Arunachal landslide

- Five officials of the Intelligence Bureau (IB) are reported missing after landslide and torrential rains on Friday hit Bhalukpong in Arunachal Pradesh
- Officials said the incident was reported around noon after a IB hut in the area was hit by a landlside. At least two people have been reported killed in the area due to the natural disaster
- A team of 30 ITBP force personnel has reached the affected area and are looking for the missing officials, they said

दिनांक 2...7...2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Alaknanda river water rages through a town in Chamoli district after the cloudburst. ANI

12 die in U'khand cloudburst

Pithoragarh, Chamoli villages under sludge; 25 'swept away'

BD KASNIYAL & HIMANSHU K LALL
TRIBUNE NEWS SERVICE

PITHORAGARH/DEHRADUN, JULY 1
Eight persons were killed in landslides triggered by a cloudburst in Uttarakhand's Pithoragarh district and four in Chamoli this morning, even as roads and land stretches vanished and telecommunication services in the two districts got snapped.

At least 25 persons from seven villages in Pithoragarh were reportedly swept away and efforts were being made to trace them, said RS Rana, Pithoragarh District Disaster Management Officer.

The cloudburst poured destruction on Singhali Pattharkot, Ogla and Thal villages. "The residents are trapped under the sludge. The rescuers are trying to pull them out," Rana said. Three of the rescued persons were airlifted to the Pithoragarh district hospital.

The cloudburst resulted in 100 mm of rainfall in 50 sq km area within hours. While four persons were killed in Chamoli district, two were swept away in Siron village. A five-year-old child was killed in Ghat block. With the Nandakini river in spate, residents of Ghat block were shifted to a safer place.

The Centre rushed teams of the National Disaster Response Force to the state. Union Home Minister Rajnath Singh spoke to Chief Minister Harish Rawat and took stock of the situation.

On Thursday, a warning was issued of heavy rain in Nainital, Udham Singh Nagar and Champawat districts over the next three days.

Relief announced

Uttarakhand Chief Minister Harish Rawat, who is in Delhi, announced a compensation of ₹2 lakh each for the victims' families. "Many people are trapped under tonnes of debris brought by the rain. I am monitoring the situation from here and so is the Chief Secretary," he said.

दिनांक 2 July 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The Tribune (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The Hindu (Chennai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

HT. 2 July 2016

Get ready for monsoon rains tomorrow evening

FORECAST This year, monsoon showers may be above normal range; Delhi is expected to get good rains after 2 years

HT Correspondent
■ htreporters@hindustantimes.com

■ **On Friday evening, the city received 16 mm of rain. Pre-monsoon showers are also expected on Saturday.** RAVI CHOUDHARY/HT

NEW DELHI: The monsoon rains are expected to reach Delhi on Sunday evening, India Meteorological Department officials said.

Pre-monsoon showers have been lashing Delhi since Thursday evening. On Friday evening, the city received 16 mm of rain. Showers are also expected on Saturday.

Between Thursday evening and Friday morning, the city received 13 mm of rain. On Friday the maximum temperature was recorded at 36.6°C, normal for this time of the year.

The minimum temperature was 27.2°C, a degree below normal.

The humidity, however, was punishing at a maximum of 98%. On Saturday, the maximum and minimum temperatures are expected to be 30°C and 23°C.

The monsoons — which are a wind system — normally reach the city around June 29 each year. This year, it has been delayed.

THE MONSOON NORMALLY REACHES THE CITY AROUND JUNE 29 EACH YEAR. THIS YEAR, IT HAS BEEN DELAYED

"Conditions are favourable for further advance of southwest monsoon in some more parts of East Rajasthan, remaining parts of Himachal Pradesh, Uttarakhand, West Madhya Pradesh, Uttar Pradesh and most parts of Punjab and Haryana, entire Chandigarh & Delhi and some parts of West Rajasthan during next 48 hours," a statement issued by the India Meteorological Department said on Friday evening.

The monsoon was slow in reaching Kerala, the first place in India that receives monsoon rains, this year and was a week behind schedule. There are a few reasons to celebrate, though.

According to the long-range forecast, rains this monsoon season will be above the normal range. North-western India, which includes Delhi are expected to get good rains after two years.

June, however, has ended with a rain deficit which is expected to be made up in July and August.

दिनांक 2/07/2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

2 July 2016 H.T

Monsoon mayhem claims 30 lives in U'khand, Arunachal

HT Correspondents
▪ letters@hindustantimes.com

DEHRADUN/GUWAHATI: At least 30 people were killed and five intelligence officials were missing as torrential rains triggered flashfloods and landslides in Uttarakhand and Arunachal Pradesh, officials said on Friday, underlining the vulnerability of hill states to weather extremes.

While "18 to 20" people were killed in Uttarakhand's Chamoli and Pithoragarh since Thursday, 10 people were buried alive when a landslide hit West Kameng district of the northeastern state on Friday.

A PTI report said five officials of the Intelligence Bureau (IB) are missing following the landslide in Bhalukpong, 220 km west of state capital Itanagar.

In Uttarakhand, pounded by torrential rains since Thursday

▪ **Workers clear landslide debris in Arunachal's Bhalukpong.** PTI

night, the toll is likely to increase, chief minister Harish Rawat said.

The death and destruction in Chamoli and Pithoragarh came just over three years after more than 5,000 people were killed when the Kedar valley was hit by a similar cloudburst, a term used to describe highly concentrated rainfall over a small area and lasting for a few minutes to few hours.

In Dehradun, officials put the number of confirmed deaths at 11 based on the number of bodies recovered.

While the state BJP claimed that the number of dead could be 30, officials in Haldwani told Hindustan Times that the toll in worst-hit Bastadi village in Pithoragarh district alone could rise to 15 as many people are still trapped under debris – mud, toppled houses and uprooted trees.

At least six deaths have been confirmed in Pithoragarh while five casualties were reported in Chamoli, said Ravi Shankar, the additional secretary in the disaster management department.

CONTINUED ON PAGE 8

दिनांक .... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

NBT 2 July

उत्तराखंड में फिर आफत की बारिश

15 लोगों की जान गई बारिश से

28 लोग मलबे में दबे हुए थे

■ प्रमुख संवाददाता, देहरादून

मॉनसून के साथ ही उत्तराखंड में आफत भी बरसने लगी। मलबे में दबकर 15 लोगों की मौत हो गई। तकरीबन 28 लोग मलबे में दबे थे। उत्तराखंड के सीएम हरीश रावत ने जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की राहत देने का ऐलान किया है।

गुरुवार देर रात शुरू हुई बारिश से पिथौरागढ़ और चमोली जिले में जमकर तबाही हुई। कई मकान ध्वस्त हो गए। आपदा प्रबंधन सचिव शैलेश बगौली के मुताबिक, चमोली में 9 और पिथौरागढ़ में 6 लोगों की जान गई। अपुष्ट सूत्रों का कहना है कि दोनों जिलों में 30 से ज्यादा मौतें हुई हैं। पिथौरागढ़ में बस्तडी गांव बारिश से पूरी तरह तबाह हो चुका है।

एनडीआरएफ, सेना और अन्य बचावकर्मियों की टीमें मौके पर रवाना कर दी गईं, लेकिन जगह-जगह रास्ते बंद होने से काफी मुश्किलें आ रही थीं। टीम के लोग कई घंटे पैदल चलकर प्रभावित गांवों में पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर यहां जल्द जनजीवन के पटरी पर लौटने की उम्मीद जताई है। केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के सीएम हरीश रावत से फोन पर बात कर हाल जाना। ▶▶ पेज 15

राहत में आ रही है मुश्किल

Mahesh Pandey

तबाही से जहां-तहां फंसे लोगों को राहतकर्मियों ने बचाया

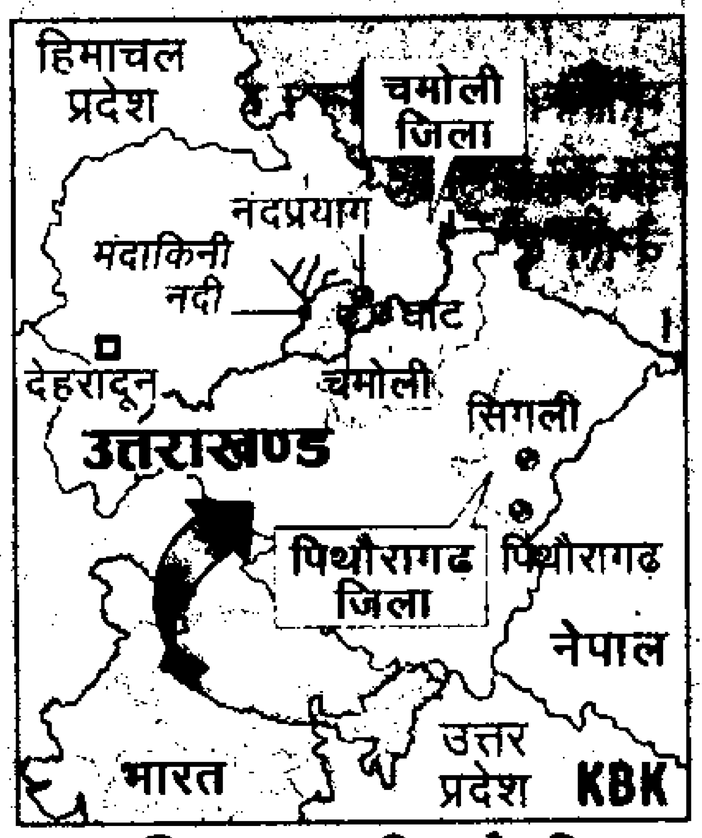

बारिश जारी रहेगी

मौसम विभाग ने अलर्ट किया है कि उत्तराखंड में भारी बारिश जारी रह सकती है। पानी वाली जगहों पर आवाजाही रोकने और स्कूल बन्द रखने को भी कहा गया है।

बदरीनाथ में फंसे

बदरीनाथ राजमार्ग जगह-जगह बाधित होने से हजारों तीर्थयात्री फंसे हुए थे। प्रशासन उन्हें महफूज ठिकानों पर पहुंचा रहा था। बदरीनाथ और हेमकुंट से लौट रहे कुछ तीर्थयात्रियों को चमोली में रोका गया। यमुनोत्री हाइवे बर्बाद होने से आवाजाही ठप रही। केदारनाथ हाइवे पर बड़ी गाड़ियां नहीं जा पा रही थी। लेकिन उत्तरकाशी में ऋषिकेश-गंगोत्री नेशनल हाइवे गंगोत्री तक छोटी-बड़ी गाड़ियों के लिए खुला था। ऋषिकेश-यमुनोत्री हाइवे भी जानकीचट्टी तक खुला था। 2013 के जून में राज्य के केदारनाथ में कुदरत ने कहर बरपाया था। इसमें 4 हजार लोग मारे गए थे।

दिल्ली में बारिश, पर उमस कायम

उमस से बेहाल दिल्ली में शुक्रवार शाम बारिश हुई। हालांकि बाद में हालात फिर वैसे हो गए। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार तक दिल्ली-एनसीआर में मॉनसून आ सकता है। ▶▶ पेज 11

अरुणाचल प्रदेश में 10 की मौत

अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में जमीन खिसकने से 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, भालुकपोंग इलाके में इंटेलिजेंस ब्यूरो के 5 अफसर लापता हैं।

आज मिलेगा हर सवाल का जवाब

NBT

एजुकेशन समिट 2.0

कामयाबी का सही रास्ता कौन सा है, यह बताने के लिए एनबीटी एजुकेशन समिट 2.0 में हमने हर फील्ड के एक्सपर्ट के पैनल को बुलाया है, ताकि आपको एजुकेशन और करियर से जुड़े हर सवाल का सही जवाब मिल सके।

हर टॉपिक पर जानकारी

डीयू : कॉलेज या कोर्स
आईपी यूनिवर्सिटी : ए टु जेड
ऑल्टरनेटिव करियर : शानदार मौके
करियर गाइडेंस : जानिए अपनी स्किल

मिलें डिप्टी सीएम से

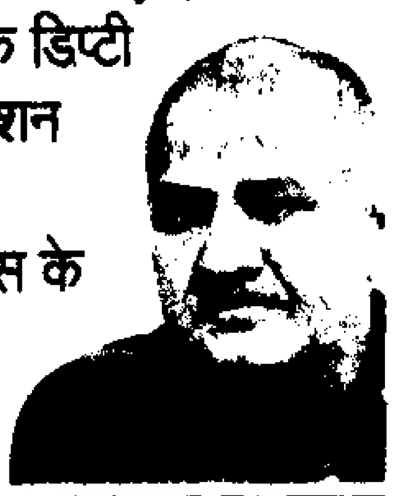

समिट में दिल्ली के डिप्टी सीएम और एजुकेशन मिनिस्टर मनीष सिसोदिया स्टूडेंट्स के साथ बात करेंगे।
▶▶ पेज 4

एगलेस ब्रेड बनाना सीखें

NBT रंगमंच Club

अगर आपने अभी तक एनबीटी रंगमंच क्लब की एगलेस ब्रेड मेकिंग वर्कशॉप के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है, तो आज का चांस भी आपके पास है। आप वेन्यू पर सुबह 10 बजे जाकर इसके लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसमें आपको वाइट, मल्टीग्रेन, गार्लिक ब्रेड के साथ ही पिज्जा और ढेर सारी ब्रेड्स बनानी सिखाया जाएगी। ज्यादा जानकारी देखें डीटीएमएम में।

दिनांक .... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The Tribune (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The Hindu (Chennai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

DE – 2 July

■ State CM asks Centre to contribute 90% to aid funds

12 killed, 25 missing in U'Khand landslides

Pithoragarh/Gopeshwar, July 1: Twelve persons were killed and 25 others were missing as torrential rains and landslides hit Uttarakhand's Pithoragarh and Chamoli districts in the wee hours on Friday, burying villages in sludge with many residents trapped under the debris.

While eight persons were killed in cloudburst in Pithoragarh district, four lives were claimed by heavy rains in Chamoli district.

Two persons were swept away by the muddy waters and debris rushing down the slopes into Siron village in Chamoli.

One person was killed in Ghat block and another in Sithel village in similar circumstances, SDM Chamoli S.K. Barnwal said, adding eight persons trapped in the debris have been rescued in the district so far.

The cloudburst in Singhali area of Pithorgarh district early on Friday morning brought over 100 mm rains in two hours in a region of 50 sq km, flattening homes in over seven villages, according to officials.

"We have recovered five bodiesfrom Singhali area while threebodies have been recovered from Thal village. The searchfor others is on by rescue partiesconsisting of armyand paramilitary personnel," Pithoragarh district magistrate H.C. Semwal said.

Meanwhile, claiming that the circumstances in which Uttarakhand was given special category status still persist, Chief Minister Harish Rawat on Friday asked the Centre to maintain the funding pattern for externally aided projects in the state in the ratio of 90:10.

The CM also announced a compensation of Rs two lakh each to families of the victims. Prime Minister Narendra Modi and Congress president Sonia Gandhi expressed grief over the loss of lives due to cloudburst and heavy rains. — *PTI*

A scene after a cloudburst hit Singhali area near Pithoragarh on Friday. — *PTI*

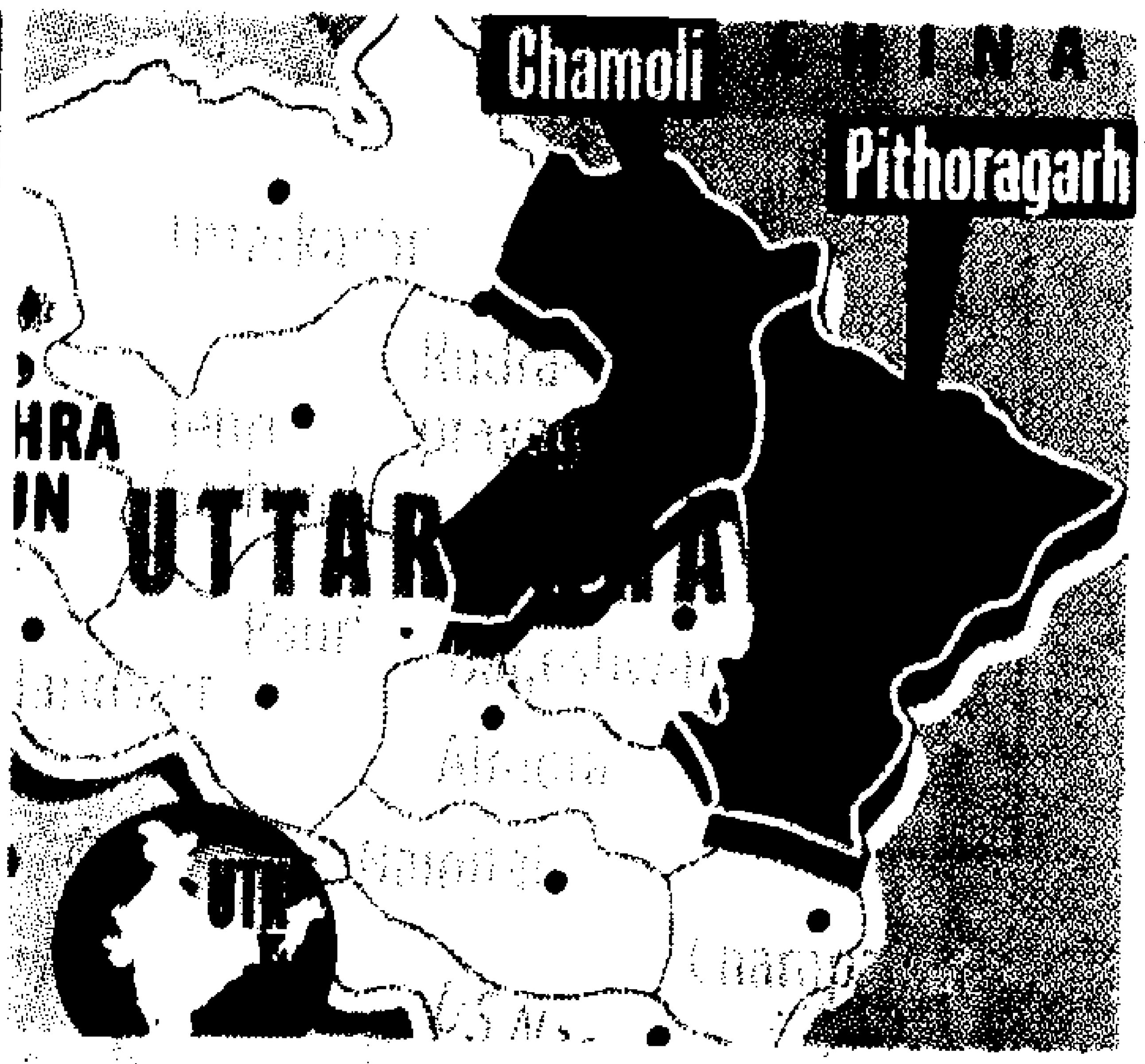

LANDSLIDES TAKE TOLL IN ARUNACHAL TOO

At least five persons, including two women and a teenager, were on Friday killed while five others remained missing in a landslide that buried several houses in Arunachal Pradesh's West Kameng district, which is being lashed by torrential rains.

दिनांक ....को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

DH- 2 July

Cloudburst kills 12 in Uttarakhand; 17 trapped

PITHORAGARH/GOPESHWAR/DEHRADUN, PTI: At least 12 people were killed and 17 trapped under tonnes of debris with little chance of survival, as rain on Friday triggered landslides in parts of Uttarakhand.

A huge landslide in Chamoli left 70 pilgrims bound for Badrinath stranded for hours before they were rescued. National Disaster Response Force teams were rushed from Delhi to the affected areas in both Pithoragarh and Chamoli districts to help in the rescue operations along with SDRF, SSB, ITBP and local agencies, officials said.

A scene after a cloudburst hit Singhali area near Pithoragarh on Friday. PTI

While eight people were killed in Singhali area of Pithoragarh district, four lives were claimed by heavy rain in Chamoli district where two were swept away by a mass of mud and slush rushing into Siron village near Chamoli, Sub Divisional Magistrate S K Barnwal said.

One person was killed in Ghat block and another was killed in similar circumstances in Sithel village, he said, adding that eight people trapped in the debris have so far been rescued in the district.

"We have recovered five bodies from Singhali area while three bodies have been recovered from Thal village. The search for other bodies is on by rescue parties consisting of Army and paramilitary personnel," Pithoragarh District Magistrate H C Semwal said. The entire area is being scoured for people who went missing after the cloudburst, which occurred in the early hours affecting several villages.

» Cloudburst, Page 12
Related reports, Page 13

Heavy rains triggered by cloudbursts in Chamoli and Pithoragarh districts

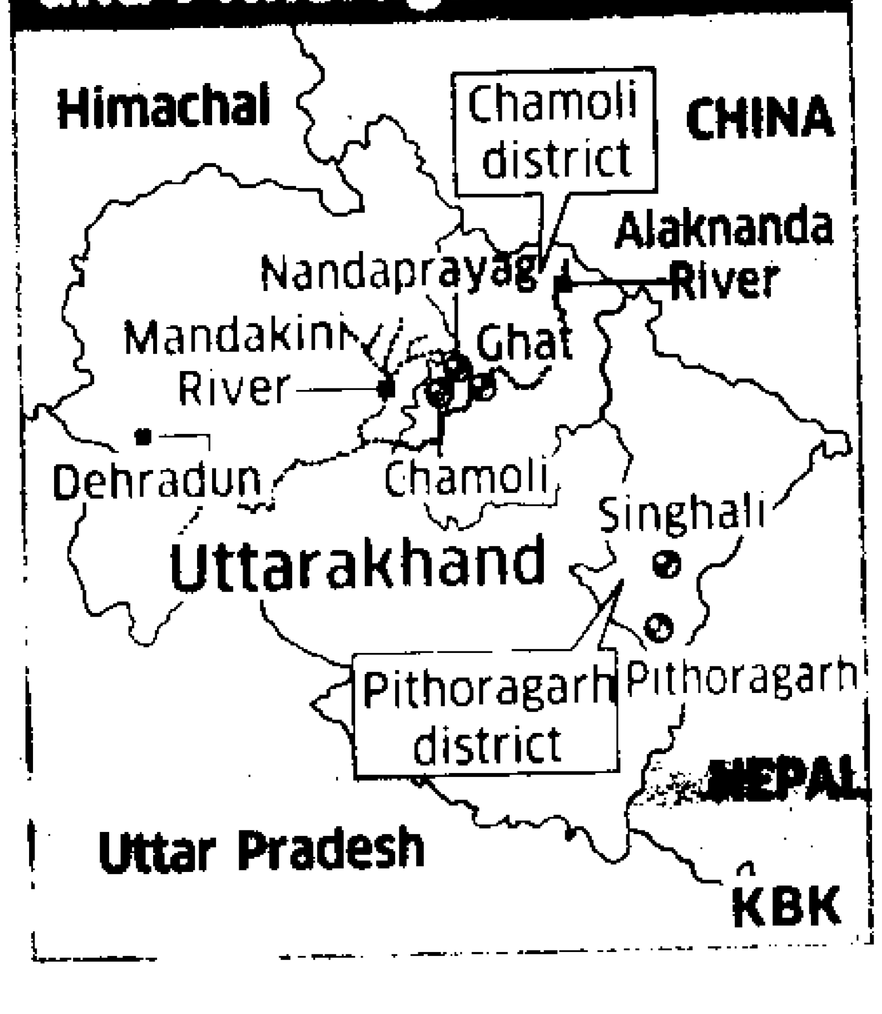

दिनांक 2.7.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	~~The~~ Deccan Hearld (Bengluru)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The Tribune (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The Hindu (Chennai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

MONSOON HAVOC: 1- Normal life in the Vasai-Virar belt of the Mumbai suburbs was hit as waterlogging was reported from various places following heavy downpour; 2- Damaged houses after heavy torrential rain in Arunachal Pradesh on Friday. DH PHOTO/ PTI

Heavy rain lashes Mumbai suburbs

MUMBAI/ GUWAHATI, DHNS: Heavy overnight rains lashed the coastal Konkan coast, including Mumbai suburbs, resulting in inundation in several places, including the Vasai-Virar township, where road transportation was affected badly, on Friday.

Reports of heavy rains in the last 36 hours were received from Naigaon, Vasai, Nalasopara and Virar, which is located on the Western Line's Palghar district. However, there was no impact on the Western Railway train movement.

Several low-lying areas of the township were inundated and in many places, water gushed into ground floor flats.

Bhiwandi taluka of Thane district recorded 120 mm rainfall. There were delays on the Central Railway route. There were some minor delays in flights in the morning due to congestion over the Mumbai airport. According to Regional Meteorological Observatory of the IMD, Vasai taluka received more than 150 mm rainfall in 24 hours ending 08:30 hrs on Friday.

In 36 hours, it received more than 200 mm rainfall, according to sources in the Vasai Virar City Municipal Corporation. According to data collected from the Konkan coast, Harnai recorded 290 mm rainfall, while Srivardhan and Dapoli recorded close to 170 mm. The weathermen has forecast heavy to very heavy rainfall for Konkan-Goa coast over the weekend. The Met office has asked fishermen to exercise caution as Arabian Sea could be choppy.

Landslides in Manipur

Meanwhile, Manipur is facing nature's fury once again.

Due to incessant rains and massive landslides in the past 24 hours in the state, one person lost his life, while several other were injured and a key portion of National Highway 37 is blocked cutting off parts of the state.

To add to the worsening situation, The Regional Meteorological Centre at Guwahati has predicted more rains in Manipur in coming 72 hours.

Five killed in landslide in Arunachal

At least five persons, including two women and a teenager, were on Friday killed after a landslide hit Bhalukpong in Arunachal Pradesh, PTI reports from Itanagar/New Delhi. [illegible] said to be [illegible] (IB) officials, are reported missing. A team of 30 Indo-Tibetan Border Police (ITBP) force personnel reached the affected area and [illegible] officials, a source said.

Water level in reservoirs at 15%

Water level in 91 major reservoirs across the country remained at around 15% of their total capacity for the third consecutive week, the government said on Friday, PTI reports.

दिनांक 2 July 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
The Tribune (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bhopal)
The Hindu (Chennai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

DH - 2 July 2016

Copious rains push up water levels in major dams

BENGALURU, DHNS: The water level in major reservoirs of the state has went up following copious rains across the state in the last few days.

The water level in Linganamakki reservoir in Sagar taluk of Shivamogga district has increased to 1761.95 feet against the maximum level of 1,819 feet. The catchment area of the dam has received 34.44 mm of rain.

Meanwhile, several parts of Shivamogga district received moderate and intermittent rains on Friday. Bhadravathi, Sagar, Thirthahalli and Hosanagar received moderate rains throughout the day.

Similarly, the water level in Harangi reservoir too has increased to 2836.64 feet owing to heavy rains in catchment areas. The inflow into the dam stood at 459 cusecs on Friday. However, rains receded in Dakshina Kannada and Kodagu district on Friday.

There were reports of moderate rains in Madikeri, Virajpet, Somwarpet, Bhagamandala and Talacauvery [redacted] trict.

[redacted]

Crops grown on the banks of the River Tungabhadra are under water in Guttal of Haveri district. (Right) Children play in stagnant rainwater after a downpour at Hebbal in Mysuru on Friday. DH PHOTOS

In KRS too

[redacted] ing rains, the inflow into [redacted] dam in Mandya district has [redacted] 80.30 feet on Friday evening from 76.37 feet on June 30.

Hassan district received moderate rainfall on Friday. Following the rains, inflow to Hemavathi reservoir went up pushing the water level to 2873.39 feet. Mysuru city received little rains.

The water level in River Tungabhadra has increased following heavy rains in Shivamogga, Davangere and Haveri districts. Crops grown on the river basin have been submerged.

After a break of a day, intermittent rain lashed Dharwad and surrounding areas. The showers continued till late evening leading to waterlogging on several roads.

Karwar and Honnavar in Uttara Kannada district received rains towards evening.

Reservoir levels

NAME OF THE RESERVOIR	*WATER LEVEL	*MAXIMUM CAPACITY
Linganamakki	1,761.9[illegible]	1,819.00
Supa	[redacted]	[redacted]
[redacted]	[redacted]	[redacted]
Hemavathi	2,873.39	2,922.00
Kabini	[redacted]	[redacted]
Almatti	1,658.78	1,704.81
Bhadra	2,095.91	2,158.00

* IN FEET

Source: Karnataka State Natural Disaster Monitoring Centre

TRICITY SUPPLY COMPANY LIMITED
CHIEF ENGINEER ELECTY.,
Keshwapur, Shivaganga Layout, Bijapur Road, Hubli-23.
2364320, Fax No: 0836-2364239, Email: ceehbl.hescom@gmail.com
CYS-85 Date: 29-06-2016
NDER NOTIFICATION (E-Procurement Mode Only)
, Hubli Zone, HESCOM, Hubli invites tenders in two parts, viz. part-
rt-II Price bid for Reconductoring of 9.85 KM Sqirrel / weasel

2 July 2016 The Hindu

Five killed in Arunachal landslip

ITANAGAR: At least five persons, including two women, were killed on Friday, while five others remained missing in a landslip that buried several houses in Arunachal Pradesh's West Kameng district, which is being lashed by torrential rain.

The landslip occurred when a small hillock near the Old Inspection Bungalow caved in and buried several houses in Bhalukpong town, West Kameng district Superintendent of Police A. Koan said. While five bodies were retrieved from the debris, five others were still missing as rescue operation had to be suspended due to darkness.

Three rescued

The SP, who is camping at Bhalukpong to supervise rescue operations, said torrential rain in the past couple of days have triggered flood-like situation in the town bordering Assam.

Three persons have been rescued from the debris, but they have sustained serious injuries, he said.

The dead bodies extricated from the debris were identified as Leel Bahadur Chetry (57), Dilip Gwala (15), H Barman (54), Durga Barman (45) and Rina Barman (24). — PTI

CLOUDBURST: A four-wheeler that fell into the Alaknanda river in Garhwal after heavy rains lashed Uttarakhand on Friday. — PHOTOS: VIRENDER SINGH NEGI

Heavy rainfall predicted over 72 hours

KAVITA UPADHYAY

DEHRADUN: The Dehradun Meteorological Centre has issued an alert for heavy rainfall for 72 hours. "We have issued a warning for areas in Dehradun, Haridwar, Pauri, Almora, Nainital, Champawat and Udham Singh Nagar district since there is possibility of heavy to very heavy rainfall over 72 hours [starting Friday morning]," Dehradun Meteorological Centre Director Bikram Singh said.

Within the alert period, there could be heavy rainfall in isolated areas across the State as well, he said.

Teams of the NDRF, the ITBP, the State Disaster Response Force, the Sashastra Seema Bal, the State Disaster Management Department and the Revenue Department were sent to the affected areas in Pithoragarh and Chamoli to undertake rescue and relief operations, Additional Secretary (Disaster Management) C. Ravishankar said.

दिनाकं 2.July.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Hearld (Bengluru)
✓ The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

DC — 2 July 2016

WEATHER | CRISIS ■ **Mangapet pushkar ghat along river Godavari faces Monsoon thr**

Heavy rains wash away Pushkar g

DC CORRESPONDENT
MANGAPET (WARANGAL), JULY 1

Pushkar ghat where the mud got washed away.

The Mangapet pushkar ghat, along river Godavari, is currently in a dangerous state with mud from the ghat washing away, after over four days of heavy rain.

Locals now fear continuing heavy rains will rip apart the ghat completely - flooding the Narsapur village.

"The river's current has been increasing in speed. The rain water is flowing towards the ghat and the mud has washed away. If it continues to rain like this, the entire village could end up flooded," a resident said.

Heavy rain in the area has already inundated several homes along low-lying areas in the region.

Also, the causeway between Chinthakunta and Thakkalagudem was completely washed away. The Gouraram vagu, Musalamma vagu near Rajupeta and Erravagu near Kamalapur is also overflowing.

दिनांक 2 July 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

TOI 2 July 2016

Final draft on nat'l park's eco-sensitive zone permits all construction activity

Notification Not Finalized, Says Centre

Clara.Lewis@timesgroup.com

Mumbai: The final draft notification, on the eco-sensitive zone (ESZ) around the Sanjay Gandhi National Park (SGNP), also allows under-construction projects in the zone to be completed and laying of underground cables.

However, Union minister for environment and forests and climate change Prakash Javadekar said the notification has still not been finalized. "The final proposal from the state is yet to be received," he said. The January draft issued by the MoEF did not allow any new construction within one kilometre from the boundary of the national park except allowing local people to construct for residential purposes. In case of hotels and resorts, the original draft

NO BREATHER YET FOR AAREY COLONY

Proposals In Final Draft Notification

- Eco-sensitive zone will be between **100 metres to four km** from the boundary of the Sanjay Gandhi National Park

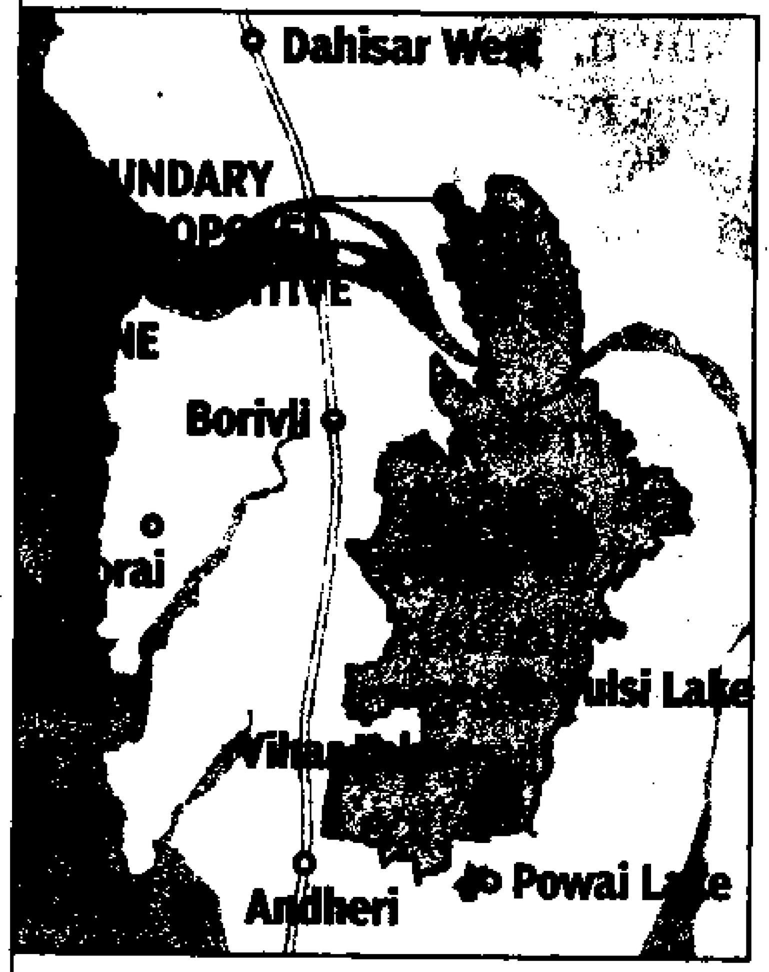

- **Metro**, monorail, underground transmission cables, communication cables have been proposed in the ESZ
- The area of the ESZ has been reduced by 165 hectares, from 6,110 hectares to **5,945 hectares**
- **Any kind of construction** in the ESZ as sanctioned by the local self-government in the Development Plan will be subject to applicable rules and regulations
- All **under-construction projects** within ESZ will be allowed to be completed

Norms For Eco-Sensitive Zone

- It is a buffer zone marked around a protected area to conserve and protect its ecology
- The state government demarcates an ESZ which is then submitted to the MoEFCC, which in turn invites objections/suggestions from the public. Based on objections/suggestions received, it issues the final notification
- Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes shall not be used or converted into areas for commercial or industrial related development activities
- Commercial mining, stone quarrying and crushing units to be stopped once the lease expires
- Hydroelectric power projects and thermal power plants prohibited unless provided for

25/7/2016 ... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

(Delhi) | The Assam Tribune (G. wahati) | The Deccan Hearld (engluru)
दिल्ली) | The Times of India (M. bai) | The Deccan Chronic. (Hyde. bad)
ndigarh) | The Telegraph (Kolkat | Central Chronical (opal)
nai) | हिन्दुस्तान (पटना)

LIGHT 'N' SHOWER SHOW

A cyclist in the Chandni Chowk area on Saturday evening. The sky remained overcast for most of the day and the city received 7.1mm of rain till 8.30pm. A low-pressure area to the Northwest of Bay of Bengal near the Odisha coast moving towards Calcutta led to the rain, a weather scientist said. "The low-pressure zone will remain active and it is likely to rain for the next two or three days," a Met official said. "Heavy rain is expected in some places on Sunday. The sky would remain overcast."
Picture by Pradip Sanyal

ToI 2 July 2016

Cloudbursts claim 11 lives in Uttarakhand

The rains also led to landslides in several parts of the hill state

Gaurav Talwar & Arpita Chakrabarty | TNN

Dehradun/Almora: Eleven people were killed and 17 who are missing are feared dead after cloudbursts wreaked havoc in Pithoragarh and Chamoli districts of Uttarakhand on Friday. In Bastadi, dozens of houses have caved in, trapping the residents.

The rains also caused landslides in many places. The Met has forecast heavy to very heavy rains across the state over the next 72 hours. Expressing grief, PM Modi said, "My prayers are with those injured."

▶**Key roads blocked, P 14**

2 July 2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

(Delhi)	The Assam Tribune (G. wahati)	The Deccan Hearld (...ngluru)
...दिल्ली)	The Times of India (M...bai)	The Deccan Chronic... Hyderabad)
...ndigarh)	The Telegraph (Kolkat...	Central Chronical (...opal)
...nai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

Landslides block key routes, relief ops begin

TOI 2 July

▶ From P 1

Heavy rains have caused landslides, blocking roads, especially in Chamoli district. Important routes like the Rishikesh-Devprayag road, Chamoli-Nandprayag and Chamoli-Joshimath roads remained closed for several hours on Friday. The Kanalichina-Askot-Dharchula national highway also remained closed due to landslides.

According to disaster management officials at Pithoragarh, a cloudburst brought over 100mm of rainfall in just two hours, affecting Bastadi, Ogla, Singhali, Bhagichura and Askot late on Thursday night. The disaster control room was informed early on Friday morning, after which National Disaster Response Force, ITBP and disaster management teams rushed to the spot. "Didihat tehsil in Pithoragarh is the worst affected, especially Bastadi village," C Ravishankar, additional secretary, disaster management department, said. Three of the injured who were rescued from the village have been airlifted to Pithoragarh base hospital. The condition of one of them is reported to be serious. Four others are reported to be

WASHED AWAY

trapped in Nachni. State Emergency Operation Centre said the cloudburst caused damage in Thal, Dharchula, Didihat, Gangolihat, Kanalicheena Berinag, Bangapani Davethal and Gannaigangoli areas. A total of 163 families in Naulna Gaun and Nachni have been affected. In Chamoli, bodies of three people washed away were recovered, while six others are reported to be missing. Most of the damage has been reported from Ghat block and Gopeshwar.

Relief and rescue operations have begun in both districts. Santosh Badoni, deputy secretary, disaster management department, said, "A 40-member team of NDRF has been air-dropped to Pithoragarh to begin rescue operations. SDRF, ITBP and SSB have also reached the spot."

2 July...... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

...stan Times (Delhi)	The Assam Tribune (Guwahati)	The Deccan Hearld (Bengluru)
... (दिल्ली)	The Times of India (Mumbai)	The Deccan Chronical (Hyderabad)
...ibune (Chandigarh)	The Telegraph (Kolkata)	Central Chronical (Bnopal)
✓ ...ndu (Chennai)	हिन्दुस्तान (पटना)	

2 July 2016 The Hindu

SC panel to visit dam on July 7

A sub-committee inspected the Mullaperiyar dam on Friday

Staff Reporter

THENI: Led by the Central Water Commission Executive Engineer Umberji Harish Girish, the five-member subcommittee, constituted by the Supreme Court-appointed High Power Supervisory Panel for Mullaperiyar Dam, inspected the main dam, raised shutters in spillway and baby dam here on Friday.

After collecting readings, including inflow and discharge and seepage and storage levels in the main dam and baby dam, the committee checked the condition of spillway shutters and operated fifth and ninth shutters.

At a regular meeting convened at the Supreme Court panel office near First Mile area in Thekkadi, the chairman said that two shutters of the spillway were operated. The condition of the shutters was important to maintain the permitted level in the dam and operate them in case of emergency.

IN FULL FLOW: The condition of shutters is important in determining the height of the dam in Idukki district. — FILE PHOTO

The chairman announced that the three-member Supreme Court panel had planned to visit the dam on July 7 to assess the situation.

The panel led by new chairman B.R.K. Pillai and new Tamil Nadu Public Works Department Secretary Prabhakaran will visit the dam and hold meetings to chalk out future course of action. (The former SC Panel Chairman LAV Nathan retired from service recently.)

The subcommittee decided to discuss future plan as per the direction of the panel and concluded the meeting. Water level in Periyar dam stood at 114.5 feet with an inflow of around 2,450 cusecs, 250 cusecs of water has been discharged into the Periyar river to meet drinking water needs of the southern districts.

The committee members, including Kerala Irrigation Department Executive Engineer George Daniel and SDO Livens and Tamil Nadu PWD Madurai Division Executive Engineer A. Madhavan and Sub-Divisional Officer (in-charge) Sam Irvin, accompanied the committee chairman. (For the first time, water level touched 142 feet in Periyar dam in the early hour of December 7, 2015.)

The Hindu 2 July 2016

Chitlapakkam lake under attack

Officials admit that ayacut areas have been converted into residential colonies

T. MADHAVAN

CHENNAI: The Water Resources Department (WRD) wing of Public Works Department has written to Kancheepuram district revenue officials to demarcate the boundaries of Chitlapakkam Lake on the fringes of the city.

Chitlapakkam Lake was the main source for irrigation for the vast tracts of surrounding farmlands till about two decades ago.

In reply to a complaint filed by K.S. Venkataramani of Sundaram Colony, Chitlapakkam, with Chief Minister's Grievances Cell, the officials admitted that the ayacut area of the lake was converted into residential areas in the recent years.

The officials also said that portions of the lake were encroached upon near Kannagi Street and Periyar Street. In this context, the WRD officials wrote a letter to the Tambaram taluk tahsilar to demarcate the boundaries of the lake and enumerate the number of encroachments on the lake.

After receiving a list of encroachers, the department would evict all of them from the waterbody as per provisions of Tamil Nadu Protection of Tanks and Eviction of Encroachments Act, 2007, said the reply letter sent to the complainant.

P. Viswanathan, convener, Chitlapakkam Residents' Association Coordination Committee, told *The Hindu* that the lake was last desilted some 12 years ago.

Sewage inflow

"Sewage was being let into the lake and thus the water has lost its quality." He demanded that the Water Resources Department deepen the lake and maintain it properly.

Residents also blamed the absence of a proper sewage system for the contamination of the waterbody. If the WRD and the administration did not react, Chitlapakkam Lake would soon become extinct, they said.

LIFELINE FACES THREAT

Name: **Chitlapakkam Tank**

Ayacut area: **88.66 hectares** (A hectare is equal to 10,000 square metres)

Water spread area: **0.22 sq. km.**

Capacity: 0.20 cu. m.

Length of bunds: **1,440 metres**

No. of sluices: 2

No. of weirs: 1

Full tank level: **9.525 metres**

IN PERIL: Residents say that the Chitlapakkam lake was last desilted some 12 years ago — PHOTO: G. KRISHNASWAMY

... (दिल्ली)
... Chandigarh)
... nai)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Floods, landslides claim 40 lives

MONSOON FURY Rains hit normal life in many parts of the country; scarcity forces Tripura to introduce fuel rationing

HT Correspondents
letters@hindustantimes.com

DEHRADUN/AGARTALA/NEW DELHI: Flash floods and landslides following heavy downpours in Uttarakhand, Himachal Pradesh, Arunachal Pradesh and other northeastern states have claimed close to 40 lives over the weekend.

In the northeast, continuous rains for the past few days hit normal life in Arunachal Pradesh, Manipur and parts of Assam, while the small state of Tripura faced a severe fuel crisis as it remains cut off for nearly 45 days from the rest of the country.

As thousands of trucks and oil tankers are now stranded in Assam's Karimganj district due to damage of Assam-Agartala National Highway (NH-8), the Tripura government has imposed fuel rationing, the state minister for food and civil cupplies, Bhanu Lal Saha said on Sunday.

There were reports of some fuel pumps selling petrol in black for over ₹200 a litre. According to the fuel rationing system, at one go, two-wheelers will be given only ₹200 worth of petrol; auto-rickshaws ₹300 worth of petrol and ₹500 worth of fuel for cars.

Meanwhile, incessant rains also hampered the rescue and relief efforts in the cloudburst-hit villages of Pithoragarh district in Uttarakhand, where the death toll climbed to 27 with nine more death and three more bodies being recovered on Sunday.

The three bodies were recovered from the worst-hit villages of Pithoragarh, taking the toll there to 18. Officials from the State Disaster Response Force (SDRF) said around 20 people are still missing, feared dead or buried under the debris, in the affected districts of Pithoragarh and Chamoli.

As manual search of bodies was difficult in the cloudburst-hit villages, the NDRF has deployed a dog squad to sniff out the bodies.

Nine more people died on Sunday as the vehicle they were travelling in plunged into a 200-meter deep gorge at Kalsi block en route to Chakrata hills. The Incident took place at around 1 am on Sunday morning when the vehicle was stuck at a landslide area. It fell into the gorge as the driver was trying to cross the landslip. Four other occupants were severely injured and admitted to a hospital at Vikasnagar.

A report from Agartala said the India government would try to use the Bangladesh route to bring petroleum products into Tripura as incessant rainfall had made the state inaccessible from National Highway 8.

"The state government has no issue with the proposal placed by Indian Oil Corporation Limited. However, the final decision will be taken after a meeting between India and Bangladesh officials," minister Bhanulal Saha said.

"A long stretch of the Assam-Agartala (NH 8) at Lowerpoa in Karimganj district of Assam is badly damaged and thousands of trucks carrying essential commodities and fuel are stranded. So, we have imposed rationing on use of petrol and diesel," Saha said.

He said due to slight improvement of roads only ten trucks carrying fuel could enter the state every day but the state requires more than 20 trucks or oil tankers every day. Saha said there is buffer stock of food grains for 55 days.

In Manipur, two days of heavy rain claimed the life of a girl in Churachandpur town, while some low-lying areas of Imphal continued to face flash floods on Sunday owing to the intense downpour in several areas of the state since Friday.

In Assam, most rivers and their tributaries were flowing close to the danger mark, owing to heavy rainfall over the past couple of weeks.

The IMD has predicted more heavy rains in the north and northeast India in the next 24 hours.

Army and SDRF personnel carry out a rescue operation in a village affected by a cloudburst in Uttarakhand's Pithoragarh district. PTI

...lights

FLASH FLOODS PARALYSE MANIPUR

IMPHAL: Two days after heavy rain claimed a girl's life in Churachandpur town, some low-lying areas of Imphal continued to face flash floods on Sunday, throwing life out of gear even as rivers passing through the state capital kept swelling. The movement of vehicles was affected severely due to landslides at Sehjang near 86 CRPF camp along 250km Imphal-Silchar highway, according to reports. **HTC**

Heavy rain throws road, air traffic out of gear in J'khand

RANCHI: Several parts of Jharkhand received moderate to heavy rainfall on Sunday, throwing road and air traffic out of gear. The rain also lashed Ranchi, washing away four diversions including one on the Ranchi-Chatra route. Weather department has predicted heavy to very heavy rainfall during the next 48 hours in many parts of the state including Ranchi. **HTC**

'After good rain, monsoon deficiency drops to 9 %'

NEW DELHI: The overall monsoon deficiency has reduced to 9% after several parts of the country received a good amount of rainfall. From June 1 to July 2, the country has received 164.9 mm of rainfall as against the normal limit of 180 mm, the Met said, adding the situation is expected to improve as good rain is predicted for the months of July, August and September. **PTI**

दिनांक 01.07.2016 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

DH - 1 July 2016

River Lakshmanthirtha in Hunsur taluk, Mysuru district is in full spate as heavy rain continued to pound Kodagu region on Thursday. DH PHOTO

Rainfall recedes in several parts of state

Food and Civil Supplies Minister U T Khader inspects the damage caused by sea erosion at Ucchila near Ullal on Thursday. Deputy Commissioner A B Ibrahim and others look on. DH PHOTO

BENGALURU: Rainfall receded in several parts of the state on Thursday. The coastal region of Uttara Kannada district received light drizzle towards afternoon on Thursday.

Skies were overcast in Bhatkal, Honnavar, Kumta, Ankola and Karwar. Sirsi, Siddapur, Haliyal, Mundgod, Yellapur and Joida received moderate showers. Rainfall drastically receded in Dakshina Kannada, Udupi and Chikkamagalur districts on Thursday.

Rains receded in Shivamogga district too. Moderate rains lashed Hosanagar, Thirthahalli, Bhadravathi and Shivamogga. Sagar, Shikaripur and some parts of Sorab are under a dry spell. The water level in River Tunga in Shivamogga city dipped. However, the water level in Linganamakki dam in Sagar taluk rose to 1760.50 feet against the maximum level of 1,819 feet as the catchment area received good rain.

While Mysuru city experienced light showers for a few minutes on Thursday, the Cauvery catchment area received good rain, increasing the inflow into KRS reservoir. The inflow on Thursday was 22,935 cusec and the water level in the dam increased by seven feet in a day.

The inflow, which was 7,126 cusec on June 29, increased to 22,000 cusec on June 30. Similarly, the water level, which was 69.65 ft on June 20, stood at 76.37 ft on June 30.

Intermittent rains in Hassan district took a break on Thursday. There were light showers in the morning and evening. The water level in Hemavathy dam on June 30 was 2,870 ft against its maximum of 2,922 ft. Inflow was 13,265 cusecs and outflow was 135 cusecs.

The water level at Kabini reservoir was 2,258 as against the maximum of 2,284 ft.